जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 6 सितम्बर, 2025

आप कौनसी चक्की का आटा खाते हो?

KEDIA™ Pavitra

सालों से घिस-घिस कर चलती? | सड़क किनारे धूल से लिपटी? | चूहों और कॉकरोचों की पार्टी स्थल? | गोदामों का दड़ा गेहूँ?

या

SWISS TECHNOLOGY FULLY AUTOMATED BUHLER PLANT WITH NO HUMAN TOUCH

RAW WHEAT INTAKE → DRUM SIEVE → MAGNETIC SEPARATOR → GRAVITY SEPARATOR → DESTONER → SCOURER → WHEAT WASHER → COCKLE CYLINDER → SORTEX → STONE GRINDING → PLANSIFTER → ENTOLETER → GYRO PLANSIFTER → PACKAGING → METAL DETECTOR → FINAL PRODUCT

जिससे बनता है

FIXED PRICE

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

DESHI CHAKKI AATA 5 kg | MRP ₹ 250

SHARBATI SUPERIOR AATA 5 kg | MRP ₹ 350

MUST TRY OUR: BESAN • SUJI • DALIA • SHARBATI WHEAT • DESHI WHEAT

COMING SOON: • RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETNERS

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON APP

ORDER ON CALL 1800-120-2727

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

त्रुटियों के संशोधन का नाम ही उन्नति है। -लाला लाजपत रॉय

मौसमी बीमारियों के फैलाव का संकट

मानसून की विदाई के साथ-साथ अब मौसमी बीमारियों का दौर की शुरुआत होने लगी है। इस बार समूचे प्रदेश में मानसून की अच्छी बरसात हुई है। यहां तक अनके स्थानों पर तो बाढ़ जैसे हालात बने वहीं जलभराव की समस्या से लगभग समूचे प्रदेश को दो चार होना पड़ा। खैर यह विषयांतर होगा पर यह साफ है कि पानी के भराव के कारण अब तेजी से मच्छरों का प्रकोप फैलेगा और इसके चलते मच्छरों के कारण तेजी से वायरल बुखार-खासी और इससे जुड़ी बीमारियों में तेजी आयेगी। ऐसे में आम नागरिकों के साथ ही मेडिकल विभाग को चाकचोबंद होने के साथ ही स्थानीय निकाय संस्थाओं को अभी से अधिक सक्रिय होना होगा। मच्छरों का प्रकोप बरसात से जमा पानी और गंदगी के कारण अधिक होता है। ऐसे में साफ-सफाई और गंदगी जमा नहीं होने देने के काम में निकाय संस्थाओं को अधिक सजगता से कार्य करना होगा वहीं मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए फोगिंग व मच्छर नाशक कीटनााकों का छिड़काव की तत्काल तैयारी करनी होगी। आमनागरिकों को भी आसपास पानी जमा नहीं होने देना होगा। इसके अलावा कूलर व घर के कवाड़ पुराने टायर आदि में पानी जमा नहीं होने देना होगा। सामान्य वाइरल से लेकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियां तेजी से फैलेगी और अस्पतालों में बीमारों की लंबी लंबी कतार देखने को मिलेगी। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग को भी वर्षा और मच्छर जनित बीमारियों के ईलाज और रोकथाम के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होगी। खासतौर से दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी ताकि व्यवस्थाओं पर प्रश्न नहीं लगे और लोगों को त्वरित ईलाज सुविधा प्राप्त हो सके।

वैसे भी विश्व स्वास्थ्य संगठन की माने तो चिकनगुनिया अब विकराल रुप लेता जा रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार आने वाले समय में पांच अरब लोगों के इसके दायरें में आने की पूरी-पूरी संभावना है। हांलाकि चिकनगुनिया से मौत का आंकड़ा प्रभावितों में से केवल एक प्रतिशत है पर जिस तरह से इसके फैलने की संभावनाएं बनती जा रही है निश्चित रुप से मौत का आंकड़ा भी बढ़ेगा और लाख दावों के बावजूद इसके स्वास्थ्य पर दूरगामी गंभीर प्रभाव भी पड़ेगा। चिकनगुनिया की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि उष्णकटिबंधीय अफ्रीका से एशिया को लपेटे में लेने वाली यह बीमारी अब योरोप को भी अपनी जद में करीब-करीब ले चुकी है। दरअसल जलवायु परिवर्तन भी इसके फैलाव में सहायक है। तापमान बढ़ोतरी और नमी दोनों के कारण चिकनगुनिया का मच्छर फैलता है। जहां पानी जमा हुआ इसके मच्छर को डेरा जमाने का अवसर मिल जाता है। दुनिया के 119 देशों में चिकनगुनिया अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। हमारे देश में तो पिछले कुछ वर्षों से चिकनगुनिया लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा ही रहा है। यदि हमारे देश भारत की बात करें तो गत वर्ष चिकनगुनिया के दो लाख संदिग्ध मामलें सामने आये थे जिनमें से 17 हजार से अधिक मामलों में चिकनगुनिया की पुष्टि हुई थीं। भले ही यह संख्या कम लग रही हो पर जिस तरह से चिकनगुनिया हमारे देश सहित दुनिया के देशों में पांव पसार रहा है यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की चिंता का प्रमुख कारण है।

पुराने कबाड़, कूलरों व अन्य पानी जमा भले ही नाममात्र का ही जमा नहीं होने दे। इसी तरह से शरीर को ढंकने वाले कपड़े जैसे पूरी बाहों के शर्ट, पेंट आदि पहने और इसके साथ ही मच्छर नाशकों का उपयोग कर मच्छरों के प्रकोप से बचने और मच्छरों को फैलने से रोके। इस तरह के सुरक्षा मानकों की पालना करनी ही होगीं।

चिकनगुनिया मच्छर जनीत बीमारी है और पिछले कुछ सालों खासतौर से जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरुप मच्छर जनीत रोगों अधिक फैलाव हुआ है और पहले बरसात के पानी जमा होने के कारण फैलने वाली यह बीमारी अब गर्मी के मौसम बल्कि यह कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी छट-बारह महीने अपना असर दिखाने लगी है। इस साल हमारे यहां मानसून ने समय से पूर्व प्रवेश किया है और राजस्थान ही नहीं अपितु देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बरसात हो रही हैं। जिस तरह की हमारी ड्रेनेज व्यवस्था है और जिस तरह से जल भराव के हालात हो रहे हैं उससे चिकनगुनिया का प्रकोप व्यापक रुप से देखने को मिल सकता है। अल्फाविषाणु परिवार के इस सदस्य एडिस के लार्वा के फैलाव को रोकने के लिए फोगिंग की प्रभावी व्यवस्था तो अभी दिखाई नहीं देती। फिर पानी का जमाब, गंदगी और बातावरण की नमी व लगातार बरसात के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ेगा ही, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दरअसल हम आपदा से निपटने के लिए पहले से तैयार रहते ही नहीं है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर तो पानी का भराव, किचड़, गंदगी आदि तो है ही इसके साथ ही हमारी प्रवृति के अनुसार हम स्वयं मच्छर जनित बीमारियों को फैलने से रोकने के स्थान पर उसके फैलाव में सहभागी बन जाते हैं। घरों में पानी जमा होना और कबाड़ में पानी भरा रहना, कूलरों में पानी को समय से नहीं बदलना आदि ऐसे कारण है जिससे एडीज एजिटी और एडीज एल्बोपिक्टस को पनपने में पूरा सहयोग मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह सुबह और दोपहर में यह अधिक सक्रिय रहता है।

बरसात व उसके बाद आवश्यक फोगिंग की व्यवस्था, साफ-सफाई और मच्छर के लार्वा को नष्ट करने की व्यवस्था और इसके साथ आमजन में अवेयरनेस को गंभीरता से लिया ही नहीं जाता। मच्छर जनित बीमारी का फैलाव कब होगा इसके लिए पूर्व तैयारी हमारी होती ही नहीं। जब अस्पतालों में मरीजों की भीड़ होने लगती है तब हमारी जागने की प्रवृति है। नहीं तो अवेयरनेस कार्यक्रम तो पहले से ही चलाया जा सकता है। ऐसे में सरकारों को अभी से प्रिकोसनरी रणनीति बना लेनी चाहिए ताकि इसके असर को कम किया जा सके। लोगों को भी अपने घर से ही सुरक्षा उपायों पर ध्यान देना होगा। खासतौर से पुराने कबाड़, कूलरों व अन्य पानी जमा भले ही नाममात्र का ही जमा नहीं होने दे। इसी तरह से शरीर को ढंकने वाले कपड़े जैसे पूरी बाहों के शर्ट, पेंट आदि पहने और इसके साथ ही मच्छर नाशकों का उपयोग कर मच्छरों के प्रकोप से बचने और मच्छरों को फैलने से रोके। इस तरह के सुरक्षा मानकों की पालना करनी ही होगीं। नहीं तो जिस तरह से मानसून के पहले आने और अच्छी बरसात से जो लाभ हो रहा है वह मच्छरों के प्रकोप के फैलने से मच्छर जनित बीमारियों के फैलने का कारण भी बन जाएगा। मच्छर जनित बीमारियों की आपदा सामने हैं। अब आम नागरिकों से लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों को अपने-अपने दायित्वों को पूरा करने में जुट जाना होगा ताकि किसी को भी व्यवस्थाओं को लेकर कुछ सुनने का अवसर ही ना मिल सकें व बीमारों को समय पर स्वास्थ्य सुविधां प्राप्त हो सकें।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 6 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:56 तक, अतिगंड योग दिन 11:52 तक, गर करण दिन 2:28 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:21 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग रात्रि 10:56 तक है। भद्रा रात्रि 1:42 से आरम्भ होगा। आज अनन्त चतुदर्शी व्रत, पंचक दिन 11:21 से आरम्भ होगा। आज भागवत सप्ताह पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:45 से 9:19 तक, चर 12:25 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:59 से 4:59 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:39

मेष
व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

धनु
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक समस्या हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
परिवार में अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में आपसी समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

जीएसटी 2.0 कर सुधार का नया अध्याय

मदन राठौड़

देश की अर्थव्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता की दिशा में 1 जुलाई 2017 को लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐतिहासिक कदम था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 101वें संविधान संशोधन के माध्यम से लागू हुई यह कर प्रणाली केवल तकनीकी बदलाव नहीं थी, बल्कि एक गहरी सोच के साथ लिया गया निर्णय था जिसने देश को 'एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार' की अवधारणा से जोड़ा। लंबे समय तक भारत में कर ढांचा जटिल और बोझिल रहा। कांग्रेस सरकारों के दौर में कभी साइकिल पर 17 प्रतिशत, सिलाई मशीन पर 16 प्रतिशत, सीमेंट पर 29 प्रतिशत और दवाओं व कृषि उपकरणों पर 12 से 14 प्रतिशत तक कर वसूला जाता था। राज्यों की अलग-अलग कर प्रणालियों ने आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्योग जगत को उलझन में डाल रखा था। उस समय की नीतियां जनता को राहत देने के बजाय उल्टा उनके बोझ को बढ़ाने वाली थीं।

मोदी सरकार ने इस अव्यवस्था को दूर करने का बीड़ा उठाया और जीएसटी लागू कर एक सरल, पारदर्शी और नागरिक हितैषी कर व्यवस्था दी। विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग के लिए राहत देने के उद्देश्य से जीवन रक्षक दवाओं, स्वास्थ्य बीमा और अन्य आवश्यक वस्तुओं को टैक्स मुक्त या न्यूनतम श्रेणी में रखा गया। यह निर्णय केवल आर्थिक सुधार नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की दिशा में भी एक बड़ा कदम था।

अब एक नई ऐतिहासिक पहल के तहत 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में सर्वसम्मति से जीएसटी 2.0 लागू करने का निर्णय लिया गया है। 22 सितंबर 2025 से पूरे देश में केवल दो टैक्स स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत लागू होंगे। इस निर्णय से कर प्रणाली और अधिक सरल होगी तथा आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, घर बनाने की लागत घटेगी, ग्रेनाइट और मार्बल जैसी निर्माण सामग्री सस्ती होगी और रियल एस्टेट सेक्टर को नई गति मिलेगी। किसान, छात्र, युवा, महिलाएं और छोटे व्यापारी वर्ग सभी को इसका लाभ मिलेगा।

जीएसटी 2.0 के प्रभाव दूरगामी होंगे। मांग में वृद्धि होगी, उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी और निवेश व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। छोटे और मध्यम व्यापारियों को कर अनुपालन में आसानी होगी और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को नई दिशा मिलेगी। भारत की विकास दर पहले से ही 8 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है और इस सुधार से घरेलू मांग और अधिक प्रबल होगी। यह निर्णय केवल कर सुधार नहीं बल्कि देश की आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक कदम है।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले लिया गया यह फैसला प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और जनता के प्रति उनकी संवेदनशीलता का प्रतीक है। जहां कांठोस ने दशकों तक करों की भूलभुलैया बनाकर जनता को परेशान किया, वहीं भाजपा सरकार ने सरलता और पारदर्शिता को आधार बनाकर नागरिकों को राहत दी। यही अंतर खोखले वादों और ठोस फैसलों में दिखाई देता है। जीएसटी 2.0 केवल संख्याओं का फेरबदल नहीं, बल्कि भारत के आर्थिक इतिहास का वह अध्याय है जो आने वाले समय में देश को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

-मदन राठौड़,
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में बसता, भारत का जन मन और जनजातियां

डॉ. निमिषा गौड़

नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि, अथार्थ

हे मातृभूमि आपको हर समय नमस्कार है, आप प्रेम करने वाली है। देशभक्ति और मातृभूमि की श्रद्धा से प्रेरित संघ की प्रार्थना को हाल ही में दक्षिण भारत के कांग्रेसी नेता व कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने राज्य की विधानसभा में गाकर दक्षिण भारतवासियों की संघ निष्ठा का पुन: स्मरण करवाया, यद्यपि राजनीतिक दबाव के चलते डी के शिवकुमार ने क्षमा माँग ली। किंतु एक वो भी समय था जब मध्य बरार के कांग्रेसी मुख्यमंत्री पंडित रविशंकर शुक्ल ने क्षेत्र मे जाने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शरण ली थी।

स्वतंत्रता के पश्चात मध्य प्रदेश के विकास की योजना बनाने के लिए दौरे पर निकले मुख्यमंत्री प. शुक्ल को जशपुर के जंगलों से 'शुक्ला गो बैक' के नारों और काले झंडों का सामना करना पड़ा तब जनजातियों के मध्य विदेशी शासकों की नीतियों से पनपे जहर का सामना कांग्रेसी नेता ने किया। तब अपमान और खिन्नता से भरे मुख्यमंत्री ने जनजातियों के मध्य राष्ट्रवादी विचारों से प्रेरित सामाजिक कार्यों और शिक्षा की आवश्यकता महसूस किया।

इसके लिए पिछड़ी जाति कल्याण विभाग बनाया। इस विभाग की सार संभाल के लिए क्षेत्रीय संगठक के पद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बाला साहब देशपाण्डे जी को जिम्मेदारी दी ।कांग्रेसी नेता को भी विश्वास था कि जनजातियों के मध्य समरसता का भाव लाने का मादा राष्ट्र का निष्ठावान सेवक ही कर सकता है।

वर्ष 1926 में बाला साहब देशपाण्डे संघ की शाखा में जाने के कारण पूजनीय डॉक्टर हेडगेवार के संपर्क में आए। वे संघ के प्रारंभिक कार्यकर्ताओं में से एक थे और उन्होंने संघ के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने मध्य भारत, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर भारत के दूरदराज क्षेत्रों में वर्ष 1952 से वनवासी कल्याण आश्रम का सहरानीय कार्य किया। वनवासी कल्याण आश्रम का ध्येय वाक्य में नगरवासी, ग्रामवासी, वनवासी हम सभी हैं भारतवासी।

वर्ष 1925 से ही एक संगठित और सामर्थ्यवान हिन्दू समाज के निर्माण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अनथक रूप में 'हिंदू सोदरा सर्वे' के भाव से साधना कर रहा था, इसी साधना में जनजातीय समाज के स्वाभिमान और संस्कृति को अपने कार्य में अग्रणी रखते हुए संघ की प्रेरणा से वनवासी कल्याण आश्रम का कार्य प्रारंभ हुआ, जो कालांतर में पूरे देश में विस्तृत हुआ।

भारतीय संस्कृति के मूल स्वरुप में अखंड भारत की संकल्पना थी, किंतु विदेशी साम्राज्य के हजारों वर्षों के आधिपत्य ने देश का विभाजित करते हुए अनेक जातियों में बांट दिया और जनजाति समाज के मन में हीन भावना भरकर उन्हें अपनी मूल संस्कृति से अलग करने का कुटिल प्रयास भी किया।

वर्ष 1954, नियोग समिति की रिपोर्ट में मतांतरण को कानून द्वारा प्रतिबंधित करने की सिफारिश की गई थी। किंतु समिति के खोजपूर्ण दस्तावेजों को भी दरकिनार करके तत्कालीन सरकार हिन्दू समाज की बेरुखी कर रही थी जिसके परिणामस्वरूप जात पात का भेदभाव जनमानस के बीच व्याप्त हो गया था। तत्पश्चात हिन्दू समाज को संगठित करने का बीड़ा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उठाया और आज तक हिन्दू समाज को संगठित करने का तप लाखों स्वयंसेवक कर रहे हैं।

संघ के मूल भाव में जनजाति, अनुसूचित जाति, स्वर्ण, अगड़ा-पिछड़ा और आदिवासी सभी भारत के मूल निवासी है। इनमें भेद करने वाले विचारों का संघ प्रतिकार करता है।

ऐतिहासिक पन्नों को पलटने पर ज्ञात होता है कि भारत की जनजातियों की अपनी संस्कृति और सभ्यता रही है। पहाड़ियों कटीली झाड़ियों में रहने वालों ने अपने जीने के अधिकार के लिए कई लड़ाईयां लड़ी। स्वाभिमान और संस्कृति के संरक्षण के लिए अपने जीवन की आहूति देने में पीछे नहीं रहे। जिसमें से तिलका भीम, भीमा नायक रामा हब्शी, नंत राम देगी, राणा पूंजा, बिरसा मुंडा, गुण्डाधुर गोविंद गुरु जैसे अनेक नायकों ने जनजातियों को नेतृत्व देकर देश समाज की रक्षा का संदेश दिया। रानी दुर्गावती, रानी गाईदिल्यु, नूरा और सेला, काली बाई जैसी नायिकाओं ने भी जनजातीय समाजों को दिशा प्रदान की है। भारत के मध्य काल में जातियों के मध्य विभाजन की दरार के पश्चात स्वतंत्र भारत में धर्मांतरण की समस्या से जूझ रही जन जातियों के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए राष्ट्रीय स्वायंसेवक संघ की महती भूमिका है।

संघ का प्रयास यह है कि जनजातीय समाज में से ही जागरूक नेतृत्व खड़ा हो जो उनके हितों की रक्षा करें और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी बने। इसलिए सबसे पहले संघ ने जनजातीय समाज को सशक्त बनाने के लिए सेवा भाव को अपनाया, उनमें स्वत्व और स्वाभिमान को जगाने का प्रयास किया। समाज के नायकों द्वारा संपूर्ण देश के लिए किए गए प्रयासों को पूरे देश के सामने लाकर उन्हें राष्ट्र नायक के रूप में अपनी पहचान दिलाने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कर रहा है। संघ विचारों से प्रेरित होकर वनवासी कल्याण परिषद के कार्यकर्ता जनजातीय समाज के बीच में रहकर उनके रीति-रिवाजों, कला संस्कृति और वेशभूषा के संरक्षण के लिए निरंतर साधनारत है।

जनजातियों के मध्य मतांतरण के विरोध के फलस्वरूप अनेक स्वयंसेवकों और संतों ने अपने जीवन की आहुति तक दी। उड़ीसा के स्वामी लक्ष्मणानंद इसका उदाहरण हैं असम में 2005 में उल्फा के आतंकियों ने स्थानीय समाज के लिए कार्य कर रहे संघ के कार्यकर्ता शुक्लेश्वर मेढ़ी की हत्या कर दी। वर्ष 2001 में त्रिपुरा में एनएलएफटी के लोगों ने संघ कार्य को मतांतरण करने में बाधा समझकर संघ के अनेक प्रचारकों का अपहरण कर यातनाएं दी लेकिन संघ प्रतिबंध दबाव से परे मातृभूमि की सेवा के लिए अनवरत सेवारत रहा है।

जनजाति समाज की सुरक्षा और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दलित पिछड़े और आदिवासी वर्गों के मध्य सामाजिक समरसता के अभियान भी चलाता रहता है। जैसे एक कुआँ एक मंदिर एक श्मशान जैसे अभियान चलाए गए ताकि दलितों को समान धार्मिक-सामाजिक अधिकार मिलें। संघ की शाखाओं में जाति की पूछताछ नहीं की जाती, सभी भाई कहलाते है। जाति समरसता की नींव संघ की शाखा से शुरू होकर स्वयंसेवक के गृहस्थ जीवन तक समानता के भाव रहते हैं।

आज भारत में सात सौ से अधिक जन जातियां हैं। इनमें 75 जन जातियां अति पिछड़ी जनजातियां है। महाराष्ट्र में कातकारी जनजाति विकास से कोसों दूर थी। वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से रायगढ़ के मानगांव विद्यालय में कातकारी समाज की पहली शिक्षित पीढ़ी का निर्माण हुआ है। अब इस विद्यालय में कातकारी के साथ ठाकुर जनजाति के भी 450 छात्र छात्राएं पढ़ रहे है।

तू-मैं एक रक्त के भाव से बाला साहब देशपाण्डे के नेतृत्व में जनजाति समाज के बीच कार्य शुरु हुआ था। आज जनजाति समाज की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कल्याण आश्रम काम कर रहा है। आश्रम देश के 64 हजार 814 गांवों में विभिन्न प्रकल्पों के माध्यम से लाखों जनजातीय वर्ग के बंधु-भगिनी लाभान्वित हो चुके हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिन्दू परिषद और सेवा भारती अनेक प्रकल्पों के माध्यम से भारत के प्रत्येक प्रांत में निवासरत जनजाति समाज के लिए चिकित्सा, शिक्षा, सुरक्षा, स्वावलंबन और समरसता के साथ-साथ स्वधर्म के जागरण का कार्य कर रहे हैं। एकल विद्यालयों के माध्यम से ये संगठन भारत और भारतीयता की शिक्षा का कार्य एवं प्रचार प्रसार जनजातीय समाज में कर रहे हैं। सूदूर पूर्वोत्तर इलाकों में संघ की शाखाएं स्व, स्धवर्म और समरसता का मंत्र लेकर अनेक स्वयंसेवक, कार्यकर्ता आत्मीय भाव से हिन्दू समाज को एकता के सूत्र में बांध रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की साधना के शताब्दी वर्ष तक अनेक परिवर्तन हुए लेकिन हिन्दू समाज में स्वत्व का भाव संघ का ध्येय है, यह कार्य सतत चल रहा है।

विविधता में एकता से समाज को संगठित करने तथा पूर्वोत्तर के मैंतई और कूकी समाज के बीच फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए संघ के अनेक कार्यकर्ता बंधुभाव से सदभाव बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में इसे मुख्य एजेंडे में शामिल करते हुए "संवाद के जरिए समाधान" का प्रस्ताव पास किया। जनजातीय समाज के नेताओं को संघ के कार्यक्रमों में मुख्यातिथि के रूप में सम्मान देना संघ का सहृदय बंधु भाव को दर्शाता है। संघ शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन के सूत्रों को आत्मसात कर देश में समरस समाज का संदेश देता है। संघ कार्य का आधार सत्य और प्रेम है।

संघ प्रमुख श्रीमान मोहन भागवत कहते हैं कि शमशान, मंदिर और पानी सब हिन्दुओं के लिए एक होना चाहिए हिंदू समाज के सभी पंथ ,जाति, समुदाय साथ आएं,यही संघ की परिकल्पना है, हमारा उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना है।

'न हिंदू पतितो भवेत' के भाव से सृष्टि की सत्ता के अधीन सबके कल्याण में ही स्वयंसेवक का सुख है। इस भाव से बना समरस समाज ही संघ का मूल मंत्र है जिसमें जनजातीय समाज हिन्दू समाज का अभिन्न अंग है।

-डॉ. निमिषा गौड़,
सहायक आचार्य,
कनोड़िया पी. जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर।

2 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइट से राजस्थान की हर गली-हर सड़क होगी जगमग

त्योहारी सीज़न से पहले सीएम की अहम घोषणा

कुणाल वशिष्ठ

राज्य सरकार की ओर से राज्यवासियों के लिए बड़ी सौगात दी गई है। रविवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय क्षेत्रों की रात्रिकालीन सुरक्षा, ऊर्जा बचत और बेहतर यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बजट 2025-26 में प्रस्तावित 1 लाख एलईडी स्ट्रीट लाइटों की संख्या बढ़ाकर अब 2 लाख करने का अहम निर्णय लिया है।

श्री शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश की हर सड़क, हर मोहल्ला और हर बाजार रोशनी से जगमगाए। यह केवल रोशनी का कार्य नहीं बल्कि सुरक्षित और आधुनिक राजस्थान के निर्माण की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि त्योहारी सीज़न को देखते हुए इस कार्य की शुरुआत दीपावली से पूर्व की जाए ताकि प्रदेश की सड़कें और भी सुंदर दिखाई दें।

स्वायत्त शासन विभाग के सचिव श्री रवि जैन ने बताया कि राज्य की 312 नगरीय निकायों में बढ़ती आबादी और क्षेत्रीय विस्तार को देखते हुए आधुनिक प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के विज़न के अनुरूप पुरानी और कमज़ोर लाइटों को हटाकर नई एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। श्री जैन कहा कि यह निर्णय न केवल शहरों की सूरत बदलेगा बल्कि नागरिकों के जीवन में सुरक्षा और सहजता का भाव भी जोड़ेगा। यह पहल ऊर्जा की बचत करेगी, दुर्घटनाओं में कमी लाएगी और लोगों को रात के समय भी सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विभाग अतिशीघ्र प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर इस कार्य को शुरू करेगा।

उल्लेखनीय है की स्वायत्त शासन विभाग द्वारा शहर चलो अभियान के तहत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक राज्य की सभी नगरीय निकायों में नई स्ट्रीट लाइट लगाने और बंद लाइट को चालू करने का कार्य भी किया जाएगा। इसी के साथ ही स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नगरीय निकायों में आमजन की स्ट्रीट लाइट, पेयजल, सड़क से संबंधित शिकायतों और सुझाव के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर 181 भी जारी किया गया है।

-कुणाल वशिष्ठ,
एपीआरओ, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान

सीनियर नर्सिंग ऑफिसर गुप्ता सम्मानित

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि प्रान्तीय उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर लवानियां एवं अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कालीचरण तराना ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर "चन्द्रप्रकाश गुप्ता को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड" से सम्मानित किया।

भूतपूर्व नर्सिंग अधीक्षक दीवान सिंह ने चन्द्रप्रकाश गुप्ता के सराहनीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में नर्सिंग अधीक्षक लोकेश सिंघल, विष्णु गुप्ता, अभय प्रताप, प्रियांका देवी, प्रीति सिंह, दिलीप गुप्ता, विजय शर्मा, तरूण सिंघल, योगेश गर्ग, मनोज सिंघल एवं अम्बेश गोयल उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन "लोकेश सिंघल" ने किया तथा आभार "विष्णु गुप्ता" ने व्यक्त किया।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 36 प्रभात जयपुर, शनिवार 6 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Notorious Edenton Tea Party

Barker's resolution was a response to North Carolina's First Provincial Congress, who had called for a boycott of British goods and cessation of exports to Great Britain.

Don't Throw them

The Importance of Toll Receipts in Case of an Accident: When Towing and Ambulance Services Are Involved

ट्रम्प के ''ट्रेड'' सलाहकार की राय पर अमेरिका ''सर्विस सेक्टर'' पर भी टैरिफ लगायेगा?

इस नए टैरिफ से भारत का आई.टी. सेक्टर ''पंक्चर'' हो जायेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। अगर डॉनल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की बातों को संकेत माना जाए तो अमेरिका की तरफ से भारत को एक और झटका लग सकता है।

नवारो ने दूरस्थ काम करने वाले कर्मचारियों और विदेशी सेवा प्रदाताओं (ऑफ शोर सर्विस प्रोवाइडर्स) पर टैरिफ लगाने का सुझाव दिया है। ऐसा कदम भारत को घातक चोट पहुँचा सकता है, न सिर्फ इसके निर्यात को बल्कि पूरे सेवा क्षेत्र और अर्थव्यवस्था को भी।

- चीन व पूर्वी एशिया के देश मुख्य रुप से सामान निर्यात करते हैं अमेरिका को, पर भारत का निर्यात ''आई.टी. सर्विसेज़'' है, और यह निर्यात अब 250 अरब डॉलर पहुंच गया है और आई.टी. निर्यात की सफलता के कारण ही भारत ने विदेशों में अपनी पहचान बनाई है।
- शायद ''सर्विसेज़'' पर टैरिफ लगाने की योजना शुरु से ही थी ट्रम्प की, अतः पहले परम्परागत सामान पर टैरिफ लगाना, पूर्व निश्चित रणनीति थी और अब द्वितीय चरण में सर्विस सेक्टर को टैरिफ के दायरे में लेने का इरादा है।
- यह दूसरा चरण, पहले चरण से कहीं ज्यादा भारी पड़ेगा भारत के लिये।

पूर्व का टैरिफ वॉर इसकी तुलना में बहुत मामूली लगेगा, क्योंकि ऐसा कदम भारतीय कंपनियों और अर्थव्यवस्था को गहरी क्षति पहुँचा सकता है। पूर्वी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं, जिनमें चीन भी शामिल है और जो भौतिक वस्तुओं के निर्यात पर आधारित थीं, के विपरीत, भारत की सफलता की कहानी विदेशी कंपनियों और सरकारों को सेवाएँ देने पर आधारित रही है।

भारत को इस खतरे से निपटने के लिए तुरंत नई रणनीति बनानी होगी और इस मोर्चे पर शांति बनाए रखने के लिए शायद एक-दो कदम पीछे हटना पड़े।

अब तक सेवाओं का निर्यात (सर्विसेज़ एक्स्पोर्ट) ट्रंप के टैरिफ वॉर के दायरे से बाहर था और टैरिफ वॉर में केवल भौतिक वस्तुओं का निर्यात शामिल था। अब नवारो की भड़ास सेवाओं के निर्यात को भी कवर करना चाहती है, जिस पर भारतीय अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा सफलता और पहचान के लिए आधारित रहा है।

भारत की सर्विस इण्डस्ट्री (सेवा क्षेत्र) 250 अरब डॉलर से अधिक तक फैल चुकी है, जिसका बड़ा हिस्सा सेवाओं के निर्यात से आता है, यहाँ तक कि फ़ॉर्च्यून 500 कंपनियाँ भी सेवा निर्यात में शामिल हैं। इनमें कोडिंग, सॉफ़्टवेयर इंजीनियरिंग, परामर्श और बैक ऑफिस का काम शामिल है।

ये सेवाएँ लगातार विकसित होती रही हैं और हाल ही में भारतीय आपूर्तिकर्ताओं और अमेरिकी खरीदारों के बीच लेन-देन की सूची में और भी उच्च मूल्य और जटिल सेवाएँ जुड़ी हैं। कई अमेरिकी कंपनियों ने अपने बैक ऑफिस और ''ग्लोबल केपबिलिटी सेंटर्स'' भारत में स्थापित किए हैं। ये केंद्र भविष्य की परियोजनाओं और अत्याधुनिक क्षेत्रों पर काम करने वाली इन कंपनियों के ब्रेन हैं।

नवारो और उनके जैसे लोग सुझाव दे रहे हैं कि नए कर तंत्रों के माध्यम से इन कर्मचारियों पर टैक्स लगाया जाए, भले ही वे दूरस्थ टैक्स क्षेत्राधिकार में हों। उनकी एम्प्लॉयर कंपनियों से, विदेशी केंद्रों से मिलने वाले काम पर टैरिफ (शुल्क) लिया जा सकता है।

ऐसे विचार शायद शुल्क अभियान की शुरुआत से ही दिमाग में रहे होंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

18 माह की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी फूफा को आजीवन कारावास

जयपुर, 5 सितंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने डेढ़ साल की अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त फूफा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्त पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत आठ लाख रुपए की क्षतिपूर्ति देने को कहा है। पीठासीन

- पॉक्सो मामलों की विशेष जज मीना अवस्थी ने कहा, अभियुक्त ने सगा फूफा होकर रिश्तों की गरिमा को तार-तार किया है, उसने दानव की तरह पैशाचिक कृत्य किया है।

अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने सगा फूफा होते हुए 18 माह की बच्ची से दुष्कर्म कर रिश्ते की गरिमा और विश्वास को तार-तार किया है। उसने दानव की तरह पैशाचिक कृत्य किया है। इस दौरान पीड़िता को कितना दर्द हुआ होगा, यह कल्पना से परे है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल ने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यू ट्यूब पर बैन लगाया

नेपाल ने 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया, इनमें फेसबुक, यू ट्यूब, इंस्टाग्राम और एक्स शामिल हैं

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। नेपाल की के. पी. शर्मा ओली सरकार ने गुरुवार (4 सितंबर, 2025) को फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर), इंस्टाग्राम और यूट्ययूब समेत, कुल 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। सरकार ने इन कंपनियों पर नेपाल में पंजीकरण की अनिवार्यता का पालन नहीं करने का आरोप लगाया।

- सरकार की ओर से प्रतिबंध का कारण इन साइट्स द्वारा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का पालन नहीं करना बताया गया है।
- नेपाल के दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया और कहा कि ये सभी सोशल मीडिया साइट्स तब तक ''इनएक्टिव'' रहेंगी जब तक वे रजिस्ट्रेशन नहीं करा लेती।
- सरकार के बार-बार आग्रह पर भी इन साइट्स ने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद 28 अगस्त को 7 दिन की डैडलाइन दी गई जो बुधवार रात खत्म हो गई। इसके बाद सरकार ने प्रतिबंध लगाने का कठोर कदम उठाया।

सार्वजनिक सूचना जारी करते हुए नेपाल के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा कि उसने नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को सभी गैर-पंजीकृत सोशल मीडिया साइट्स को तब तक निष्क्रिय करने का आदेश दिया है, जब तक वे पंजीकरण नहीं करा लेतीं।

सरकार ने बार-बार के अनुरोधों के बाद 28 अगस्त को सोशल मीडिया कंपनियों को पंजीकरण के लिए 7 दिनों की अंतिम समयसीमा दी थी, जो बुधवार रात को समाप्त हो गई।

बुधवार दोपहर को मंत्रालय के प्रवक्ता गजेन्द्र ठाकुर ने कहा था कि सरकार को उम्मीद है कि सोशल मीडिया कंपनियां समयसीमा खत्म होने (अर्द्धरात्रि) से पहले संपर्क करेंगी। लेकिन अगर वे ऐसा नहीं करतीं, तो सरकार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

चूंकि कोई भी कंपनी आगे नहीं आई, इसलिए गुरुवार को मंत्रालय में हुई बैठक में प्रतिबंध लागू करने का फैसला लिया गया।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकारों ने इस कदम का विरोध किया है। उनका कहना है कि यह कदम नियमन (रेग्यूलेशन) से अधिक असहमति की आवाजों को दबाने की कोशिश है।

उनका मानना है कि सरकार द्वारा निर्धारित पंजीकरण की शर्तें, जिनमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूरोप के 26 देश यूक्रेन के पक्ष में एकजुट, पर ट्रंप के रुख पर संदेह

इन 26 देशों ने रूस के हमले को रोकने के लिए यूक्रेन में सेना तैनात करने पर भी सहमति दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितंबर। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि 26 देशों ने यूक्रेन में भविष्य के किसी भी शांति समझौते को सुनिश्चित करने का वादा औपचारिक रुप से किया है, जिसमें रूसी आक्रामकता को रोकने के लिए सैनिकों की तैनाती भी शामिल है।

- पेरिस में हुए एक शिखर सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने यह जानकारी दी। यह बैठक यूक्रेन में युद्ध रोकने की यूरोपियन कूटनीतिक पहल का अंग थी।
- मीटिंग में अधिकांश देश वीडियो कॉन्फ्रैंस के जरिए शामिल हुए थे। ट्रंप के शांति दूत स्टीव विटकॉफ भी मीटिंग में शामिल हुए। बताया जाता है कि ट्रंप ने मीटिंग के दौरान कॉल किया था।

मैक्रों ने पेरिस में हुए एक शिखर सम्मेलन के बाद यह बात कही, जिसमें 30 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख शामिल हुए थे, जिनमें से कई वीडियो लिंक के ज़रिए जुड़े थे, लेकिन इस बात का ज्यादा विवरण सामने नहीं आया कि यूरोपीय देश किस तरह से मदद करेंगे या फिर अमेरिका की भागीदारी क्या होगी।

यह बैठक राष्ट्रपति ट्रंप को इस योजना के लिये अमेरिका का पूरा समर्थन देने को राजी करने के लिए यूरोपीय देशों की नवीनतम कूटनीतिक कोशिश थी। ट्रंप के शांति दूत स्टीव विटकॉफ इसमें शामिल हुए और वाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ट्रंप ने बैठक में फोन पर बात की।

मैक्रों ने कहा कि अगर शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, जिसमें अमेरिका भी शामिल होगा। लेकिन ट्रंप पहले भी प्रतिबंधों की धमकी दे चुके हैं, जिन पर अमल नहीं हुआ।

बैठक के दौरान, ट्रंप ने यूरोपीय देशों से कहा कि वे रूसी तेल न खरीदें और चीन पर और दबाव डालें, क्योंकि वह रूस के युद्ध को धन मुहैया करा रहा है।

अब तक केवल फ्रांस, ब्रिटेन और एस्तोनिया ने सार्वजनिक रूप से संकेत दिया है कि वे युद्ध के बाद के यूक्रेन में सैनिक भेज सकते हैं। अधिकांश यूरोपीय देश इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि अगर नाटो सैनिकों पर हमला हुआ तो वॉशिंगटन वास्तव में सैन्य रुप से उनका साथ देगा या नहीं।

अधूरी केस डायरी पेश करने के आरोपी एसीपी को राहत

जयपुर, 5 सितंबर। जिले की न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने 11 साल पहले दुष्कर्म के आरोपी की जमानत पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान पीड़िता के 164 के बयान केस डायरी में शामिल नहीं करने के आरोपी जवाजा, अजमेर के तत्कालीन एसएचओ व हाल में

- एसीपी पर दुष्कर्म के एक मामले में दुष्कर्म के आरोपी की केस डायरी में पीड़िता के, धारा 164 के तहत दर्ज बयान को शामिल नहीं करने का आरोप था। अदालत ने एसीपी को आरोप मुक्त कर दिया है।

एसीपी पारसमल को दोषमुक्त कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन यह साबित नहीं कर पाया कि आरोपी ने 19 दिसंबर 2014 को लोक सेवक होते हुए जानबूझकर हाईकोर्ट के समक्ष अधूरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नई जी.एस.टी. प्रणाली से राज्यों को हुए नुकसान की भरपाई कब और कैसे होगी?'

तृणमूल कांग्रेस के सांसद डैरेक ओ'ब्रायन ने सवाल उठाया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 सितंबर। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने आज वस्तु एवं सेवा कर (गुड्स एंड सविर्सेज टैक्स-जीएसटी) के लंबे समय बाद हुए सरलीकरण का स्वागत किया, लेकिन यह भी पूछा कि राज्यों को होने वाले टैक्स नुकसान की भरपाई कहां है?

ओ'ब्रायन ने बताया कि 2015 में जीएसटी बिल पर बनी संसद की प्रवर समिति की रिपोर्ट में सिफारिश की गई थी कि कर की दर 18 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए और टैक्स की विविधता से बचा जाना चाहिए।

अब ये हो गया। देर से ही सही, बेहतर है, ओ'ब्रायन ने लिखा, जो उस प्रवर समिति के सदस्य थे। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, ''चलो, अब यह हो गया। कमी नहीं से देर भली।''

बुधवार को जीएसटी काउंसिल ने दो-स्तरीय ढांचे की घोषणा की, जिसे केन्द्र सरकार एक बड़ा सुधार बताकर सराह रही है।

- ओ'ब्रायन ने यह भी चिन्ता जताई कि जी.एस.टी. से ज्यादा हानिकारक है, सरकार द्वारा लगाया ''सैस''। यह रकम 2012 में बजट का सात प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर, 2025 में बजट का बीस प्रतिशत हो गई है।
- ओ'ब्रायन के अनुसार ''सैस'' का सारा पैसा, केन्द्रीय सरकार के पास जाता है, इसमें से राज्य सरकार को एक पैसा भी नहीं मिलता।
- अतः केन्द्रीय सरकार को हो रही आमदनी का वो हिस्सा जो, राज्य सरकारों में बांटा जा रहा है, उसका स्कोप घटता जा रहा है।
- ओ'ब्रायन के अनुसार, सैस व सरचार्ज के तहत केन्द्रीय सरकार के पास 5.7 लाख करोड़ रुपया है।
- ओ'ब्रायन के अनुसार, केन्द्रीय सरकार की टोटल रेवेन्यु का 89 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार में बंटता था, जो अब घटकर टोटल रेवेन्यु का केवल 79 प्रतिशत रह गया है।

ओ'ब्रायन ने कहा कि अर्थशास्त्री अमित मित्रा, जो कभी ''एम्पावर्ड कमेटी ऑफ स्टेट फायनेंस मिनिस्टर्स ऑन जीएसटी'' अध्यक्ष और बंगाल की मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सलाहकार रहे हैं, ने भी जीएसटी के सरलीकरण का स्वागत किया पर शर्त रखी कि इसका लाभ आम जनता तक पहुंचे।

ओ'ब्रायन ने मित्रा के हवाले से लिखा, एक एंटी-प्रॉफिटियरिंग समिति थी, जो यह सुनिश्चित करती थी कि जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। वह समिति अब नहीं रही है। दूसरा सवाल यह भी है कि राज्यों की भरपाई कैसे होगी। जीएसटी काउंसिल में 11 मंत्रियों ने भरपाई की मांग की थी, लेकिन उनकी आवाजें दबा दी गईं।''

ओ'ब्रायन ने लिखा कि राजस्व सचिव ने कहा कि 48000 करोड़ रु. की राजस्व हानि होगी। लेकिन उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला को ध्यान में नहीं रखा। यह आसानी से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक होगी।

तृणमूल के राज्यसभा नेता ने कहा कि जीएसटी को लेकर इतनी अधिक जितनी चर्चा हो रही है, लेकिन केन्द्र सरकार उपकर (सेस) के मुद्दे पर चुप है।

उन्होंने लिखा, जीएसटी की सारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुम्बई में बम धमाके करने की धमकी

मुंबई, 05 सितम्बर। मुंबई पुलिस को गुरुवार देर रात वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज मिला। इसमें दावा किया गया है कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ चुके हैं। आतंकी 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में लगाकर बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है।

- मुंबई पुलिस को वॉट्सऐप पर यह धमकी भरा मैसेज मिला, जिसमें कहा गया कि लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी शहर में आ गए हैं तथा 34 गाड़ियों में 400 किलो आर डी एक्स लगाकर ब्लॉस्ट करेंगे।

धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने हाईअलर्ट घोषित कर दिया। क्राइम ब्रांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर भारत-पाकिस्तान को ''क्लाईमेट चेंज'' के मामले में मजबूरन ''संयुक्त रणनीति'' बनानी पड़ेगी?

1960 में जब शीत युद्ध की प्रतिस्पर्धाएं चरम पर थीं, भारत-पाक इण्डस वैली ट्रीटी पर हस्ताक्षर करने के लिये विवश हुए थे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितंबर। यदि किन्ही दो देशों को जलवायु परिवर्तन पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए तो वे भारत और पाकिस्तान हैं। दोनों जलवायु परिवर्तन की अग्रिम पंक्ति पर स्थित हैं। वर्ष 2022 में, पाकिस्तान ने वह झेला जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ''जलवायु संहार (क्लाइमेट कार्नेज)'' कहा था – जब अभूतपूर्व बाढ़ से 3.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए और 30 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। भारत में भी हिमालयी क्षेत्र में बादल फटने और बाढ़ आने से घर, स्कूल सड़कें तबाह हो रही हैं।

फिर आती है सर्दी। हर साल, उत्तरी भारत और पाकिस्तान के पंजाब क्षेत्र में स्मॉग धुंध छा जाती है – दृश्यता शून्य हो जाती है, उड़ानें रद्द होती हैं, और करोड़ों लोग दमघोंटू हवा में जीते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह जहरीली हवा हर साल हजारों जिंदगियों को छोटा कर देती है। जैसा कि लाहौर के एक जलवायु कार्यकर्ता ने कहा,

- अब यू.एन. (संयुक्त राष्ट्र संघ) ने तीन सौ अरब डॉलर का फंड स्थापित किया, जो विभिन्न देशों में वितरित किया जायेगा, ''क्लाइमेट चेंज'' के दुष्प्रभाव का सामना करने के लिये।
- पर, इस फंड का लाभ लेने के लिये, सभी राष्ट्रों को एन.डी.सी. (नेशनल डिटरमिंड कॉन्ट्रीब्यूशन) पेश करने होंगे।
- भारत -पाक ने 2022 से एन.डी.सी. प्रस्तुत नहीं की है। रिपोर्ट पेश करने की डैड लाइन सितम्बर है।
- एक ''क्लाईमेट-चेंज'' विशेषज्ञ के अनुसार, धुंध व अन्य दुष्प्रभावों को, भारत -पाक के बीच आवागमन के लिये वाघा सीमा पर, पासपोर्ट की जरुरत नहीं होती।''
- आज जो तबाही मची है उत्तरी भारत में, उससे भी बदतर तबाही पाकिस्तान ने, 2022 में देखी थी, 33 मिलियन लोग बेघर हुए थे, तथा तीस अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ था।
- क्या ''क्लाईमेट चेंज'' से निपटने के लिए ये मजबूरन यह ट्रीटी होगी?

''धुंध को वाघा पार करने के लिए पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती। हमारी साझा हवा ही हमारा साझा संकट है।''

1960 में, शीत युद्ध के तनावों के बीच, दोनों देशों ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिससे एक महत्वपूर्ण नदी प्रणाली को साझा किया गया था। जलवायु परिवर्तन एक ऐसा क्षेत्र हो सकता है जहां आवश्यकता फिर से परस्पर सहयोग की मांग करे।

भीषण गर्मियों की आने वाली बाढ़ और सर्दियों में दमघोंटू धुंध के बावजूद ये दोनों पड़ोसी देश भारत और पाकिस्तान वर्ष 2022 और 2021 के बाद से अपनी जलवायु कार्रवाई योजनाओं को अपडेट नहीं कर पाए हैं, जबकि दांव पर अरबों डॉलर लगे हैं।

दक्षिण एशिया एक बार फिर जलवायु संकट की चपेट में है। इस समय, उत्तरी भारत में मूसलधार बारिश ने गांवों और खेतों को डुबो दिया है, पाकिस्तान में भी उफनती नदियां घरों और खेतों को बहा ले जा रही हैं।

पिछले साल बाकू में हुए सीओपी 29 सम्मेलन में, देशों ने जलवायु वित्त के लिए एक नए सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य (एनसीक्यूजी) पर सहमति जताई थी। इस समझौते के तहत विकासशील देशों के लिए हर साल 300 अरब डॉलर जुटाने का संकल्प किया गया है, जो 2035 तक बढ़कर 1.3 ट्रिलियन प्रति वर्ष हो जाएगा।

ये फंड देशों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने, स्वच्छ ऊर्जा में निवेश करने और बाढ़, सूखा व तूफानों जैसी आपदाओं से निपटने में मदद करने के लिए हैं। लेकिन इनका लाभ तभी मिलेगा जब देश अपने नैशनली डेटरमाइन्ड कॉन्ट्रीब्यूशन (एनडीसी) को अपडेट करेंगे। बिना अपडेटेड योजनाओं के, ये पैसा मिलना असंभव है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अब तक केवल 30 से कम देशों ने ही अपनी एनडीसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब के मु.मंत्री मान अस्पताल में भर्ती

पंजाब, 05 सितम्बर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की तबीयत पिछले दो दिनों से खराब चल रही है और स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हो रहा है। ऐसे में डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने अस्पताल में भर्ती कर निगरानी और इलाज की सलाह दी है।

- भगवंत मान दो दिन से बुखार से पीड़ित हैं, तबियत में सुधार न होते देख डॉक्टर्स ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी।

वहीं, इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के अपने तय दौरे से पहले बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। सूत्रों के अनुसार, मान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अजमेर के बोराज तालाब की पाल टूटने के बाद तबाही का मंजर, कॉलोनियों में भरा पानी

प्रशासन की तत्परता से जनहानि टली, मुस्तैदी से डटा रहा

अजमेर (कासं)। अजमेर जिले में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। बोराज गांव स्थित प्रमुख तालाब की पाल गुरूवार देर रात भारी बारिश के दबाव के चलते टूट गई। पाल टूटते ही सैलाब का पानी तेजी से आसपास की आवासीय कॉलोनियों में घुस गया, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। जिला प्रशासन की त्वरित और एहतियाती कार्रवाई के चलते किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बोराज तालाब की पाल टूटने के बाद निकले पानी ने बोराज गांव और उससे सटी कई कॉलोनियों को अपनी चपेट में ले लिया। घरों में पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें जलमग्न हो गई हैं, जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। बारिश के पानी से जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है और लोगों को

अजमेर जिले में हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

अपने घरों से बाहर निकलने में भी दिक्कतें आ रही हैं। कई निचले इलाकों में तो घरों के भीतर कमर तक पानी भर गया, जिससे गृहस्थी का सामान भीग गया है। इस गंभीर स्थिति के दौरान जिला प्रशासन दिन भर पूरी मुस्तैदी से डटा रहा। बताया जा रहा है कि बारिश के संभावित खतरे और तालाब के जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही सेकड़ो घरों को खाली करवा लिया था। पाल टूटने की सूचना मिलते ही प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आपदा प्रबंधन दल, पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीमों को मौके पर रवाना कर दिया। सहायता और बचाव दल ने तत्काल प्रभाव से जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया। प्रशासन ने इन प्रभावित और विस्थापित लोगों के लिए भोजन, पानी, दवाएं और ठहरने के पर्याप्त इंतजाम किए हैं।

■ घरों में पानी घुस जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़

नोटिस पर तहसीलदार ने मेडिकल कराया

भीलवाड़ा । फर्जी डिग्रीधारी तहसीलदार कंचन चौहान के मामले में नया मोड़ आ चुका है। विकलांगता सर्टिफिकेट के आधार पर नौकरी लेने वाली कंचन चौधरी को एसओजी ने नोटिस जारी किया है।

इस नोटिस के अनुसार कंचन के श्रव्यबाधिता का मेडिकल परीक्षण एसओजी कर रही है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस और एसओजी जयपुर ने नोटिस दिया है। इसके अनुसार कंचन चौहान के आधार कार्ड, तहसीलदार नियुक्ति पत्र के साथ ही 4 फोटो लेकर उपस्थित होने के आदेश दिए।

अभी रिपोर्ट की जांच होना बाकी है। इस जांच के आधार पर तय हो जाएगा कि कंचन चौहान ने विकलांगता के आरक्षण के लिए जो सर्टिफिकेट लगाया था वह असली है या नहीं है। गौरतलब है कि कंचन चौहान ब्यावर विधायक की बेटी हैं।

भीलवाड़ा जिले के करेड़ा में कार्यवाहक तहसीलदार के पद पर कार्य कर रही थीं। ब्यावर के ही व्यक्ति ने कंचन चौहान के विकलांगता सर्टिफिकेट के फर्जी होने को लेकर शिकायत की थी।

अखिल भारतीय समन्वय बैठक जोधपुर में शुरु

■ संघ शताब्दी एवं पंच परिवर्तन पर हो रही विशेष चर्चा

जोधपुर/जयपुर, । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा संघ प्रेरित संगठनों की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक का शुभारंभ आज जोधपुर में हुआ। बैठक का प्रारंभ परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत तथा सरकार्यवाह मा. दत्तात्रेय होसबाले द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्पार्पण एवं संगठन मंत्र वाचन के साथ हुआ। यह बैठक 5 से 7 सितम्बर तक चलेगी, जिसमें संघ से जुड़े 32 संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। बैठक का उद्देश्य है - वर्षभर के कार्यों का मूल्यांकन, अनुभवों का आदान-प्रदान, दिशा निर्धारण तथा आगामी योजनाओं का समन्वय।

बैठक में संघ के सभी 6 सहसरकार्यवाहों के साथ-साथ विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार, संगठन मंत्री मिलिंद परांडे, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का, प्रमुख कार्यवाहिका ए. सीता गायत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही, संगठन मंत्री आशीष चौहान, सक्षम के अध्यक्ष डॉ. दयाल सिंह पवार, संगठन मंत्री चंद्रशेखर, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष ले. जनरल विष्णु कांत चतुर्वेदी, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, संगठन मंत्री बी.एल. संतोष, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, संगठन मंत्री अतुल जोग, सीमा जागरण मंच के संयोजक मुरलीधर सहित अन्य संगठन प्रमुख भी उपस्थित हैं। बैठक स्थल की सज्जा भी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संदेश लिए हुए है। सभागार में प्रवेश हेतु रानी अबक्का द्वार एवं हल्दीघाटी द्वार की प्रतीकात्मक रचना की गई है।

जवाई बांध में पानी 58.80 फुट पर आया, कभी भी खुल सकता है फाटक

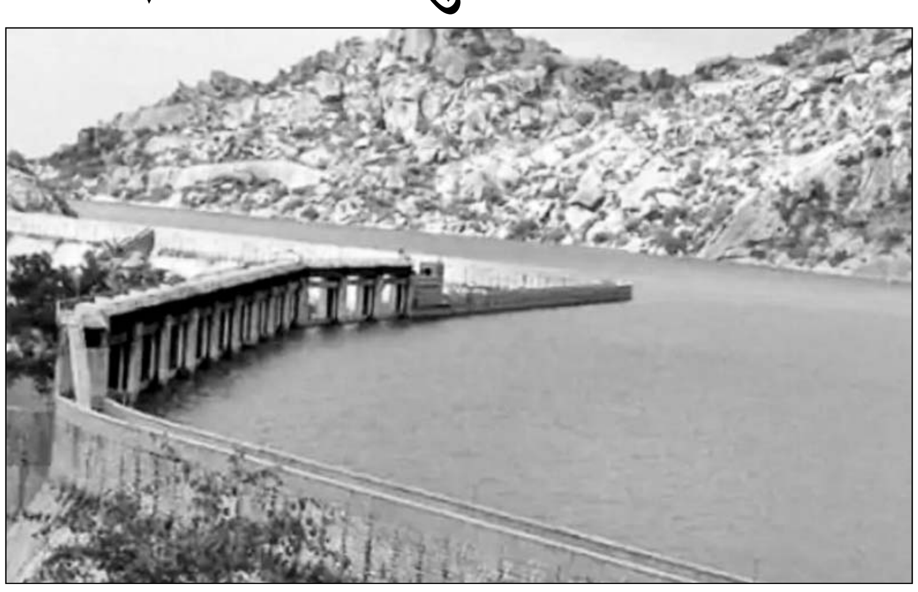

प्रशासन अलर्ट हो गया है, कभी भी बांध की फाटक खोल सकते हैं।

पाली, (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध जवाई बांध अपनी भराव क्षमता के करीब पहुंच गया है, शुक्रवार शाम को 58.80 फूट रहा, इसकी भराव क्षमता 61 फीट है।

प्रशासन अलर्ट हो गया है, कभी भी बांध की फाटक खोल सकते हैं। जवाई बांध की सहायक बेड़ा नदी भी चल रही है और सही बांध से भी पानी आ रहा हैं इस साल 10 वीं बार बांध की फाटक खुलेगी, किसान संघर्ष समिति भी सिंचाई के लिए पानी के लिए बैठके कर रही है। बांध पूर्णता भरने पर किसानों को तीन से 4 पान पानी मिलता है। वहीं गुरुवार को भी जिले में बारिश का दौर जारी रहा। रोहट जालौर मार्ग पर रेडियो नदी वेग से बह रही है, 4 फीट पानी भरने से करीब 14 घंटे सड़क मार्ग बंद रहा। आज भी 2 फुट पानी बह रहा है। मार्ग पर तो भी लोग जोखिम डालकर पानी में से निकल रहे हैं। पाली के निकट सोनाई माझी गांव की नदी में एक बाइक सवार फिसल कर बह गया। पाली के हेमावास बांध, सरदार समंद बांध गजनी बांध, सहित आधा दर्जन से अधिक बांधों पर चादर चल रही है। शुक्रवार को देसूरी नाडोल में शाम 6 बजे 1 घंटे जमकर बारिश हुई।

■ पाली के निकट सोनाई माझी गांव की नदी में एक बाइक सवार फिसल कर बही

42 वर्ष बाद छलका राजियावास तालाब

ब्यावर (निसं) समीपवर्ती राजियावास गांव के ऐतिहासिक तालाब की चादर 42 वर्षों बाद चलने लगी तो समूचे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। गुरुवार सुबह ठामवासियों ने पारंपरिक गाजे-बाजे, डीजे की धुन पर थिरकते हुए अत्यंत उत्साह के साथ तालाब रूपी गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना कर खुशियां मनाई।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर तालाब की महत्ता एवं जल संरक्षण का संकल्प भी लिया। वरिष्ठ जनों ने इसे गांव की समृद्धि एवं आने वाली पीढ्रियों के लिए शुभ संकेत बताया।तालाब के छलकने से किसानों, पशुपालकों और आम ठामीणों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हुए और समृद्धि की मंगल कामना की।

खेत सिंह मर्डर के आरोपियों की दुकानों पर बुलड़ोजर चलाया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर के डांगरी गांव में हुए खेत सिंह हत्याकांड के 3 आरोपियों की अवैध प्रॉपर्टी को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया है। गुरुवार देर रात वार्ता में मांगों पर सहमति बनने के बाद प्रशासन ने बुलडोजर से 5 अवैध दुकानों को तोड़ा।

अपराधियों ने 150 बीघा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर खेती कर रखी थी। प्रशासन ने देर रात इस जमीन से भी तारबंदी को हटाया। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे खेत सिंह का शव डांगरी गांव लाया गया, जहां पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले गुरुवार को धरना-प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारी बेकाबू हो गए थे और गांव में घुसकर गाड़ी में आग लगा दी और पथराव शुरू कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज करने के साथ आंसू गैस के गोले छोड़कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। दिनभर गांव में तनाव की स्थिति बनी रही। देर रात 10 बजे ग्रामीणों और प्रशासन के बीच हुई वार्ता में मांगों पर सहमति बनी तो ग्रामीणों ने धरना खत्म कर दिया और अंतिम संस्कार के लिए माने। ग्रामीणों ने कहा-आरोपियों के अवैध अतिक्रमण के साथ ही गांव में जहां भी अवैध अतिक्रमण है, उनको तोड़ा जाए। इसके अलावा परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी और आर्थिक सहायता देने के साथ ही पकड़े गए 26 प्रदर्शनकारियों को छोड़ने की मांग रखी गई। प्रशासन ने संविदा पर नौकरी और आर्थिक सहायता की मांग पर सहमति जताई।

एक ग्राहक के पास दो सिम, दूसरे का साइबर ठगी में प्रयोग

एक ही ग्राहक के दो बार थंम इंप्रेशन और फोटो लेकर मोबाइल की फर्जी सिमें जारी करवाई

बीकानेर । एक ही ग्राहक के दो बार थंम इंप्रेशन और फोटो लेकर मोबाइल की फर्जी सिमें जारी करने और उनसे साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस मुख्यालय से जानकारी मिलने पर नापासर थाना पुलिस की प्रारंभिक जांच में फर्जीवाड़ा उजागर हुआ और साइबर थाना पुलिस मामले की जांच करेगी।

पीएचक्यू से बीकानेर के नापासर में मोबाइल की फर्जी सिमें जारी होने की सूचना मिली थी। नापासर पुलिस थाने के कांस्टेबल विजयपाल ने छानबीन की तो उजागर हुआ कि छतरी या स्टॉल लगाकर सिम जारी करने वाला पीओएस सुनील मेघवाल ग्राहकों के दो बार थंम इंप्रेशन और फोटो लेकर दो-दो सिमें जारी करता है। इनमें से एक सिम ग्राहकों को देता है और दूसरी साइबर ठगों तक पहुंचाता है। फर्जी तरीके से हासिल की गई सिम से ठग साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस ने नापासर के मूंडसर निवासी परमाराम, महेन्द्र लुहार और तोलाराम नायक के नाम से जारी सिमों की छानबीन की। इससे पता चला कि तीनों को धोखे में रखकर आईडी व अन्य कागजात हासिल कर इनके नाम से दो-दो सिमें जारी की गई। एक सिम इन्हें दी गई और दूसरी सिम साइबर ठगों तक पहुंची। सुनील करीब एक साल से नापासर, मूंडसर, सींथल, गाडवाला, श्रीडूंगरगढ़ में कैंप लगाकर फर्जी सिमें जारी करने के गोरखधंधे को अंजाम दे रहा है। आशंका जताई जा रही है कि वह अब तक करीब 100 फर्जी सिम साइबर ठगों तक पहुंचा चुका है। नापासर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी जांच साइबर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर रमेश सर्वटा को सौंपी गई है। सुनील से पूछताछ की जा रही है। साइबर पुलिस पता लगाएगी कि साइबर ठगी करने वाली गैंग के लोग कौन हैं और उन्होंने अब तक कहां, कितने लोगों के साथ ठगी की वारदात की। पीओएस सुनील मेघवाल ग्राहकों से थंम इंप्रेशन, फोटो और आईडी लेकर उन्हें धोखे में रखकर डमी सिम देता और 24 घंटे में शुरू होने का आश्वासन देता था। लेकिन, 24 घंटे में सिम शुरू नहीं होती तो ग्राहक सुनील के पास पहुंचते। सुनील दुबारा थंम इंप्रेशन और फोटो लेकर उनके नाम से एक और सिम जारी कर लेता था।

निजी बस व कार की टक्कर में एक महिला व पुरुष की मौत

डीडवाना । जिले के मौलासर बाईपास पर शुक्रवार को सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक निजी बस और कार में जबरदस्त भिड़ंत हो गई। भिड़ंत के बाद बस कार पर ही पलट गई, जिससे कार में सवार सभी लोग उसके नीचे दब गए। इस कारण कार बुरी तरह से कुचल गई और दो जनों की मौके पर मौत हो गई। जबकि 19 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में चंदा देवी जाती बावरी निवासी अलखपुरा दिनाराम पुत्र सुखराम जाति जाट निवासी डीकावा वही घायलों को डीडवाना, मौलासर और कुचामन के अस्पतालों में लाया गया है। कुछ घायलों की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया है। वहीं मौके पर पुलिस व प्रशासन की टीमें भी पहुंच चुकी है, जिन्होंने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। सुबह 9 से 10 के बीच मौलासर कस्बे के बाईपास पर एक निजी बस कुचामन से डीडवाना की ओर आ रही थी जबकि एक कार डीकावा गांव की तरफ से मौलासर आ रही थी। इसी दौरान बाईपास पर बस ने कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इस प्रयास में दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार बुरी तरह से पिचक गई और उसमे बैठे सवार कार में ही फंस गए। वही बस का आगे का हिस्सा भी बुरी तरह से क्षितठास्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौलासर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मौलासर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने एक महिला व एक पुरुष को मृत घोषित कर दिया। जबकि 19 घायलों को डीडवाना, कुचामन और जयपुर रैफर किया गया है। हादसा किस कारण से हुआ? इसका अभी पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भागवत से मिलने के लिए सीएम जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं) । राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत से मिलने के लिए शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जोधपुर पहुंचे। संभव है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ चर्चा कर सकते हैं। इससे पहले 3 सितंबर को संघ प्रमुख भागवत से मिलने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी जोधपुर पहुंची थीं। इन दोनों की करीब 20 मिनट तक मुलाकात हुई थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दो दिन में जोधपुर की दूसरी यात्रा है। गुरुवार शाम को वे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचे थे। यहां उन्होंने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का स्वागत किया था। करीब दो घंटे रुकने के बाद वे वापस जयपुर लौट गए थे। शुक्रवार को फिर से जोधपुर पहुंचकर सीधे आरएसएस प्रमुख से मुलाकात की।

आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। उद्योग नगर थाना इलाके में महिला ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार महिला का पति दोपहर के समय घर पर पहुंचा तो उसे घटना का पता लगा और वह महिला को नीचे उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। उघोग नगर थानाधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रेमनगर निवासी मोना (25) ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया।

19 करोड़ 45 लाख रुपए रुपये की ठगी की

आठ बैंक खातों में आई ये रकम; रोजाना 10 लाख 50 हजार की ठगी

अलवर। अलवर पुलिस के इतिहास में साइबर फ्रॉड का सबसे बड़ा मामला पकड़ में आया है। आरोपी के 8 बैंक खातों में 6 महीने में 19 करोड़ रुपए आ गए। यह रकम देश के कई राज्यों के लोगों की है जो साइबर फ्रॉड करने वालों के झांसे में आ गए।

आरोपियों ने लोगों के साथ अलग-अलग तरीके से फ्रॉड कर इतनी बड़ी रकम ऐंठ ली। पुलिस को देश के अलग-अलग राज्यों से 32 शिकायतें मिली थी। उनकी जांच में अलवर की वैशाली नगर थाना पुलिस को बरकत के बैंक खाते की जानकारी मिली। उसके बाद आरोपी बरकत को 3 सितंबर को अरेस्ट कर लिया। आरोपी बरकत रैणी थाने में तैनात कॉन्स्टेबल शौकत का भाई है। एसपी सुधीर चौधरी ने शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजे साइबर फ्रॉड के इस मामले का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि अलवर की वैशाली नगर थाना पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले एक ऐसे आरोपी को पकड़ा है, जिसके ठिकाने से 19 करोड़ 45 लाख रुपए के लेन-देन के डॉक्यूमेंट्स मिले हैं। आरोपी के मकान से 17 चेकबुक,

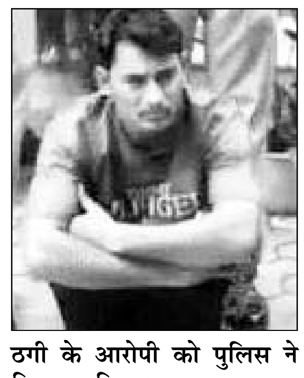

ठगी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

5 पास बैंक बुक, 14 एटीएम कार्ड, कई लोगों के हस्ताक्षरशुदा चेक, आधारकार्ड, पैन कार्ड, दो स्वाइप मशीन, तीन बैंकों के क्यूआर कोड स्कैनर भी मिले हैं। उन्होंने कहा कि जब बैंक खातों में आई रकम को जोड़ा गया तो 19 करोड़ 45 लाख रुपए हुए। एक ही व्यक्ति के पास से इतनी बड़ी रकम पहली बार मिली है। फिलहाल पुलिस गहनता से जांच में लगी है। आरोपी बरकत के भाई पुलिसकर्मी की भूमिका सामने नहीं आई है। जांच में खाता धारक बरकत अली पुत्र मोहम्मद निवासी गोपालगढ़, डीग का अलग-अलग पते पर आधार कार्ड, पेन कार्ड और पासपोर्ट होने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर वैशाली नगर स्थित पानी की टंकी के पास से उसे 3 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया। उसने अलवर के सूर्यनगर में किराए पर रहना बताया है। पुलिस के अनुसार बरकत दो पत्नी रखता है। एक के बच्चे हैं। दूसरी के नहीं हैं। दोनों अलग-अलग रहती हैं। आरोपी बरकत कई साल से अलवर में रह रहा है। लेकिन पिछले करीब 6 महीने से फ्रॉड के काम लगा है।

■ अलवर पुलिस के इतिहास में साइबर फ्रॉड का सबसे बड़ा मामला पकड़ में आया है। आरोपी के 8 बैंक खातों में 6 महीने में 19 करोड़ रुपए आ गए।

मामला दर्ज

सादुलपुर, (निसं)। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने और रुपए हडपने के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को मामला दर्ज किया है। शाम छह बजे मिली जानकारी के अनुसार थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि आसिफ कायम खानी निवासी मोडावासी ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि गांव बिरमी खालसा में उसके पिता सफी मोहम्मद की जगनाराम के साथ दोस्ती थी। घर पर आना-जाना और परिचित थे। तथा जगना राम के घर गांव का ही राहुल का भी आना-जाना था। जो युवाओं को विदेश भेजने का काम करता है। जिसके कारण राहुल से भी उनकी जान पहचान हो गई। जिसने उनको रसिया भेजने,अच्छा वेतन दिलवाने और रहने आदि की सुविधा देने की बात कही। जिस पर खर्च के बारे में पूछा तो राहुल ने बताया कि एक व्यक्ति के०3 लाख 20 हजार रुपये लगेंगे। तथा काम दिलवाने की गारंटी ओर 80-90 हजार रूपये वेतन, बिजनेश का वीजा दिलवाने, 15 दिनों में आई डी दिलवाने का आश्वासन दिया। अग्रिम 01-01 लाख रुपए देने की बात की। इस मौके पर गांव के ही इशाक अली, मकसूद खां, शाहरुख खान ने भी विदेश भेजने के लिए राहुल को कहा, जिसके बाद 20 मई 2025 को राहुल उनके गांव आया तो सभी ने मिलकर कुल 3 लाख 50० हजार रुपए नरेश नामक व्यक्ति के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन ट्रान्सफर कर दिए।

सार-समाचार

अवैध लकड़ी के परिवहन पर वन विभाग की कार्यवाही

पावटा। सहायक वन संरक्षक कोटपूतली द्वारा अवैध लकड़ी के परिवहन पर कार्यवाही की गई हैं। सहायक वन संरक्षक ने जानकारी देते हुये बताया कि गत 22 अगस्त को दोपहर बाद दूरभाष पर बागावास चौरासी के ग्रामीणों द्वारा अवैध रूप से लकड़ी के परिवहन की सूचना दी गई। जिस पर मौके पर एक ट्रैक्टर मय ट्रॉली गीली लकड़ियों से भरी हुई पाई गई। उक्त चारागाह भूमि जो कि तहसीलदार विराटनगर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आती हैं को तहसीलदार विराटनगर को सुपुर्दगी के लिए लिखा गया हैं।

दो आरोपी गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक बोलेरो को जप्त किया है। शक्रवार शाम साढ़े पांच बजे दी जानकारी के अनुसार थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि हरियाणा निर्मित अवैध शराब के साथ गांव पहाडसर के निवासी मुकेश कुमार पुत्र ओमप्रकाश जाट तथा बुद्धराम पुत्र ईश्वर प्रजापत को गिरफ्तार किया है। सिहाग ने बताया कि एएसआई रामनिवास मय पुलिस दल के जब गश्त पर थे, उसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि झुंपा (हरियाणा) से बोलेरो गाडी में अवैध शराब भरकर पहाडसर लाई जाएगी। यह सूचना मिलने पर पुलिस दल ने नाकाबंदी की तो पहाडसर इन्दासर गांव के बीच में बोलेरो गाडी आते हुई दिखाई दी। जिस पर पुलिस ने बोलेरो जीप चालक को जीप रोकने का संकेत दिया तथा पूछताछ की तो वह घबरा गया और संतोष जनक जवाब नहीं दे पाया। पुलिस ने बोलेरो में शराब भरी हुई पाई जाने पर आरोपी मुकेश कुमार तथा पास में बैठे युवक बुद्धराम को गिरफ्तार कर लिया। बोलेरो जीप से सीटों के नीचे छुपाए हुए15 कार्टन हरियाणा निर्मित देसी शराब बरामद हुई। जिसमें पांच कार्टून में 6० बोतल माल्टा मस्ती शराब मिली जबकि बाकी कार्टूनों में देसी शराब के पव्वे निकले। यह पूरी शराब जो हरियाणा निर्मित थी। पुलिस ने पूछताछ की तो दोनों के पास ना तो शराब परिवहन का कोई परमिट मिला और ना ही किसी प्रकार का अन्य कोई लाइसेंस मिला। इस स्थिति में पुलिस ने गाडी और शराब को जब्त करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शरू कर दी है। उक्त कार्यवाही में राजगढ थाना पुलिस टीम में रामनिवास सहायक उपनिरीक्षक, संदीप कुमार कास्टेबल, जितेन्द्र सिंह कास्टेबल व संदीप कुमार कास्टेबल 12०4 शामिल रहे। उक्त कार्यवाही में संदीप कुमार कास्टेबल 1222 की विशेष भूमिका रही।

इनामी आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने मकान में चोरी के प्रकरण में फरार चल रहे ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गये आरोपी पर 5 हजार का ईनाम घोषित किया था। रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि 13 जून 2024 को फरियादी सतेन्द्र जैसवाल ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा था कि कोटा से बाहर गये हुए थे 12 जून 2024 को अज्ञात व्यक्ति घर में रखे सोने आभूषण चोरी करके ले गये। थानाधिकारी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में कार्यवाही करते हुए पूर्व में सात आरोपी सुनील पांचाल, विजय सक्सैना, जाहिद बैग, यतीश उर्फ योगेश पांचाल, रहनुमा बानो, योगेश एवं शैलेष सोनी को गिरफ्तार किया जा चूका था। मामले में 15 महिने से फरार चल रहे आरोपी आकाश बैरवा उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया गया। उच्च अधिकारियों द्वारा आरोपी को टॉप 10 वांछित अपराधियों में शामिल किया गया एवं आरोपी पर 5 हजार के ईनाम घोषित किया गया था।

युवक ने सुसाइड किया

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में एक युवक ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। नयापुरा थाने के एसआई नन्द सिंह ने बताया कि मृतक युवक बृजमोहन नैनवां हाल कोटा में नयापुरा में किराये से अकेला रहता था। जिसने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे की कुंडी तोडकर शव को नीचे उतारा गया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सडक हादसे में दम्पति की मौत

टोंक। सदर थाना क्षेत्र स्थित जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे 52 पर रोडवेज बस ने मोटरसाईकिल सवार पति-पत्नी को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वही उनकी 2 साल की बेटी बाल-बाल बच गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जो एक मोटरसाईकिल पर चार सवार थे। जयपुर से पिकनिक मनाने जा रहे एक दम्पति और उनकी बच्ची व एक अन्य व्यक्ति जो मोटरसाईकिल से शहर से 5 कि.मी. दूर हाईवे 52 पर शुक्रवार सुबह बनास नदी के पुल पर रोडवेज बस ने उन्हे टक्कर मारने के बाद बस 20 फीट दूर जाकर रुकी तभी पीछे से आ रहा केंटर बस से टकरा गया। घटना में केंटर का चालक भी घायल हो गया, मौके से बस का चालक फरार हो गया।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर । विवाहिता का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी पिंटाराम निवासी रिछवाड़ा सायरा व साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 20 मई को आरोपी मुझे बहला फुसला कर भगा ले गया। जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया। कुछ समय बाद मुझे वापस छोड़ दिया। इस मामले मं पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

उत्तरप्रदेश के अव्वल दर्जे के 3 नकबजन पुलिस के हत्थे चढ़े

मुहाना पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर एक लाख रुपए की नकदी, 2 मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त नकाब जब्त किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तरप्रदेश (यूपी) के अव्वल दर्जे के तीन नकबजनों को पकडा है और उनके पास से एक लाख रुपये की नकदी, दो मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त नकब जब्त किया गया है।

पुलिस जानकारी में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक यूपी गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर है तो दो अन्य खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित मारपीट के कई मामले दर्ज है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि मुहाना थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यूपी के अव्वल दर्जे के नकबजन कुमार पाल उर्फ केपी उर्फ कुंवर ,अमित जाट और नरेन्द्र सिंह को

मुहाना थाना पुलिस ने उत्तरप्रदेश के तीन बदमाशों को पकड़ा।

गिरफ्तार किया है और सभी आरोपी हाथरस (उत्तर प्रदेश)के रहने वाले है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित केपी थाना हाथरस का

■ अब पुलिस इस गिरोह में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश में जुटी है

हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर एक्ट में जेल जा चुका है और वर्तमान में जमानत पर बाहर था।

इसके अलावा नरेन्द्र उर्फ हेकडा हत्या के मामले में सजा काट चुका है और आर्म्स एक्ट और मारपीट के कई मामलों में जेल जा चुका है और वहीं अमित के खिलाफ दो मामले दर्ज है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लाख रुपये की नकदी,दो मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त नकब जब्त किया है। पुलिस आरोपियों के अन्य साथियों के बारे में पूछताछ करने जुटी है।

अमेरिका भी लोहा मनाने लगा ब्राह्मणों का : तिवाड़ी

जयपुर । राज्यसभा के उपसभापति एवं सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि ब्राह्मणों का अब अमेरिका भी लोहा मानने लग गया है। यह एक शुभ संकेत है कि ब्राह्मण व्यापार में अग्रणी होने लगे है। तिवाड़ी शुक्रवार की शाम विप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित वंदन पर्व को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने विप्र उद्योगपतियों की और से परशुराम ज्ञान पीठ के लिए मुक्त हस्त से दिए दान की भी सराहना की। वंदन पर्व के इस गरिमामय सामरोह में चितौड़ सांसद सीपी जोशी, विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा, लॉजिस्टिक किंग बनवारी लाल सोती,उद्योगपति एवं राजस्थान फाउंडेशन असम चैप्टर के अध्यक्ष रतन शर्मा, पूर्व महापौर विष्णु लाटा, मुख्यमंत्री के ओएसडी दिनेश शर्मा, महाराष्ट्र परशुराम आर्थिक बोर्ड के अध्यक्ष सतीश दामले, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा सहित बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

इस वंदन पर्व में जुटे विप्र उद्यिमयों ने संकल्प लिया कि राजस्थान की माटी के प्रति अपने प्यार और जुड़ाव से वे कभी विमुख नहीं होंगे। मातृभूमि विकास के प्रति भी सदैव तत्पर रहेंगे। विप्र उद्योगपतियों

■ वंदन पर्व पर हुआ 460 विप्र हस्तियों का अभिनंदन

और व्यवसायियों ने राजस्थान में निवेश के प्रति भी अपनी रुचि दिखाई। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने बताया कि इस गरिमामय आयोजन में शिक्षा, संस्कार और स्वावलंबन की दिशा में समाज को आगे बढ़ाने पर विचार मंथन हुआ। फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी ने जानकारी दी कि समारोह में 460 से अधिक उन सहयोगियों का सम्मान भी किया गया जिन्होंने श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ भवन निर्माण में अपना अपूर्व योगदान दिया। विप्र उद्योपतियों के सम्मान में रात्रि भोज का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद शर्मा, सत्यनारायण श्रीमाली, सीए सुनील शर्मा, श्रीकिशन जोशी सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे। विक्की के अध्यक्ष नवीन शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। विक्की के महासचिव गौरव लाटा ने ज्ञान पीठ में संचालित होने वाले स्किल सेंटर पर पावर प्रजेंटेशन दिया। जबकि विक्की के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महेश शर्मा ने संगठन की गतिविधियों से परिचित करवाया।

अनंत चतुर्दशी पर आज होगा गणपति विसर्जन

जयपुर । अनंत चतुर्दशी पर शनिवार को राजधानी जयपुर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। शहरभर के पंडालों और घरों से झूमते-नाचते भक्त गणपति बप्पा को विदाई देने तालाबों तक पहुंचेंगे। गणपति बप्पा मोरया... अगले बरस तू जल्दी आ के गगनभेदी जयकारों से पूरा शहर गूंजेगा।

जलमहल झील, मावठा, सागर, चंदलाई बांध सहित कृत्रिम तालाबों में भी गणपति की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन यात्राएं ढोल-नगाड़ों, गुलाल और आतिशबाजी के बीच आगे बढ़ेंगी। मराठी पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते श्रद्धालु भक्ति गीतों पर थिरकते हुए माहौल को और भक्तिमय बना देंगे। गणपति को मोदक और छप्पन भोग अर्पित कर भावुक विदाई दी जाएगी। शुक्रवार को पंडालों में पूजन-अर्चन के साथ विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। बनीपार्क के माधव सिंह सर्किल स्थित माधव विलास में विराजमान गणपति बप्पा की श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पुष्पांजलि अर्पित की। ओमप्रकाश मालवानी ने बताया कि सोसायटी के सभी लोगों ने शाम को सामूहिक आरती की। आरती से पूर्व गणपति की नजर उतार कर गणेश वंदना की गई। भक्तों ने 'गजानन जी मेरे घर में पधारो...' जैसे भजनों से गणेश जी को रिझाया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से नृत्य किया। उषा मालपानी, रितु, बसंत, चेतन, शरद एवं अन्य ने पुष्पाजंलि की। यहां आयोजन में महाराष्ट्र की मराठा संस्कृति साकार हो रही है। मराठा टोपी से लोगों का स्वागत किया जा रहा है। शनिवार को कृत्रिम तालाब में गणपति बप्पा का जयकारों के साथ विर्सजन किया जाएगा। इससे पूर्व सुबह गायत्री हवन होगा। ओमप्रकाश मालपानी ने बताया कि गणपति का माधव विलास का राजा के रूप में पूजन किया जा रहा है। पूरी सोसायटी के लोग आरती में पधार रहे हैं। इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा और दरबार का सामान मुंबई से ही मंगवाया गया है।

108 कुंडीय महायज्ञ संपन्न

जयपुर। दुर्गापुरा स्थित राजस्थान गौ सेवा संघ के तत्वावधान में श्री कृष्ण तुलसी-गौ पूजन एवं 108 कुंडीय सर्वार्थ सिद्धि महायज्ञ शुक्रवार सुबह महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी के सानिध्य में संपन्न हुआ। यज्ञ का संचालकन गौभक्त श्री गोपाल शरण महाराज ने वैद-मंत्रों उच्चारण से किया। इस पावन अवसर पर महायज्ञ में आहुति देने वाले सभी 108 यजमानों को इंडोनेशिया से मंगाए गए साधक -पूरित एवं अभिमंत्रित पंचमुखी रुद्राक्ष भेंट स्वरुप दिए गए। इसी दौरान गो-सेवा के लिए अपना विशेष योगदान देने वाले राजस्थान की प्रमुख हस्तियों का भी सम्मान किया गया।

महंत दीपक वल्लभ गोस्वामी ने महायज्ञ को लेकर बताया कि सृष्टि के प्रारंभ में प्रजापति ने यज्ञ सहित मनुष्यों और देवताओं को उत्पन्न कर कहा - इस यज्ञ से तुम अपनी वृद्धि करो, क्योंकि यही तुम्हारी सभी इच्छाओं को पूर्ण करने वाला है।यज्ञ केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन-संरचना का मूल है। इसके लाभ व्यापक हैं।

क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड गैंग के पांच जालसाज गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन साइबर संग्राम के तहत अलवर पुलिस ने एक बड़े क्रिप्टो करेंसी धोखाधड़ी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच जालसाजों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को भारी मुनाफे का लालच देकर उन्हें क्रिप्टो में निवेश करने के नाम पर ठगते थे।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि यह कार्रवाई सहायक पुलिस अधीक्षक कांबले शरण गोपीनाथ के निर्देशन और सीओ अंगद शर्मा के सुपरविजन में की गई। एनईबी थाना पुलिस और डीएसटी को साइबर धोखाधड़ी के बारे में सूचना मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी इंडो क्रिप्टो, डीओडी क्रिप्टो, और वीएनएस सिक्का जैसी फर्जी वर्चुअल करेंसी में निवेश के नाम पर लोगों से लाखों रुपये ऐंठ रहे थे।

■ अलवर पुलिस ने आरोपियों से सात मोबाइल फोन और नकदी बरामद की

■ लाखों रुपए के मुनाफे का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाते थे आरोपी

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राहुल जांगिड पुत्र सतीश कुमार (29) निवासी किशनगढबास, मनीष जाजोरिया पुत्र रमेश चन्द (42), महेन्द्र पुत्र बलराम माली (38) निवासी एनईबी जिला अलवर, प्रकाश चन्द पुत्र अमर सिंह (55) निवासी मेहताब सिंह का नोहरा, थाना कोतवाली जिला अलवर और राहुल जाटव पुत्र जगन प्रसाद (30) निवासी तूलेडा थाना सदर अलवर के रूप में हुई है।

आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे लोगों को भारी मुनाफा और कमीशन का वादा करके अपने झांसे में लेते थे। जब कोई व्यक्ति बड़ी रकम लगा देता था, तो वे तुरंत अपनी वर्चुअल करेंसी आईडी को बंद कर देते थे और एक नई आईडी बनाकर फिर से प्रचार शुरू कर देते थे। इस तरह वे लगातार लोगों को बेवकूफ बनाते रहे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 7 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक चेकबुक और 13,010 रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में थाना एनईबी से एसएचओ दिनेश चंद, एसआई कबूल सिंह, डीएसटी से एएसआई हरविलास, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल करतार और साइक्लोन सेल से हेड कांस्टेबल संदीप कुमार व कांस्टेबल अमित कुमार शामिल थे।

'राजस्थान विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा का केन्द्र-स्थापित होगा'

जयपुर । श्री गुरु गोविंद सिंह चेयर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन एंड सिख स्टडीज एवं सार्थक संवाद संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा में राष्ट्रीय एकता के सूत्र विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन चेयरपर्सन डॉ. मीना रानी ने किया।इस अवसर पर विषय प्रवर्तन वरिष्ठ अधिवक्ता देवेश कुमार बंसल ने किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे, सेवानिवृत्त प्राध्यापक, एनआईटी भोपाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अपना एक स्वर्णिम इतिहास है, जिसे भुला दिया गया है, जबकि यह राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण आधार है।

विशिष्ट अतिथि सरदार जसबीर सिंह, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, ने कहा कि आस्था की पद्धितयां भिन्न होने के बावजूद भारतीय ज्ञान परंपरा में राष्ट्रीय एकता के स्पष्ट चिन्ह दिखाई देते है। विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.एस. अग्रवाल,

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने ''भारतीय ज्ञान परंपरा में राष्ट्रीय एकता के सूत्र'' विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित किया।

चेयरमैन राजस्थान अस्पताल, जयपुर ने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल मंत्र है, जो संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने विषय की प्रासंगिकता को रेखांकित करते हुए निकट भविष्य में भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की।

मकान में घुसकर चुराया सिलेंडर

जयपुर। झोटवाड़ा इलाके में मकान के पॉर्च में रखा गैस सिलेंडर बाइक सवार बदमाश चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित मकान मालिक को वारदात की जानकारी सीसीटीवी फुटेज देखने पर चली। जिसके बाद पीड़ित ने फुटेज के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि थाना इलाके में स्थित राण प्रताप नगर निवासी राकेश गुप्ता का आरोप है कि गुरुवार दोपहर में वो गैस एजेंसी से गैस सिलेंडर लेकर आया और उसे मकान के पॉर्च में रखकर वो पहली मंजिल पर चला गया। कुछ देर बाद बाइक सवार बदमाश ने कुछ देर तक मकान की रैकी की ओर अंदर आकर सिलेंडर चोरी कर फरार हो गया। थोडी देर बाद पीड़ित ने सिलेंडर संभाला तो गायब मिला। पीडित ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो उसमें अज्ञात बाइक सवार बदमाश सिलेंडर चोरी कर ले जाता हुआ दिखाई दिया। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी मुंह पर रुमाल बांधकर अंदर आता हुआ दिखाई दे रहा है।

भाजपा राजस्थान ने 'मन की बात' कार्यक्रम में रचा इतिहास

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम ''मन की बात'' के 125वें संस्करण को भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान ने ऐतिहासिक रूप से राज्य के 31 हजार 125 बूथों पर एक साथ सुनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस आयोजन ने न केवल संगठन की शक्ति को दर्शाया, बल्कि राजस्थान को 'मन की बात' कार्यक्रम में अग्रणी राज्य के रूप में भी स्थापित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार और प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा के नेतृत्व में यह आयोजन बूथ स्तर तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम की सफलता में प्रदेश टोली, जिला, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक समर्पण और समन्वय के साथ भूमिका निभाई। मोतीलाल मीणा ने बताया कि प्रदेश के सभी 44 जिलों में 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिनमें पाली जिला सबसे आगे रहा। पाली के सभी 1699 बूथों पर यह कार्यक्रम श्रवण कराया गया, जो शत-प्रतिशत भागीदारी का प्रतीक है।

इसके अलावा जालौर, बांसवाड़ा और अजमेर देहात जिलों में भी 95 प्रतिशत से अधिक बूथों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। 44 में से 28 जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक बूथों पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सरल ऐप के माध्यम से कार्यक्रम की रिपोर्टिंग और रिकॉर्डिंग की गई, जिससे आंकड़ों का पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित हुआ और लगातार नए रिकॉर्ड बनते जा रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस उपलब्धि पर प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, कार्यक्रम समन्वयक विनय शर्मा, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी एवं बूथ स्तर तक के समस्त पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाजपा, राजस्थान संगठन की नींव को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों और योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

गौ सेविकाओं का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया सम्मान

गौ-महाकुंभ में दिया कुमारी ने कहा ''गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं''

जयपुर । विद्याधर नगर स्टेडियम में शुक्रवार को आयोजित गौ महाकुंभ कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में उनका पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में गौ सेवा को भारतीय संस्कृति और आस्था का मूल स्तंभ बताया।

उन्होंने कहा, गौ सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। यह न केवल हमारी परंपरा का हिस्सा है, बल्कि समाज के उत्थान का मार्ग भी है। हमें संकल्प लेना चाहिए कि जीवनशैली में गौ सेवा को शामिल करेंगे और गोशालाओं में सेवाभाव को आगे बढ़ाएंगे। दिया कुमारी ने गौ-उत्पादों के उपयोग और प्रसार पर भी जोर देते हुए कहा कि समय की मांग है कि गौ आधारित उत्पादों की जानकारी आमजन तक पहुंचे। उन्होंने सुझाव दिया कि गौशालाओं में नवाचार और तकनीक का समावेश कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया के माध्यम से गौ सेवा के संदेश का प्रचार-प्रसार करें।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने गौ सेवा में विशेष योगदान देने वाली महिला कार्यकर्ताओं - शिवानी, दक्षा, मंजू, शारदा, मोनिका और नेहा को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुमेधानंद, अनेक संत-महंत, समाजसेवी, गणमान्यजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गौ महाकुंभ में गौ संरक्षण, सेवा और संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

परिचित ने विवाहिता से किया दुष्कर्म

जयपुर । भांकरोटा थाना इलाके में एक परिचित ने विवाहिता से दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील वीडियों क्लिपिंग बना कर उसे ब्लैकमेल किया। आए दिन की धमकियों से परेशान होकर पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बयानों के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

थानाधिकारी मनीष गुप्ता ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाली विवाहिता का आरोप है कि आरोपी युवक पुराना परिचित था। जिसके कारण आए दिन उससे मोबाइल फोन पर बातचीत होती रहती थी। जुलाई -2025 में आरोपी ने उसे अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीड़ियों बना लिया। आरोपी वीड़ियों वायरल करने की धमकी देकर आए दिन अलग -अलग जगहों पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। रोज-रोज की धमकी से परेशान होकर पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

150 वर्ष पुराने रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकले ठाकुरजी

भादवा तेरस पर धूमधाम से निकाली भरत मिलाप परिक्रमा

जयपुर । ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार जयपुर में भादवा तेरस शुक्रवार को श्री सियाराम जी की वार्षिक नगर परिक्रमा धूमधाम से निकाली गई। वार्षिक नगर परिक्रमा में सांगानेरी गेट हनुमान जी मंदिर में भरत मिलाप हुआ। अलौकिक साज-सज्जा के बाद रथ भरत और शत्रुध्न को लेकर सांगानेरी गेट स्थित हनुमान जी मंदिर के लिए रवाना हुआ और शाम 7 बजे भगवान श्रीराम का भरत मिलाप का अद्भुत मिलाप हुआ ।

जिसके बाद भरज जी ने उनकी आरती उतारी और विनती कर उन्हे राजसी वेश धारण करवाए। भगवान श्री राम के राजशी वेश धारण करने के बाद शाही लवाजमें के साथ भक्तजन उन्हे अपने साथ मंदिर लेकर पहुंचे।शाही लवाजमें में शामिल शाही रथ में चांदी की कुर्सियां, सिंहासन, कटघरे, खंभे

लगे हुए थे। रथ यात्रा सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया, छोटी चौपड़ होते हुए रात्रि 10 बजे मंदिर परिसर पहुंची।

मंदिर महंत नरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस रथ का निर्माण जयपुर राज घराने के करीब 150 साल पहले कराया था। रथ की खास विशेषता है कि जैसे -जैसे ये पुराना होता जाएगा। वैसे-वैसे ही शीशम की लकड़ी से बना ये रथ और भी मजबूत होता जाएगा। इस रथ का पानी में भी कुछ नहीं बिगड़ता। पुरानी मान्यताओं के अनुसार इस रथ को साहू परिवार के सफेद बैल की जोड़ी ही खींचती है। यह परम्परा मंदिर स्थापना से ही चली आ रहीं है।

उस रथ पर श्री राम दरबार के सजीव स्वरूप बना कर ब्राह्मण बालकों को बैठाया गया। जिस रथ में श्री राम विराजते है वो रथ शुद्ध शीशम की लकडी से बना हुआ है और लकडी का जुड़ा, लोहे की कमानिया,जालियां इत्यादि बड़ी सुंदरता से बने हुए है। इस रथ को बैलों की जोड़ी खींचते है जो वर्षों से रामावतार साहू के घर से आते है। रथ को रखने के लिए मंदिर बड़ा रथ खाना बना हुआ है।

सार-समाचार

आरजीएचएस योजना के बारे में चर्चा

जयपुर । आर.जी.एच.एस. में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा बन्द कर दिये जाने के सम्बन्ध में राजस्थान एलाइंस आफ हॉस्पिटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ शनिवार को ''राजस्थान कन्वेंशन सेंटर' में राजस्थान पेंशन समाज के प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक सिंह चंदेल, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपाल सिंह, प्रवेश कार्यालय सचिव प्रहलाद शर्मा, एस.एस. खंगारोत एवं मनोहर सिंह ने भाग लिया। एसोसिएशन की तरफ से 'कन्वीनर' मेजर जनरल डॉ. के.सी.पारीक, डॉ. सचिन झँवर, डॉ वरुण, चेतन खाण्डल, साहिल कुमार, एवं रीना सिंह से विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य समस्या आर.जी.एच.एस. में समय पर भुगतान नहीं होने की बतायी गई। वर्तमान में लगभग 900 करोड रुपए की बकाया है जिसका भुगतान शीघ्र कराए जाने की उन्होंने बात कही। चर्चा के दौरान हॉस्पिटल, आरजीएचएस लाभार्थी/ पेंशनर्स तथा सरकार के मध्य समन्वय स्थापित कर इस योजना को सुचारू रूप से चलाए जाने के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा के साथ-साथ बुजुर्ग पेंशनर्स को हो रही परेशानियों के निराकरण के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया।

मदन राठौड़ का अभिनंदन किया

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी जयपुर देहात दक्षिण के नवगठित जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर ने शुक्रवार को अपनी जिला कार्यकारिणी के साथ भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचकर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का अभिनंदन किया। इस मौके पर गुर्जर ने राठौड़ को साफा पहनाकर, पुष्पगुच्छ और मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया। राजेश गुर्जर ने अपनी पूरी कार्यकारिणी का परिचय प्रदेशाध्यक्ष से करवाया और सभी पदाधिकारियों का भी दुपट्टा पहनाकर सम्मान करवाया। उन्होंने अपनी टीम को ''इनवेटिव, पॉजिटिव, सब्जेक्टिव, कोलब्रेटिव व विजनरी'' बताते हुए भरोसा जताया कि यह टीम जयपुर देहात दक्षिण को संगठन और सेवा के क्षेत्र में प्रदेश में नंबर 1 बनाएगी।

पिछवाई शैली में सजे गोविंददेवजी

जयपुर । शहर के आराध्य गोविंद देव जी के आकर्षक श्रृंगार के दर्शन मनमोहक पिछवाई आर्ट फ़ॉर्म पर देखने को मिले। कुछ ऐसा ही मनभावन नजारा था शुक्रवार से शुरू हुए 'दर्शनम आर्ट फ़ेस्टिवल' का, दर्शनम आर्ट गैलरी और रघुकुल ट्रस्ट की ओर से कूकस स्थित होटल फ़ेयरमोंट जयपुर में तीन दिवसीय आर्ट एग्जीबिशन का भव्य शुभारम्भ किया गया। इस दौरान शो के उद्घाटन मौक़े पर मुख्य अतिथि के तौर में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव आईएएस राजेश यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में दर्शनम आर्ट गैलरी से अभिनव बंसल व विजेंद्र बंसल, रघुकुल ट्रस्ट से साधना गर्ग, प्रसिद्ध होटलियर और फ़ेयरमोंट से जुही शर्मा और जीएम रजत सेठी उपस्थित रहे। शुक्रवार को आयोजित हुए प्रीव्यू कार्यक्रम में सभी गणमान्यों ने लाइव पिछवाई वर्कशॉप का भी आनंद लिया। जहां पिछवाई आर्ट फ़ॉर्म के जाने-माने आर्टिस्ट्स महेंद्र शर्मा, रामकृष्ण वर्मा, रतन बूंकर, भंवर जी आदि ने सभी अतिथियों को पिछवाई आर्ट की बारीकियों से अवगत करवाने के साथ ही ब्रश स्ट्रोकस और कलर बैलेन्स सिखाया।

शातिर नकबजन को पुलिस ने दबोचा

जयपुर । गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर नकबजन को धर-दबोचा है और उसके पास से नकबजनी के दौरान चुराई गई दो एलईडी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार चुराई गई एलईडी की बाजार कीमत दो लाख रुपये आंकी है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करन शर्मा ने बताया कि गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक शातिर नकबजन शुभम गंगवाल निवासी गलता गेट जयपुर को गिरफ्तार कर उसके पास से चुराई गई दो लाख रुपये कीमत की दो एलईडी भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने का आदि है जो नशे की लत को पूरा करने के लिए सूने मकान और स्कूल सहित अन्य जगहों की रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते है। आरोपित ने अपने दो साथी मोटी सिंह और गोपी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देता है। पुलिस अन्य दो साथियों की तलाश कर ही है और वहीं पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

मोती डूंगरी गणेशजी को निमंत्रण

जयपुर । श्री अग्रवाल समाज समिति जयपुर महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव-2025 इस बार 22 सितम्बर को धूमधाम से मनाएगा। इस आयोजन की सफलता के लिए शुक्रवार को समिति अध्यक्ष के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश अग्रवाल भाडे वाले के नेतृत्व में मोती डूंगरी गणेषजी को निमंत्रण देकर पूजा-अर्चना कर आयोजन के लिए सफलता की कामना की। इस अवसर पर प्रख्यात कथावाचक प्रिया शरण महाराज प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा जयंती समारोह के मुख्य संयोजक सुभाष मेड वाले, कैलाश सिपुरिया, श्याम बैंक वाले, राम अवतार गोयल, महिला संयोजिका गौरी मोदी (अग्रवाल),मीता अग्रवाल,अनीता गोयल,मृदुला बंसल, ज्योति अग्रवाल,रानू अग्रवाल, पुष्पेंद्र गुप्ता,राजेंद्र प्रसाद सिंघल, राम अवतार अग्रवाल, गोनेर रोड,राम नारायण गर्ग जामडोली, दीपक कुमार अग्रवाल थावरिया, राधेश्याम अग्रवाल,सूर्यप्रकाश एडवोकेट,शैलेश अगवाल,सुशील भूत एवं अन्य अग्र बंधु साथ रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष भाड़ेवाला ने बताया कि इस बार जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर जोरों पर चल रही है।

संगीतमय भागवत कथा का आयोजन

जयपुर । योग साधना आश्रम एवं प्राकृतिक चिकित्सालय में सात दिवसीय संगीतमय श्री मद् भागवत कथा चतुर्थ पंचम दिवस पर सीया राम दास महाराज श्री कनक बिहारी मंदिर, गलता गेट कृपा पात्र शिष्य भागवताचार्य पंडित दिपक शास्त्री द्वारा कथा की जा रही है। कथा श्रव्यन करने यजमान डॉ. अरविंद ओझा एडवोकेट, चित्रित गुप्ता, राजेन्द्र व्यास परिवार, भक्त और श्रद्धालु कथा भवन में प्रति दिन उपस्थित होने पर जलझूलनी एकादशी पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव/नन्द उत्सव मनाया। श्रद्धालुओं ने खिलौने, चॉकलेट, फल, सेव, मावे बर्फी प्रसाद में वितरित की गई।

International Bacon Day 2025

Observed on September 6, International Bacon Day is a lighthearted celebration dedicated to one of the world's most beloved breakfast staples. What began as a quirky tradition among friends in the U.S. has grown into a global event, with bacon-themed recipes, festivals, and social media tributes marking the day. From crispy strips to gourmet bacon-infused dishes, the occasion encourages food lovers to indulge in creativity and savor the smoky flavors. Beyond taste, it's also a chance to share laughter, camaraderie, and the universal joy that a plate of bacon brings to gatherings.

#CONFUSION

Boycott!!!

Now Modi ji is smiling with Xi Jinping. Sir, does this mean my wife can finally cook chowmein again?

LETTER TO IT CELL MANAGER FROM A FRUSTRATED BHAKT

Pranam Sir,

I write to you with a heavy heart. Every few weeks the boycott rules change, and I no longer know whom to troll, whom to unfollow, or which post to delete before liberals dig it out.

After Galwan, I threw away my Chinese pichkari, smashed TikTok, and even considered sacrificing my Xiaomi phone (but EMI was pending). I even banned noodles at home in the spirit of nationalism. Now Modi ji is smiling with Xi Jinping. Sir, does this mean my wife can finally cook chowmein again, or must we keep treating thepla as the patriotic alternative?

Some months back it was Maldives. I shouted "Boycott Maldives!" and even lectured my Gujju neighbour's son for choosing it as his honeymoon spot. Today India signs a $565 million deal with them, and I don't know whether to delete my posts or claim it as part of some grand masterstroke. Is there any official line for such U-turns?

About America, the least said the better. We built a mandir for Trumpji, called him Bharat's best friend, then he slapped tariffs and I proudly poured Coca-Cola down the drain on camera. But now the same Gujju neighbour's son who I stopped from Maldives is begging me for help with an H-1B visa. Sir, how do I troll America while also arranging his recommendation?

Turkey at least was simple. We banned Turkish Airlines, Antalya beaches and baklava although no one was flying there as it was too expensive, and half the mohalla thought baklava was a tractor company anyway. Sir, does such virtual boycott still count as seva?

And now, Pakistan. Sir, this is the toughest. We are told to boycott Pakistan, yet a cricket match with them is coming up. If I switch off my TV, I miss Bharat's glory. If I watch, am I funding the enemy? Please clarify.

Sir, I remain loyal. But by the time I figure out whether to boycott, troll, or delete, liberals have already made ten memes. That's why I beg you: please issue an Official boycott calendar and a Standard trolling handbook. Without them, our great movement will collapse like those bridges in Bihar.

Ever loyal, but utterly confused,
Your obedient Bhakt.

(Disclaimer: Satire. No Bhakts were harmed in the writing of this letter, though several WhatsApp uncles may be deeply offended.)

The Notorious Edenton Tea Party

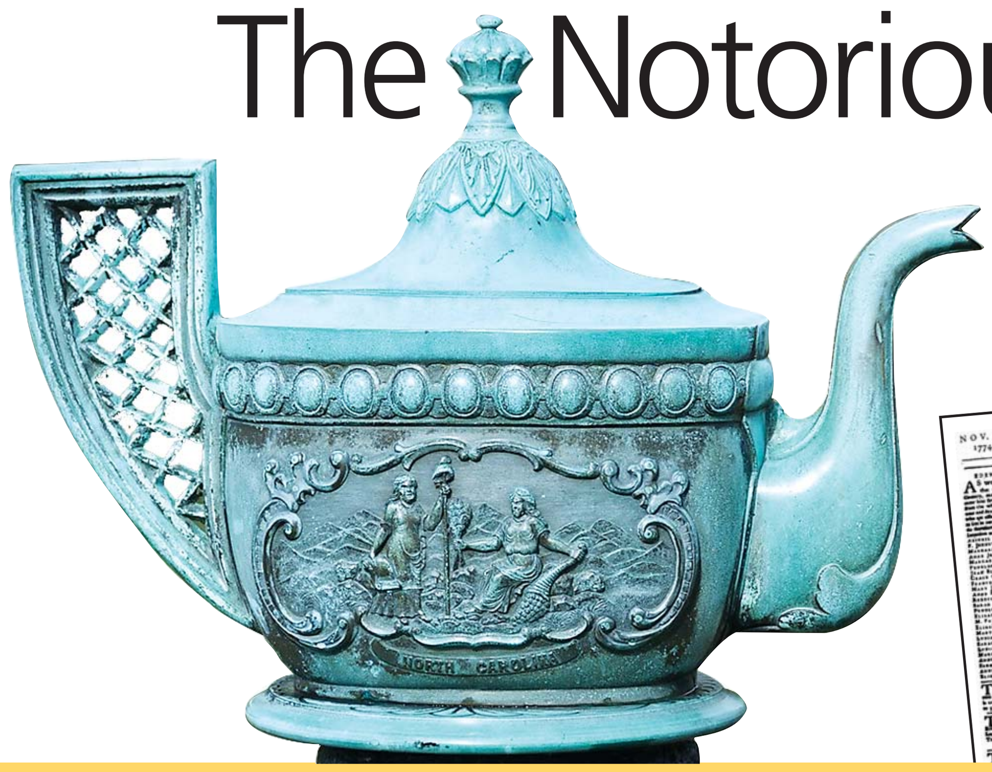

The women's resolution was reprinted in the Virginia Gazette on November 3, 1774.

A London political cartoon satirizing the Edenton Tea Party.

The Edenton Tea Party wasn't an isolated incident. It was part of a wave of protests against Parliament's 1773 Tea Act, a corporate tax break that lowered the price of tea for colonists, encouraging them to buy taxed tea and, by extension, agree to taxation without representation.

● Verna Mohon

In October 1774, Penelope Barker did what women of her time and social class weren't reared to do: figuratively, rather than literally, stir the pot.

The 46-year-old wife of a Colonial agent tasked with representing North Carolina's interests in England, Barker led one of America's first recorded women's political demonstrations.

While her husband was stranded abroad amid the outbreak of the American Revolution, Barker convened a group of 50 women in her hometown of Edenton, North Carolina, asking them to sign a resolution supporting the boycott of British goods, including tea and cloth. "We cannot be indifferent on any occasion that appears nearly to affect the peace and happiness of our country," the document stated. The 51 signatures, affixed boldly and publicly in a resolution shared with newspapers throughout the Thirteen Colonies, represented a daring stand against British authority at a time when women's political opinions were often confined to their homes. They signed their names and sent the protest to London where it was published for King George III to see!

Barker's third husband, Thomas Barker.

Many of the women who participated in the so-called Edenton Tea Party were married to men, including local politicians, lawyers, doctors, businessmen and planters, who held significant economic and political power within Colonial society. These wives were often the primary consumers and managers of their households, meaning they held the power to buy from or boycott specific sellers.

#MARKET CONTROL

A portrait of Barker hangs in the living room of her former home. Edenton Historical Commission.

The Edenton Tea Party wasn't an isolated incident. It was part of a wave of protests against Parliament's 1773 Tea Act, a corporate tax break that lowered the price of tea for colonists, encouraging them to buy taxed tea and, by extension, agree to taxation without representation. Barker's resolution was a direct response to an earlier pledge by North Carolina's First Provincial Congress, whose delegates had called for a boycott of British goods as well as the cessation of exports to Great Britain.

When news of the Edenton Tea Party reached London in 1775, a political cartoon mocked the women who'd signed the resolution as unfeminine and neglectful mothers. By highlighting the perceived masculinity of the women's actions, the drawing also demeaned Colonial men, suggesting that "the women are running the show here," says Debra Michals, a historian at Merrimack College and the author of She's the Boss: The Rise of Women's Entrepreneurship Since World War II. In Edenton, however, this tea party marked something more profound: a declaration that women, too, had a stake in the political future of the Thirteen Colonies. The resolution's signers not only asserted their political agency but also encouraged others within their social circles to engage in the revolutionary cause, using their status and influence to challenge British authority despite public backlash abroad.

> "Barker is a very revered figure in Edenton," says Robert Leath, executive director of the Edenton Historical Commission, a nonprofit organization dedicated to preserving the town's history. "Everybody recognizes that she was a prominent, well-educated woman who was willing to find her voice on the political issues of the day and organize the women of the community in a way that was very remarkable for the time."

In response to the Tea Act of 1773, the Provincial Deputies of North Carolina resolved to boycott all British tea and cloth received after September 10, 1774. The women of Edenton signed an agreement saying they were "determined to give memorable proof of their patriotism" and could not be "indifferent on any occasion that appears nearly to affect the peace and happiness of our country . . . it is a duty that we owe, not only to our near and dear connections . . . but to ourselves."

The custom of drinking tea was a long-standing social English tradition. Social gatherings were defined by the amount and quality of tea provided. Boycotting a substance that was consumed on a daily basis, and that was so highly regarded in society, demonstrated the colonists' strong disapproval of the 1773 Tea Act. The Boston Tea Party, in December 1773, resulted in Parliament passing the "Intolerable Acts" as proof of the Crown's absolute authority. Following the example of their Boston patriots, the women of Edenton boldly protested Britain's what they considered unjust laws.

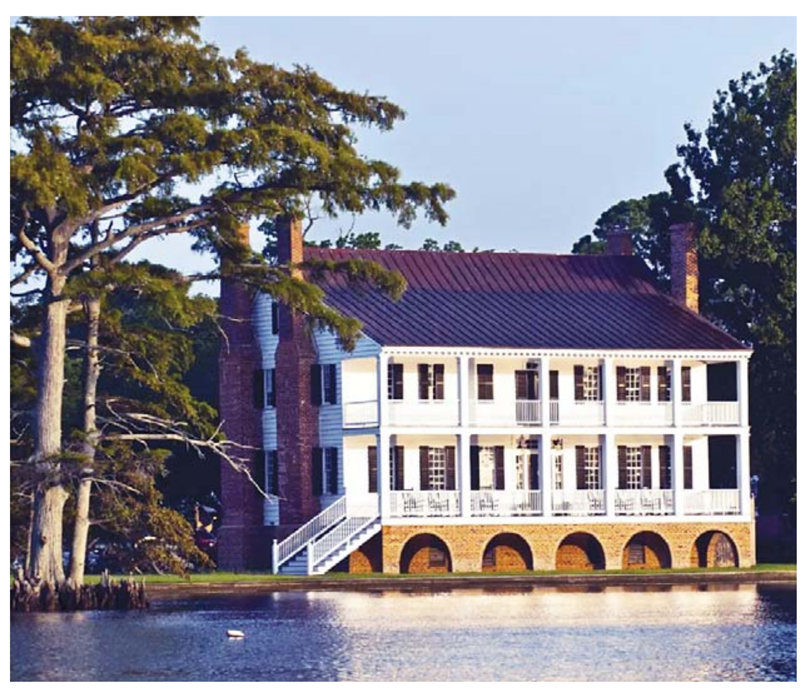

A London political cartoon satirizing the Edenton Tea Party.

Thomas Hodgson, a son of Barker and her first husband, John Hodgson, died in 1772 at age 25.

News of the Edenton Tea Party quickly reached Britain. During the 1770s, political resistance was common. But an organized women's movement was not. So, the Edenton Tea Party shocked the Western world. From England, in January 1775, Arthur Iredell wrote his brother, James Iredell, describing England's reaction to the Edenton Tea Party. According to Arthur Iredell, the incident was not taken seriously because it was led by women. He sarcastically remarked, "The only security on our side ... is the probability that there are but few places in America which possess so much female artillery as Edenton." "Barker is a very revered figure in Edenton," says Robert Leath, executive director of the Edenton Historical Commission, a nonprofit organization dedicated to preserving the town's history. "Everybody recognizes that she was a prominent, well-educated woman who was willing to find her voice on the political issues of the day and organize the women of the community in a way that was very remarkable for the time."

rajeshsharma1049@gmail.com

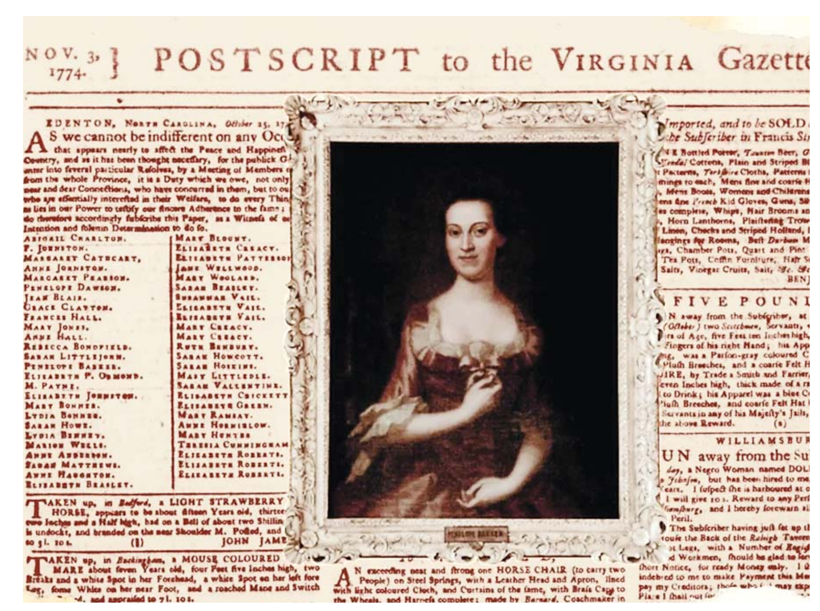

"We cannot be indifferent on any occasion that appears nearly to affect the peace and happiness of our country," wrote the resolution's 51 signees. Their words were republished in newspapers across the Thirteen Colonies and beyond.

#TOLL

Don't Throw them

The Importance of Toll Receipts in Case of an Accident: When Towing and Ambulance Services Are Involved

Accidents are unexpected, stressful, and often chaotic. In the aftermath of a collision-especially when it involves vehicle towing or ambulance services-documentation becomes critically important. While most people focus on police reports, insurance forms, and medical records, there's one small but powerful piece of evidence often overlooked: the toll receipt. Though seemingly minor, toll receipts can play a significant role in legal, medical, and financial processes following a road accident. Here's why they matter more than you might think.

1. Proof of Location and Timeline

Toll receipts are time-stamped and tied to specific locations, making them an effective way to verify your presence and movement on the road before an accident.

- Confirms where and when your vehicle was on a toll road.
- Helps reconstruct the timeline leading to the incident.
- Can support or counter claims involving speeding or traffic violations.

2. Support for Ambulance and Medical Insurance Claims

In accidents where an ambulance is required, medical insurance companies often ask for evidence proving the urgency and legitimacy of the emergency.

- Toll receipts reinforce claims that the incident occurred on a specific route and time.
- They support ambulance reports and hospital admission records.
- In the absence of witnesses, they serve as neutral, time-stamped evidence.

Combined with medical documents, a toll receipt can help justify the emergency nature of the event and facilitate quicker insurance approvals.

3. Towing Services and Vehicle Recovery

After a crash, vehicles are frequently towed-sometimes from restricted toll zones or highways where specific rules apply.

- Toll receipts confirm that you entered a tolled area where assistance was required.
- Help validate claims with roadside assistance or towing services.
- May be requested by highway authorities before releasing a towed vehicle or processing toll-related recovery charges.

In many jurisdictions, accident support services are managed under toll road operators. Having proof that you were in their zone is often a required step for service claims.

4. Insurance Claim Documentation

Insurance providers require precise and accurate documentation to process accident claims-especially if towing, ambulance, or injury is involved.

- Toll receipts confirm the journey took place.
- They can support or validate information in police reports or claim forms.
- In commercial use, they help prove the business purpose of the trip, which can affect the outcome of a claim.

These receipts serve as a piece of the puzzle that helps insurers verify details and process claims faster and more accurately.

5. Legal Support and Accident Dispute Resolution

In cases where legal action or dispute resolution is necessary, toll receipts may serve as objective evidence.

- Helps confirm or deny allegations about speed, route, or accident timing.
- Can support legal defenses in hit-and-run accusations or location disputes.
- Useful for accident reconstruction by police or legal investigators.

In a legal setting, toll receipts are considered credible and unbiased, which can make a significant difference when facts are in question.

Final Thoughts: Why You Should Always Keep Toll Receipts

It's easy to overlook toll receipts. Most people discard them seconds after passing through a toll plaza. But in the event of an accident-especially one involving ambulance transport or vehicle towing-this tiny slip of paper can become a vital document.

THE WALL

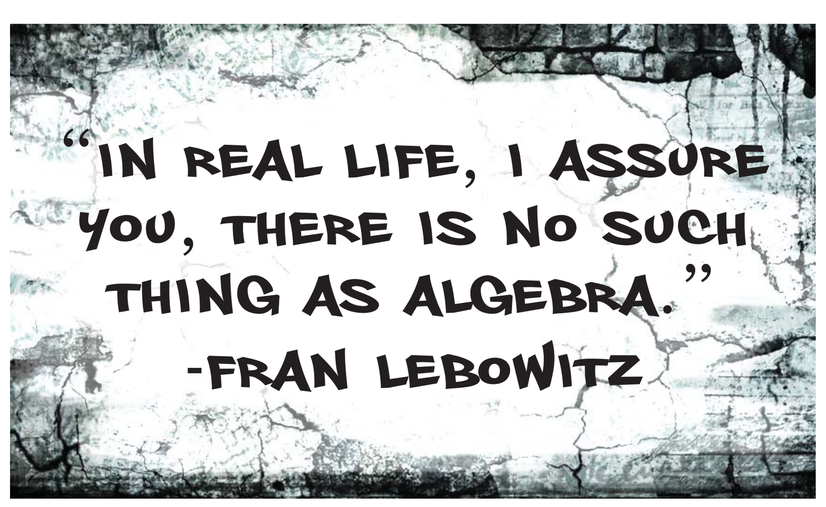

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

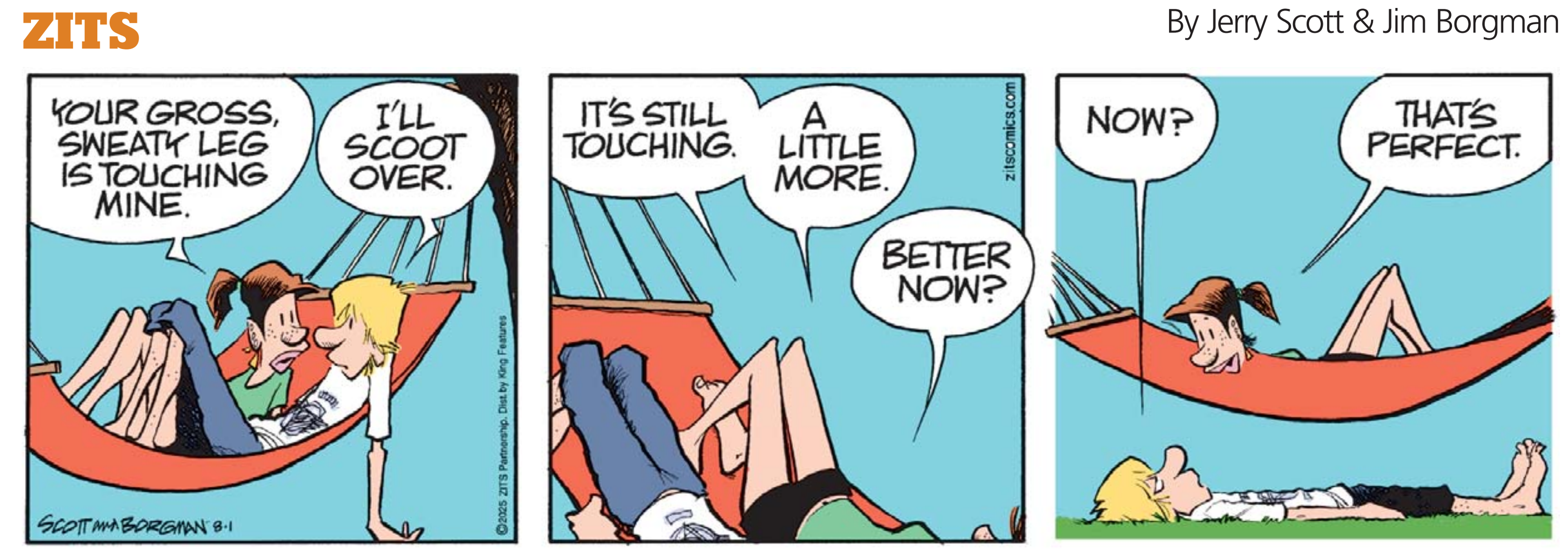

शिक्षक दिवस पवित्र रिश्ते का प्रतीक है : वासुदेव देवनानी

भारत की शिक्षा पद्धति का योगदान सम्पूर्ण विश्व में अद्वितीय रहा है

अजमेर, (कासं)। शिक्षक दिवस केवल औपचारिक उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जो शिक्षक और शिष्य के बीच अटूट बंधन को दर्शाता है। भारत की शिक्षा पद्धति का योगदान सम्पूर्ण विश्व में अद्वितीय रहा है। तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों में वेदों पर आधारित ज्ञान परंपरा रही, जहाँ विश्व के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। यह कहना था राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का जो राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षक दिवस पर आयोजित विशेष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित कर रहे थे।

अजमेर में शिक्षक दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथ्य में किया।

- 'हम केवल 60 मिनट के शिक्षक नहीं, बल्कि आजीवन शिक्षक हैं।

वासुदेव देवनानी ने आगे कहा कि किसी भी संस्था की प्रगति तीन मुख्य स्तंभों पर निर्भर करती है – सशक्त नेतृत्व, समर्पित टीम और गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण। गुरु-शिष्य संबंध पर प्रकाश डालते हुए देवनानी ने कहा कि 'हम केवल 60 मिनट के शिक्षक नहीं, बल्कि आजीवन शिक्षक हैं। हमें विद्यार्थियों से निरंतर संवाद स्थापित करना चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने शोध कार्यों की दिशा पर बल देते हुए कहा कि 'हमारा शोध गरीब और वंचित वर्ग के जीवन स्तर को ऊपर उठाने वाला होना चाहिए।

शिक्षा और अनुसंधान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना होना चाहिए।' राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्ण शिक्षा को मानव जीवन की सबसे बड़ी साधना मानते थे। उनका मानना था कि सच्चा शिक्षक वह है जो हमें आज के लिए नहीं बल्कि भविष्य के लिए तैयार करता है। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण था शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार जिसमें तीसरी बार भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों से चयनित शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई है।

इस विशेष अवसर पर देवनानी के कर कमलो द्वारा विश्वविद्यालय के सोमनाथ शर्मा अकादमिक भवन, ठोनेडियर योगेंद्र सिंह यादव अकादमिक भवन और मेजर धन सिंह थापा अकादमिक भवन में नवनिर्मित 6 एआई एकीकृत स्मार्ट सेमिनार कक्षों का उद्घघाटन किया गया।

भरतपुर में शिक्षक दिवस पर वरिष्ठ सेवानिवृत शिक्षकों का सम्मान

- ब्राह्मण सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी वरिष्ठ सेवानिवृति शिक्षकों का साफा बांधकर, दुपट्टा पहनाकर, प्रतीक चिंह व श्रीफल देकर सम्मानित किया।
- मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षकों के अमूल्य योगदान, समर्पण और समाज तथा राष्ट्र के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका को सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है। शिक्षक ही समाज को नई दिशा देता है और शिष्यों को संस्कारवान बनाता है।

भरतपुर (निस)। ब्राहमण समाज द्वारा हनुमान मंदिर जवाहर बुर्ज भरतपुर पर सेवानिवृति दिनेश चंद शर्मा की अध्यक्षता में व महेन्द्र कुमार शर्मा गादौली के सानिध्य में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरबन कोपरेटिव बैंक के अध्यक्ष योगेश शर्मा लाला व डॉ. लोकेश शर्मा थे एवं विशिष्ट अतिथि अशोक लवानियां, श्याम सुन्दर कटारा, सेठ दाउदयाल, चेतन शर्मा, परषोत्तम कटारा, घनश्याम अवस्थी, सुभाष व्यास, जुगल बन्दूक, बाबूलाल फौरन सिंह थे। कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों द्वारा हनुमानजी के सामने दीप प्रज्जवलित कर की गई। कार्यक्रम के जिला संयोजक जसवंत दारापुरिया थे।

ब्राह्मण सभा के जिलाध्यक्ष डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी वरिष्ठ सेवानिवृति शिक्षकों का साफा बांधकर, दुपट्टा पहनाकर, प्रतीक चिंह व श्रीफल देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षकों के अमूल्य योगदान, समर्पण और समाज तथा राष्ट्र के भविष्य निर्माण में उनकी भूमिका को सम्मान करना हमारा परम कर्तव्य है। शिक्षक ही समाज को नई दिशा देता है और शिष्यों को संस्कारवान बनाता है। इस कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने अपने अपने विचार प्रकट किये। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिनमें जितेन्द्र कुमार शर्मा, शशांक गुर्जर, नेकराम नेक, लोकेन्द्र सुमन, छीतर सिंह बाबा, पुनीत गुर्जर पीटीआई, डॉ. कृष्ण कन्हैया, भरत खटाना, दिनेश सिंराधना, अर्जुन सिंह चौकीपुरा, राजेश चौधरी, राकेश सिंह, यदुवीर सिंह, चन्द्रभान फौजदार आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जसवंत दारापुरिया ने किया व आभार व्यक्त श्याम सुन्दर कटारा ने किया।

प्राचीन जादू कला का अस्तित्व बचाने के लिए आज प्रदेश के 125 जादूगर जुटेंगे अजमेर में

अजमेर में राजस्थान के जादुगर जादू की कला पर छह सितंबर को चर्चा करेंगे।

- राजस्थान के 125 से अधिक जादूगरों को अजमेर के सूचना केंद्र सभागार में 6 सितंबर को 10:30 बजे सेमिनार होगा

अजमेर, (कासं)। भारत की अत्यंत प्राचीन जादू कला का अस्तित्व बचाने हेतु राजस्थान के 125 से अधिक जादूगर अजमेर के सूचना केंद्र सभागार में 6 सितंबर को 10:30 बजे एकत्रित हो रहे है, जहां वह अपना कला-कौशल एक-दूसरे को दिखाएंगे एवं सिखाएंगे भी। जादू कला के उत्थान व जादूगरों के कल्याण का बीड़ा उठा कर समस्त राजस्थानी जादूगर, मैजिशियनस एसोसिएशन राजस्थान के बैनर तले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से 10:30 बजे संवाद करेंगे।

पत्रकार वार्ता में मैजिशियनस एसोसिएशन राजस्थान के हैरती व संस्था के संरक्षक मायावी जूनियर ने बताया कि आज तक जादू कला को ललित कला में नहीं जोड़ा गया है और न ही आज तक जादू कला पर राज्य सरकार ने कोई बोर्ड का गठन किया है। सरकार से जादू कला को प्रोत्साहन नहीं मिलने की वजह से यह कला राजस्थान से लुप्त प्राय: सी हो रही है और युवा वर्ग इस कला को व्यवसाय के रूप में अपनाने को तैयार नहीं है तथा पुराने 80 प्रतिशत जादूगरों की उम्र 60 से ज्यादा हो चुकी है।

वर्तमान पीढ़ी बिना राजकीय प्रोत्साहन के इस कला को अपनाने को तैयार नहीं हैं। राज्य के चंद जादूगर ही इस कला का प्रदर्शन कर रोजी-रोटी कमा रहे हैं उनकी भी कमर टूटने के कगार पर है, इस हतोत्साहित माहौल में इस कला को कैसे बचाया जाए एवं इसके माध्यम से कैसे रोजगार पैदा किये जाए। जादूगरों की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ इस पर भी चर्चा होगी।इस दौरान पत्रकार वार्ता में उपस्थित पत्रकारों को जादूगर पल्लव में अपनी कला का जादू बिखरते हुए कुछ करतब भी दिखाएं

जादूगर आपस में प्रतियोगिता भी करेंगे तथा जादूगरों की कार्यशाला का भी आयोजन होगा। संस्था के संरक्षक मायावी जूनियर ने अथक प्रयास कर, इस संस्था का गठन कर राजस्थान के समस्त जादूगरों को साथ लेकर कला के उत्थान का संकल्प लिया, जिसमें एसोसिएशन के अध्यक्ष जादूगर हैरती जी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

भविष्य में राजस्थान में 'जादू कला अकादमी' की स्थापना हो, इस हेतु भी सम्मेलन में चर्चा होगी और 'जादू कला बोर्ड' की स्थापना हेतु सरकार से भी आठाह किया जाएगा।

'जादूगर कल्याण कोष' के लिए भी जादूगर मायावी जूनियर प्रयासरत है एवं निकट भविष्य में श्रेष्ठ जादू प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से युवा वर्ग को जादू कला का प्रशिक्षण एंव इस कला को जीवित रखने का प्रयास करेंगे।

राहुल गांधी व तेजस्वी यादव का पुतला जलाया

- वन मंत्री बोले- मोदी की मां पर टिप्पणी का जवाब बिहार चुनाव में जनता देगी
- राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के पुतले की शव यात्रा निकाली

अलवर। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी की मां पर टिप्पणी करने के आरोप में बीजेपी के नेताओं ने शुक्रवार को अलवर शहर में वन मंत्री संजय शर्मा और बीजेपी जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव का मिनी सचिवालय के बाहर पुतला जलाया। उससे पहले पुतले की शव यात्रा निकाली गई।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा जिस तरह से राहुल गांधी के मंच पर बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता पर अशोभनीय टिप्पणी की उससे पूरे देश में राहुल गांधी सहित इंडिया गठबंधन के खिलाफ लोगों में आक्रोश है। इसका जवाब बिहार चुनाव सहित पूरे देश में कांग्रेस को मिलेगा। उन्होंने कहा मां पूजनीय है वह किसी की भी मां हो। मां के प्रति इस व्यवहार को देश माफ नहीं करेगा।

अलवर में 80 मेधावी छात्र सम्मानित

अलवर। गोविंदगढ़ के हर्ष टीटी कॉलेज में शिक्षक दिवस के अवसर पर मोनू खेड़ापति की स्मृति में विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विश्वजीत सिंह मौजूद थे। समारोह की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज गोविंदगढ़ के अध्यक्ष कैलाश शर्मा ने की।

कार्यक्रम में 65 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। इनमें सबसे वरिष्ठ 92 वर्षीय लल्लूराम शर्मा रहे। इसके अलावा 88 वर्षीय राधेश्याम आर्य, 85 वर्षीय शिखरचंद्र गर्ग और 82 वर्षीय राधेश्याम सारस्वत सहित कई वरिष्ठ शिक्षकों को शाल और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में 80 प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा 10 वीं, 12वीं, स्नातक, एमबीबीएस और डॉक्टरेट स्तर तक के छात्र शामिल रहे। राज्य स्तर के गोल्ड मेडलिस्ट और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडि़यों को भी सम्मान दिया गया। इसी अवसर पर अलवर में लगातार प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विश्वजीत सिंह को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शन करते हैं और विद्यार्थियों को सत्य की राह तथा जीवन के संघर्षों से लड़ना सिखाते हैं। कार्यक्रम में कस्बे के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गोठया छोटी में चोरों ने घर में घुसकर 2.70 लाख की नगदी चोरी की

- ग्रामीणों ने दो चोरों को दबोच कर की पिटाई, पुलिस ने करवाया अस्पताल में भर्ती, दो चोरो किया गिरफ्तार, दो फरार
- उपचार के बाद पुलिस ने किया गिरफ्तार एक कार को भी किया जप्त

सादुलपुर, (निसं)। गांव गोठया छोटी में एक मकान में दो सितंबर की रात्रि को चोरी के लिए मकान में घूसे दो चोरों को ग्रामीणों ने पकडकर जमकर पिटाई की तथा एक कार को भी ग्रामीणों ने पकडकर पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार शाम साढ छ: बजे मिली जानकारी के अनुसार घटना में दो आरोपी चोर फरार होने में सफल हो गए थे, जबकि दो चोरों को मौके से ग्रामीणों ने पकड लिया।

वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया तथा उपचार के बाद शुक्रवार को पुलिस ने कार को जप्त कर दोनों आरोपी चोरों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की है। जबकि पुलिस द्वारा जप्त कार के नम्बर भी आगे पीछे के भिन्न-भिन्न है। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मामले में आरोपी अनिल कुमार पुत्री बलवीर बांवरी (20) निवासी अल्ताफगढ तहसील सफीदों जिला जींद हरियाणा तथा हवा सिंह उर्फ बिल्लू उर्फ राजेश पुत्र मामन राम बांवरी उम्र 5० साल निवासी वार्ड नंबर 4 नारनौंद पीएस नारनौंद हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में संदीप सिंह उम्र 35 साल निवासी गोठया छोटी ने राजगढ थाने में मामला दर्ज करवाकर बताया कि 1 व ०2 सितंबर की मध्य रात्रि के समय लगभग 3.00०बजे वह अपने घर पर सो रहा था। अचानक पास के कमरे में कुछ आवाज आई तो वह खडा होकर देखा तो दो व्यक्ति सन्दूक को खोल रहे थे। दो व्यक्ति बाहर आंगन में खडे थे। जिन्होंने उसको देखकर धक्का देकर बाहर खडी कार लेकर भागने लगे। उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। तो आसपास के पडोसी जाग गए एवं उनका पीछा करके दो आरोपियों को कार सहित पकड लिया। पकडे गए आरोपी का नाम हवा सिंह अनिल सिंह ओर भागने वालो का नाम राजीव और सुनील बताया।

दर्ज मामले में बताया कि कार पर दो भिन्न-भिन्न नंबरों की प्लेट लगी हुई थी। आगे के नंबर एच आर 49 जे 8756 पीछे के नंबर एच आर 29 ए एस 1751 है। दर्ज मामले में बताया कि उक्त व्यक्ति रात्रि के समय घर में घर में घूसकर सन्दूक में रखे 2 लाख 7० हजार रुपए चोरी करके ले गए। प्रकरण की जांच कर रहे सुनील कुमार पिलानिया हैड कांस्टेबल ने बताया कि घटना के दिन गिरफ्तार दोनों आरोपियों को ग्रामीणों ने पकडकर पिटाई कर दी थी। जिसके कारण उनको अस्पताल में भर्ती करवाया गया तथा उपचार के बाद शुक्रवार को दोनों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने घटना के काम में ली गई कार को भी जप्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि दोनों से पूछताछ जारी है।

नदी में युवक डूबा

उदयपुर। नदी से भैंस को निकालते समय पानी में बहने से डूबने पर युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर में भल्लों का गुड़ा कुराबड़ निवासी गोपाल कृष्ण डांगी (19) पुत्र हिरलाल डांगी अपने चचेरे भाई विशाल पुत्र मोहन दोनों भैसे चराने के लिए उदयसागर नदी की तरफ गए थे। जहां भैसे नदी में उतरने पर उन्हें गोपाल बाहन निकालने के लिए गया। जहां पांव फिसलने पर नदी के तेज बहाव में डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस व परिजनों ने मिल कर मृतक को बाहर निकाला। एएसआई

गंभीर नदी की सपाट पर पलटा ट्रक, बड़ा हादसा टला

बयाना भरतपुर (निस)। रुदावल रुदावल थाना क्षेत्र के अंतर्गत गाँव नदीगाँव में शुक्रवार को गंभीर नदी की सपाट पर एक ट्रक पलट गया। घटना के समय नदी की सपाट पर पानी का तेज बहाव चल रहा था, जिससे सडक दिखाई नहीं दे रही थी। इसके बावजूद, कई वाहन चालक जान जोखिम में डालकर उस मार्ग से गुजरने का प्रयास कर रहे थे। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक भी उसी बहाव में फंस गया और अनियंत्रित होकर ट्रक पलट गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ठामीणों की भीड़ घटनास्थल पर इकट्ठा हो गई। खेरिया मोड़ पुलिस चौकी के एएसआई घनश्याम पोशवाल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बाद में ट्रक को क्रेन की सहायता से बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि भारी बारिश और नदी में जलभराव की स्थिति को देखते हुए इस मार्ग पर उचित चेतावनी बोर्ड लगाए जाएँ और आवश्यकता हो तो मार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया जाए।

आरपीएससी ने जारी किया कृषि विभाग भर्ती परीक्षा-2024 का विस्तृत कार्यक्रम

- परीक्षाओं का आयोजन 12 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा।

अजमेर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कृषि विभाग भर्ती परीक्षा-2024 के अंतर्गत विभिन्न पदों की परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि इन परीक्षाओं का आयोजन 12 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा।

कृषि विभाग परीक्षा कार्यक्रम – सामान्य ज्ञान भर्ती अंतर्गत सभी 13 पदों के अभ्यर्थियों के लिए सामान्य ज्ञान का पेपर 12 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से 3:40 बजे तक होगा। 13 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से 11:50 बजे तक सहायक कृषि अधिकारी तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक सांख्यिकी अधिकारी के पदों के लिए परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। 14 अक्टूबर को सुबह 10 से 11.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एठीकल्चर केमिस्ट्री तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एठोनॉमी की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। 15 अक्टूबर को प्रात: 10 से 11.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एंटोमोलॉजी तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एठीकल्चर बॉटनी की परीक्षा होगी। 16 अक्टूबर को सुबह 10 से 11.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- प्लांट पैथोलॉजी तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- हॉर्टिकल्चर की परीक्षा का आयोजन होगा। 17 अक्टूबर को सुबह 10 से 11.50 बजे तक असिस्टेंट एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एठीकल्चर केमिस्ट्री तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक असिस्टेंट एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एठोनॉमी की परीक्षाएं आयोजित की जाएगी। 18 अक्टूबर को सुबह 10 से 11.50 बजे तक असिस्टेंट एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- एंटोमोलॉजी तथा दोपहर 3 से 4.50 बजे तक असिस्टेंट एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- बॉटनी की परीक्षा होगी। 19 अक्टूबर को सुबह 10 से 11.50 बजे तक असिस्टेंट एठीकल्चर रिसर्च ऑफिसर- प्लांट पैथोलॉजी की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) परीक्षा-2024 – आयोग द्वारा सहायक सांख्यिकी अधिकारी (आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग) परीक्षा-2024 का आयोजन भी 12 अक्टूबर 2025 को किया जा रहा है। यह परीक्षा प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

अलवर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाचार्य सम्मानित

अलवर। केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने जिले के सरकारी विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य और ई-लाइब्रेरी निर्माण में निष्ठा भाव से कार्य करने वाले प्रधानाचार्यों का शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान पत्र, श्रीफल और शॉल भेजकर सम्मान किया।

अलवर सांसद खेल उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील केंद्रीय मंत्री यादव ने सभी प्रधानाचार्य व शिक्षकगण से आठाह किया कि अलवर सांसद खेल उत्सव में भाग लेने हेतु अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया-हिट इंडिया संदेश को आगे बढ़ाते हुए यह खेल प्रारंभ किए गए हैं। सभी शिक्षकगण व आमजन खिलाड़ियों को इसमें भाग लेने के लिये प्रोत्साहित करें और स्वयं भी अपनी भागीदारी निभाएं ताकि इस आधुनिक डिजिटल युग में युवा व बच्चे ग्राउंड से जुड़ सकें। साथ ही इस मंच के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और उन्हें देश के उत्कृष्ट कोचों से कोचिंग भी दिलाई जाएगी।

अलवर में शिक्षक दिवस पर प्रधानाचार्यों का सम्मान किया।

लूट के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

- उंडावेला में ललित व तीन लडकों ने मेरे साथ मारपीट की व बाईक लूट ले गए।

उदयपुर। बाइक चालक से मारपीट कर बाईक लूट के मामले में आरोपी को झाड़ोल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार मीठालाल पुत्र केशुलाल निवासी चतरपुरा पुला खराड़ा झाड़ोल ने पुलिस थाने में 20 अप्रेल को रिपोर्ट दी कि मैं 18 अप्रेल को बाईक लेकर घर से झाड़ोल जा रहा था। जहां बीच रास्ते में उंडावेला में ललित व तीन लडकों ने मेरे साथ मारपीट की व बाईक लूट ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उपाधीक्षक नैत्रपालसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम के नेतृत्व में एएसआई जगदीश कुमार मय टीम ने कार्यवाही करते हुए अशोक पुत्र बाबूलाल निवासी सरादीत वाघपुरा को डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। इस मामले में पूर्व में दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके है।

वृद्धा की हत्या

उदयपुर। घर में घुस कर वृद्धा की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या करने वाले अज्ञात हमलावरों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार रात में सायरा थाना क्षेत्र रावछ गांव निवासी मैतीबाई (60)पत्नी विसाराम की अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से गला रेत दिया। इसका पता चलने पर परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात में मैतीबाई कमरे में साई थी एवं पति बाहर सोया था।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार चाचा-भतीजे की मौत

- जीजा घायल, ट्रेलर की टक्कर से अनियंत्रित हो गया था ट्रक; अंबाजी जा रहे थे

डूंगरपुर (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में शिशोद के पास एक ट्रक को ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रक ने आगे चल रही बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार चाचा भतीजे की मौत हो गई, जबकि घायल जीजा का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने दोनों के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए है। तीनों गुजरात के शक्तिपीठ अंबाजी धाम दर्शनों के लिए जा रहे थे। बिछीवाड़ा थाना पुलिस के अनुसार रोनिश पुत्र लक्ष्मण खराड़ी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया की बुधवार को वह बाइक लेकर अपने साले मुकेश पुत्र रामजी डोडियार निवासी घुघरा के घर गया था। वहां से उसका साला मुकेश ओर बड़े साले काउवा का बेटा मनोज तीनों ही बाइक लेकर गुजरात के अंबाजी धाम जाने के लिए रवाना हुआ। शिशोद पुलिया के पास वे सड़क के किनारे बाइक लेकर जा रहे थे। इसी समय एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने आगे चल रहे ट्रक को टक्कर मार दी। इससे ट्रक अनियंत्रिक होकर साइड में चल रही बाइक को चपेट में ले लिया। इससे साले मुकेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि गंभीर घायल मनोज को डूंगरपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों के शव को अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवाया। जहां एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

संक्षिप्त

कलक्टर की रात्रि चौपाल 8 को

दौसा। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार की ओर से आमजन की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान के लिए 8 सितम्बर को पंचायत समिति बसवा की ग्राम पंचायत जावली का बाढ़ में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट एवं सहायक निदेशक लोक सेवाएं मनमोहन मीणा ने बताया कि 8 सितम्बर को पंचायत समिति बसवा की ग्राम पंचायत जावली का बाढ़ में, 9 सितम्बर को पंचायत समिति रामगढ़ पचवारा की ग्राम पंचायत ढोलावास में तथा 10 सितम्बर को पंचायत समिति सिकराय की ग्राम पंचायत नाहर खोहरा में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जाएगा।

आवेदन की अंतिम तिथि 19 सितंबर

निवाई। उपखंड अधिकारी कार्यालय में दीपावली के त्यौहार को लेकर विस्फोटक आतिशबाजी विक्रय करने के अस्थाई अनुज्ञा पत्र जारी करवाने के लिए 19 सितंबर तक आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। उपखंड अधिकारी रामकरण सिंह ने बताया कि दीपावली त्यौहार को लेकर क्षेत्र में विस्फोटक आतिशबाजी विक्रय करने के अस्थाई अनुज्ञा पत्र 9 से 23 अक्टूबर तक जारी किए जाएंगे। जिसको लेकर विस्फोटक अधिनियम 2008 के अंतर्गत 19 सितंबर तक उपखंड अधिकारी कार्यालय में आवेदक अपना आवेदन पत्र जमा करवा सकते है। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र के साथ प्रस्तावित स्थल के ब्लू प्रिंट की चार प्रत्तिया, व्यावसायिक स्थल की स्थिति एवं आवेदनकर्ता की दो नवीनतम पासपोर्ट फोटो संलग्न करना अनिवार्य है।

कार्यकारणी का किया विस्तार

निवाई। प्रियंका गांधी संगठन ऑल इंडिया राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष रामप्रसाद परिड़वाल ने प्रदेश कमेठी के आ ान पर कार्यकारणी का विस्तार किया है। प्रदेशाध्यक्ष परिड़वाल ने बताया कि कार्यकारणी में प्रदेश महासचिव के पद पर बबलु कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर दिनेशकुमार शर्मा व जिला महासचिव के पद पर दिनेश सोनी को नियुक्त किया है। जिनको नियुक्ति पत्र देकर संगठन में सक्रिय भुमिका निभाने के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए मल्लिकार्जुन खडग़े, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कमलजीत सिंह, सतपाल सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, विधायक सचिन पायलट, टीकाराम जूली व पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा का आभार व्यक्त किया है।

वर्षा से मुख्य मार्गों पर पानी भराव

राजगढ़ । कस्बे में शुक्रवार सायं भाई मूसलाधार वर्षा से प्रमुख मार्गों पर जल भराव से आम जनजीवन प्रभावित रहा। अचानक के काली घटाओं के साथ तेज वर्षा का दौरा 5:00 बजे बाद तक जारी रहा।निचले इलाकों में पानी भराव से आमजन जीवन प्रभावित रहा। रात्रि को आकाश में बादल छाए रहने से वर्षा होने की संभावना है।

ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

टोंक। सर्व ब्राह्मण महासभा शाखा टोंक की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, महासभा के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा रहे, वही समारोह की अध्यक्षता पंडित राजकुमार शर्मा द्वारा की तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रदेश सचिव बद्रीनारायण शर्मा रहे।
इस मौके पर सभी प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, माला दुपट्टा एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न, शिक्षको को किया सम्मानित

दौसा। जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह शुक्रवार को पूनम मैरीज लॉन में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ भाजपा प्रत्याशी जगमोहन मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। जिला स्तर पर सम्मान समारोह में संतोष कुमार शर्मा राउमावि श्यामसिंहपुरा, चंद्र प्रकाश मीणा प्रधानाचार्य राउमावि जयसिंहपुरा सम्मानित का सम्मानित किया गया।

- समारोह में पूर्व में राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मानित शिक्षकों, सेवानिवृत शिक्षकों, सेवानिवृत्ति जिला शिक्षा अधिकारी सहित को साफ़ा, प्रतीक चिन्ह आदि देकर सम्मानित किया
- जिला स्तर पर चयनित शिक्षकों को 11 हजार रुपए का चेक प्रदान किया

जिला स्तर पर सम्मान समारोह में शिक्षक उपस्थित हुए।

समारोह में पूर्व में राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मानित शिक्षकों, सेवानिवृत शिक्षकों, सेवानिवृत्ति जिला शिक्षा अधिकारी सहित को साफ़ा, प्रतीक चिन्ह आदि देकर सम्मानित किया गया। जिला स्तर पर चयनित शिक्षकों को 11 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जगमोहन मीणा ने उपस्थित सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समाज के कमजोर निम्न एवं सभी वर्गों को साथ लेते हुए शिक्षा के लिए प्रेरित किया और शिक्षकों को शैक्षिक उन्नयन के लिए प्रेरित किया।

अध्यक्षता करते हुये लक्ष्मी रेला ने शिक्षकों को समाज की धूरी बताते हुए सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी और शिक्षकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी इंदिरा गुप्ता ने आए हुए अतिथियों का अभिवादन किया और अंत में सहायक परियोजना समन्वयक रंगलाल मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में एपीसी कपूर चंद, कार्यक्रम अधिकारी अनिल पनिहार, मोहनलाल, अजीत बेनीवाल राजेंद्र शर्मा, आशुतोष आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन माधुरी गुप्ता, चंद्रकांता शर्मा एवं नवनीत शर्मा ने किया।

पंचायत समिति मुख्यालय शाहपुरा में प्री कॉउसलिग शिविर आयोजित की

शाहपुरा । शाहपुरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष अजित कुमार हींगर एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश प्रथम, कृष्ण कांत अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश द्वितीय, एसीजेएम प्रतिभा मोट्यियार, जेएम नताशा चौधरी के मार्ग निर्देशन में तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन के लिए पंचायत समिति मुख्यालय शाहपुरा में शाहपुरा न्यायालय में प्रि-लिटिगेशन के लम्बित विचाराधीन राजीनामा योग्य प्रकरणों के निस्तारण के लिए प्री कॉउसलिंग का शिविर आयोजित किया गया। जिसमें पैनल एडवोकेट सीताराम नोसादर, पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने पंचायत समिति मुख्यालय पर उपस्थित ऋण धारकों के मध्य बैंकों के चैक अनादरण के प्रकरण संख्या 1358/23, मूलचंद बनाम धनश्याम 138 .से संम्बंधित एवं, प्रकरण संख्या 1334/23 बालाजी सिमेन्ट कम्पनी बनाम अमर सिंह यादव के प्रकरणों में राजीनामा समझौता वार्ता के द्धारा समझाईश की गई। पैनल एडवोकेट सीताराम नोसादर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में राजीनामा में किसी भी पक्षकारों न तो हार होती है न ही जीत होती है। दोनों पक्षकारों के व्यवहार में मधुरता बरकरार रहती है। इस अवसर पर जयपुर विद्युत वितरण निगम के प्रतिनिधि राजेन्द्र यादव, धर्मवीर यादव ने विद्युत बिलों के बकाया बिलों के प्रकरणों को उपस्थित विद्युत उपभोक्ताओं के मध्य आपसी राजीनामा समझाईश की गई। जिसे तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी राजीनामा में भुगतान किए जाने की सहमति हुई। पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने शिविर में उपस्थित किसान क्रेडिट कार्ड के ऋणधारक़ो को बताया कि आप प्रति माह निश्चित धनराशि को बैंकों में जमा कराने की प्रवृत्ति होने से ही बैंक के खाते को डिफाल्टर होने से बचाया जा सकता है।

पैरा लीगल वॉलिन्टियर दिनेश कुमार शर्मा ने उपस्थित नागरिकों को बताया कि राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आप बैंकों द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, का लाभ एवं बैंक ऋण धारकों को सब्सिडी का प्रावधान भी है। अतः आप अपने पूर्व के बैंक खातों का भुगतान तृतीय राष्ट्रीय लोक अदालत के द्धारा आपसी राजीनामा समझौता वार्ता से ऋणों का निस्तारण करा कर पुनः ऋण ले सकते है। इस प्रि कॉउसलिंग के अवसर पर अतिरिक्त विकास अधिकारी मुकेश कुमार शर्मा, शाहपुरा पंचायत समिति के प्रचार-प्रसार अधिकारी दीपक बेनीवाल भी उपस्थित रहे।

कॉलोनियों में पहुंचा बाँध का पानी, प्रशासन अलर्ट

भरतपुर। भरतपुर जिले के सबसे बड़े अजान बांध से लगातार पानी आने की वजह से भरतपुर शहर के कुछ हिस्सों में बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है जिसको लेकर शहर के लोग चिंतित होने लगे है। अजान बाँध से पानी शहर की तरफ आ रहा है और कई कॉलोनियों में बांध के पानी की आवक जारी है। शहर की तिलक नगर जसवंत नगर गिरीश बिहार इंदिरा नगर सहित कई कॉलोनियों में बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है। बीडीए आयुक्त कनिष्क कटारिया ने इंजीनियरों एवं अधिकारियों की टीम के साथ मौका मुआयना किया हैं।

बाढ़ की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व मंत्री एवं भरतपुर से विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने सोशल मीडिया के जरिये शहर में बाढ़ आने के खतरे से आगाह करते हुए चिंता व्यक्त की है और जिला प्रशासन को तुरंत बाढ़ की स्थिति पर काबू पाने के लिए आग्रह किया है। गौरतलब है की करौली के पांचना बाँध से पानी छोड़े जाने के बाद गंभीर नदी के जरिये लगातार अजान बाँध में पानी की आवक हो रही है।

अस्पताल के निर्माण में देरी को लेकर मंत्री व विधायक में तीखी नोक-क्षोंक

मनोहरपूर। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से क्षेत्र के उपजिला एंव ट्रोमा अस्पताल के भवन निर्माण में हो रही देरी को लेकर मुद्दा उठाया। विधायक ने सदन में स्पष्ट किया कि अस्पताल का निर्माण जहां भी करना हो आमजन व स्थानीय विधायक की राय ली जाये तथा आमजन की सुविधा के अनुकूल किया जाये।

- अस्पताल का निर्माण आमजन की राय से ऐसे स्थान पर हो जिससे आमजन को सुविधा मिले

विधायक ने कहां कि क्या यह सही है कि विधान सभा क्षेत्र शाहपुरा (जयपुर) के उप जिला एवं ट्रोमा अस्पताल शाहपुरा की आवंटित भूमि पर निर्माण के लिए निविदा जारी हो चुकी थी? यदि हां, तो उक्त निविदा को निरस्त क्यों किया गया? क्या सरकार अब पुनः निविदा जारी करने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक व नहीं, तो क्यों? जिसकें चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह ने जवाब दिया कि विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा (जयपुर) के उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल शाहपुरा की आवंटित भूमि पर निर्माण के लिए ई-निविदा संख्या 07/2025-26 दिनांक 28.05.2025 को जारी हो चूकी थी। लेकिन आवंटित भूमि का क्षेत्रफल कम होने व दूरी अधिक होने के कारण उक्त भूमि पर भवन निर्माण आमजन हेतु अधिक उपयोगी नही होने के कारण अन्य जगह पर्याप्त एवं उपयुक्त भूमि पर निर्माण करवाए जाने की मांग के कारण निविदा निरस्त की गई।

उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल शाहपुरा हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त भूमि आवंटन पश्चात पुनः निविदा जारी कर भवन निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। नवीन भूमि के आवंटन की कार्यवाही प्रकियाधीन है।

जिस पर विधायक ने सवाल किया कि क्या यह सही है कि ट्रोमा अस्पताल के निर्माण कार्य को प्रारम्भ होने में विलम्ब हुआ है? यदि हां, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

जिसका मंत्री ने जवाब दिया कि, जी हां, ट्रोमा अस्पताल शाहपुरा हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त भूमि आंवटन नही होने के कारण भवन निर्माण कार्य में विलम्ब हुआ है। उपयुक्त भूमि आंवटन पश्चात पुनः निविदा जारी कर भवन निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

जिस पर विधायक यादव व चिकित्सा मंत्री में तीखी नोक-क्षोक हो गई है। विधायक ने सरकार पर आरोप लगाया कि जब उपजिला एवं ट्रोमा अस्पताल शाहपुरा जो कि एक ही यूनिट है जिसके लिए 307 लाख की स्वीकृति होने के लगभग 2 साल बाद तक सरकार इसका निर्माण नही करवा रही है तथा बार-बार इसका स्थान बदल रही है। जिसकें पिछें क्या कारण है तथा सदन में इससें पूर्व मंत्री ने प्रश्न संख्या 2117 में दिनांक 5 जुलाई 2024 को अवगत कराया है कि उपखण्ड अधिकारी शाहपुरा से अनुशंषा पत्र मिला है, जिसमें यह स्पष्ट रूप में उल्लेखित है कि नगरपालिका शाहपुरा में नेशनल हाईवे के समीप सीधी अप्रोच पर कोई बडी या उपयुक्त या सार्वजनिक भूमि उपलब्ध नही है।

कलक्टर ने आमजन के सुने परिवाद

कोटपूतली। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने गुरुवार को कोटपुतली के ग्राम देवता के पंचायत कार्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान कहा कि संपर्क पोर्टल एवं जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कर परिवादी को राहत पहुंचाएं एवं मानसून के मौसम में जलभराव, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, परिवहन एवं अन्य समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभाग अपनी मशीनरी को सक्रिय रखें, सूचना मिलने पर आमजन को तुरंत राहत पहुंचाएं। रास्तों के विवाद संबंधी व अतिक्रमण के परिवाद प्राप्त होने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को समस्त ग्रामों के रास्तों संबंधी परीवादों को चिन्हित कर रिपोर्ट अपडेट करने और आवश्यक कार्यवाही करने को कहा. उन्होंने स्थानीय सरपंचों व जनप्रतिनिधियों से एनएफएस के तहत संचालित गिव अप अभियान में अपात्रों को स्वेच्छा से एनएफएसए का लाभ छोड़ने के लिए प्रेरित करने को कहा। आमजन की परिवेदनाओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान के लिए रात्रि चौपाल व जनसुनवाई के माध्यम से आमजन के बीच जाकर उनके परीवादों का समाधान किया।

पूर्व छात्र धरोहर कार्यक्रम कल

निवाई। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विद्या भारती के तत्वावधान में पूर्व छात्र परिषद के सहयोग से 7 सितंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय पूर्व छात्र सम्मेलन धरोहर की अब तक हुई तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला सचिव दिनेश शर्मा ने की। प्रधानाचार्य गोविंद नारायण शर्मा ने बैठक में बताया कि पंजीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

खोया पाया
मेरा Flat No. 26/F/908, प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 9414904565

नाम परिवर्तन
मेरा पूर्व में नाम दिशिता मनीष पारीक था अब मैंने दिशिता एम पारीक (DISHITA M PAREEK) पुत्री श्री मनीष पुरोहित रख लिया है आगे से मुझे दिशिता एम पारीक के नाम से जाना जावे पता :- D-5 मीरा मार्ग बानीपार्क जयपुर

I Jasleen Vasnani W/o Pankaj Vasnani residing at 54, Krishana Nagar, Sirsi Road, Opp. Ashiana Residency, Jaipur, Rajasthan-302021. Do hereby solemnly affirm that I have changed my name from Urvashi T Purswany to Jasleen Vasnani. In future I will be known by my changed name.

'दौसा में 9 वर्षों से निरंतर मरीजों की सेवा कर रहे है डॉ. मनीष पहाड़िया'

दौसा । नवी वर्षगॉठ के महत्वपूर्ण अवसर पर विशाल निःशुल्क दंत स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन बाबूलाल जी पहाड़िया डेंटल हॉस्पिटल परिसर में किया गया। विशाल निशुल्क शिविर की जानकारी देते हुए अस्पताल के निदेशक डॉक्टर मनीष पहाड़िया ने बताया कि प्रारंभिक 9 सबसे जरूरतमंद मरीजों का निशुल्क उपचार किया गया है। (निशुल्क इलाज में दांतों की नस का इलाज और दांत निकलना रहा) और अन्य तरह के इलाज जैसे दांत के रंग का मसाला, दातों की सफाई, बिना दर्द अकल दाढ़ का ऑपरेशन, टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज, फिक्स दांत, बत्तीसी, फिक्स बत्तीसी, इंप्लांट इन प्लांट सपोर्टेड फिक्स बत्तीसी पर 50 प्रतिशत का विशेष लाभ प्रदान किया गया।

निःशुल्क दंत स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया।

सभी मरीजों ने अपना निशुल्क बीपी, शुगर और हीमोग्लोबिन जांच कराया। अन्य सभी तरह की खून की जांच पर 50 तक की छूट दी गई।

चिकित्सा शिविर में डॉक्टर मनीष पहाड़िया, डॉक्टर रूपल सेन, डॉ नीतू गुर्जर, डॉक्टर श्रद्धा गुप्ता, डॉ हर्षित व्यास, डॉ सोनम ने परामर्श एवं उपचार दिया चिकित्सा शिविर में हंसराज गुर्जर, मदन बेरवा, मनोज शर्मा, अभिषेक पांचाल, महेश सैनी, सीमा राजोरिया, मंजू सांवरिया, दीपक शर्मा ने सहयोग किया। पूर्व आरपीएससी सदस्य पंडित विनोद शर्मा ने कहा कि कहा कि बाबूलाल जी पहाड़िया डेंटल हॉस्पिटल में डॉक्टर मनीष पहाड़िया लगातार नौ वर्षों से मरीजों की सेवा कर रहे हैं जो मरीज असहाय होता है उसे न्यूनतम दर पर या निशुल्क भी उपचार करते हैं लेकिन उन्होंने दोसा की जनता की सेवा ही अपना मार्ग चुना।

जिला प्रभारी सचिव ने ली समीक्षा बैठक

कोटपूतली। आयुक्त विभागीय जांच, राजस्थान एवं जिला प्रभारी सचिव अनिल कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आपदा प्रबंधन एवं राहत-बचाव कार्यों की तैयारी को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अतिवृष्टि के मद्देनजर प्रशासन को हर स्तर पर सतर्क और तत्पर रहना आवश्यक है ताकि किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जा सकें। इस दौरान जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी भी बैठक में मौजूद रहीं। प्रभारी सचिव ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों के लिए अस्थायी आश्रय-स्थल उपलब्ध कराने की पूर्व तैयारी रखी जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयाँ और कपड़े प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित रूप से पहुँचाने की व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन 24 घंटे सक्रिय रहें तथा आमजन को सही और समयबद्ध जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध करवाई जाए, जिससे किसी प्रकार की अफवाह न फैले। आपदा सुरक्षा दलों एवं स्वयंसेवकों की अग्रिम तैनाती सुनिश्चित करने के साथ-साथ चिकित्सा दल, पशु चिकित्सक दल और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों को भी अलर्ट मोड पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों एवं प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन, भोजन की गुणवत्ता और बीमारियों की रोकथाम संबंधी जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन से प्राप्त शिकायतों का समन्वय और संवेदनशीलता से निस्तारण करें। साथ ही कृषि विभाग को वर्षा के मद्देनजर फसल खराबे से प्रभावित किसानों को विभिन्न योजनाओं से पात्रतानुसार संबल एवं सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभारी सचिव ने गिरदावरी, फसल नुकसान के सर्वे, बीमा दावों और मुआवजा प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ईद मिलाद उन नबी का जश्न मनाया

पावटा। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा क्षेत्र में पैगंबर-ए-हजरत मुहम्मद साहब का जन्मोत्सव जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़े धूमधाम से मनाया गया। ईद मिलाद उन नबी के रूप में मनाया जाने वाला यह पर्व मोहम्मद साहब की एकता, शांति और अमन का पैगाम देता है। इस मौके पर हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी एक दूसरे से गले मिलकर बधाई दी। शुक्रवार को कस्बे के मुख्य बाजार शाही जामा मस्जिद से ईद मिलादुन्नबी नबी के मुबारक मौके पर हजरत मोहम्मद साहब की विलादत पैदाइश पर मोहम्मद हजरत साहब के जन्मदिन पर शाही जामा मस्जिद से सुभाष चौक व कुरेशियान मौहल्ले होते हुए लुहारों का मौहल्ले से इंडोर स्टेडियम स्थित बाबा कबिरूद्दीन शाह की दरगाह तक जुलूस निकाला गया।

जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी बड़े धूमधाम से मनाया।

जुलूस में महिलाओं समेत छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थे। इस दौरान बारिश भी होती रही लेकिन जुलूस में शामिल अकीदतमंद सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा के नारे लगाते हुए जुलूस के साथ चलते रहे।

रास्ते में जुलूस का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। हिंदू समाज के लोगों ने भी जुलूस में पुष्प वर्षा से स्वागत किया। इस दौरान पावटा नायब तहसीलदार संजय खेदड़, प्रागपुरा गिरदावर और कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए एसएचओ किरण सिंह यादव मय भारी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इमरान लुहार ने भी अपने संबोधन में कहा कि यह पर्व हमें एकता, शांति और अमन का संदेश देता है।

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 74/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री राघवेन्द्र एच.एस.उर्फ राधा प्रियादास सचिव/प्रन्यासी ने पंजीकृत श्री कृष्ण बलराम सेवा ट्रस्ट, गौ पूनर्वास केंद्र, ग्राम हिंगोनिया पोस्ट कानोता, बस्सी जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 18 जयपुर 2017 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के प्रन्यासी श्री सुरेश गणेश उर्फ सुव्यक्त नरसिम्हा दास द्वारा प्रन्यास पद से त्याग देने के कारण उनका नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान पर कृष्ण पांडे को नवीन प्रन्यासी नियुक्त कर उनका नाम कार्यालय रिकार्ड में दर्ज रिकार्ड कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.8.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइन्दा तारीख पेशी 1.10.25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/565
चूंकि प्रार्थी श्री RAJENDRA KUMAR SHARMA, VILLAGE MALVA TEH. CHAKSU JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास रिद्धि सिद्धि चेरिटेबल ट्रस्ट, 112/SP 6 NEAR GOVT DISPENCERY SECTOR 11 KUMBHA MARG PRATAP NAGAR SANGANER JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के पूयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 10/11/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/562
चूंकि प्रार्थी श्री निर्मला देवी, पी. जी. कोलेज के पास आगरा रोड दौसा 303303 ने राजस्थान सार्वजनिक पून्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास देवगिरी साहित्य एवं शोध संस्थान दौसा, पी. जी कोलेज के पास आगरा रोड दौसा 303303 के सम्बन्ध में अग्रिम जाच किये जाने के लिए आवेदन-पतू दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनाक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 07/11/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/566
चूंकि प्रार्थी श्री ABUDAL RUAF, 113/54 SECTOR 11 PRATAP NAGAR SANGANER JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मन्नत ट्रस्ट, 113/54 SECTOR 11 PRATAP NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत् दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के पूयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11/11/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/605
चूंकि प्रार्थी श्री राजा राम भादू, 86, मानसागर कॉलोनी, श्योपुर रोड प्रताप नगर जयपुर 302033 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास समान्तर संस्थान, 86, मानसागर कॉलोनी, श्योपुर रोड, प्रताप नगर जयपुर 302033 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 03-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 07/11/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

दी राजस्थान अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.
जी-20, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर
टेलीफोन न. 0141-2360373,2372384
-: वार्षिक आम सभा की सूचना:-
बैंक के समस्त योग्यता धारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि बैंक की 36वीं वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 21.09.2025 रविवार को प्रातः 11:00 बजे होटल गोल्डन टुलिप, जी.पी.ओ. के सामने, वन प्लस मोबाईल शोरूम के पास, एम.आई.रोड़., जयपुर पर आहूत की गई है। इसमें भाग लेने हेतु समस्त योग्यता धारक सदस्य सादर आमंत्रित हैं। उक्त बैठक हेतु निर्धारित कोरम पूर्ण नहीं होने की अवस्था में स्थगित आम सभा की बैठक दिनांक 21.09.2025 को ही दोपहर 12:00 बजे उसी स्थान पर आयोजित की जायेगी।
प्रबन्ध निदेशक

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:6818 जाहिर आम-सूचना दिनांक:04.09.2025
राजस्थान आवासन मण्डल के माही अपार्टमेन्ट सेक्टर-23 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में आवेदक श्री मुरलीधर माखीजा पुत्र स्व. श्री गुनामल द्वारा आवेदन क्रमांक RHB/068411 मध्यम आय वर्ग ब में आवास / फ्लैट आवंटन हेतु निवेदन किया गया था। मण्डल नियमानुसार वरियता लॉटरी दिनांक 29.05.2023 के द्वारा वरियता क्रमांक P-2/SFS/G-9/MAHI / SEC-23/2023 निर्धारित किया जाकर आरक्षण पत्र क्रमांक 13772 दिनांक 20.12.2023 जारी किया गया था। तत्पश्चात मण्डल नियमानुसार फ्लैट आवंटन लॉटरी दिनांक 10.01.2024 के द्वारा फ्लैट संख्या 23 / B / 104 (1 - F) आवंटित किया गया। श्री मुरलीधर माखीजा की मृत्यु दिनांक 09.01.2024 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्री भुवनेश वशिष्ठ पुत्र श्री ऋषि कुमार शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं । अतः उक्त पंजीकरण / आवंटन का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्री भुवनेश वशिष्ठ पुत्र श्री ऋषि कुमार शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 6567 जाहिर आम-सूचना दिनांक: 26.08.2025
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 113/163 (EWS), (एरिया 30.937 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री कन्हैयालाल पुत्र श्री विशन दास को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 836 दिनांक 29.06.1998 को जारी किया गया। श्री भंवर लाल शर्मा पुत्र श्री रामकिशन शर्मा के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1082 दिनांक 11.07.2002 के द्वारा किया गया। श्री भंवर लाल शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 18.09.2006 को उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री भंवर लाल शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 23.02.2007 के द्वारा श्री अनिल हल्दिया पुत्र श्री बी.एन. हल्दिया को विक्रय कर सब रजिस्ट्रार जयपुर-अष्टम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री अनिल हल्दिया द्वारा उक्त आवास को दिनांक 21.05.2008 के द्वारा श्रीमती प्रेमलता गुप्ता पत्नी श्री एन.बी. गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती प्रेमलता गुप्ता द्वारा उक्त आवास को दिनांक 30.06.2025 के द्वारा 1. श्री गिरिराज जांगिड पुत्र श्री राम सहाय जांगिड एवं 2. श्री शुभम जांगिड पुत्र श्री रामअवतार जांगिड को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-सप्तम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती 1. श्री गिरिराज जांगिड पुत्र श्री राम सहाय जांगिड एवं 2. श्री शुभम जांगिड पुत्र श्री रामअवतार जांगिड द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत [illegible]
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत ओलवाडा, पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-64 ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26 दिनांक-21.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी नरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समस्त ग्रामीण विकास योजनाओं में कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने हेतु उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 एवं जी.एस.टी.अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत विक्रेताओं/निविदादाताओं से वार्षिक दर दिनांक 31.03.2026 के लिए निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय आमंत्रित की जाती है निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धित दस्तावेज इन साईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No. ZSM2526A0529, UBN No. ZSM2526GLRC00595
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत ओलवाडा, पं.स. सवाई माधोपुर
प्रशासक, ग्राम पंचायत ओलवाडा, पं.स. सवाई माधोपुर

दी ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
आईआरडीए पंजीकृत सं. 556, सीआइएनः U66010DLI947GO1007158
क्षेत्रीय कार्यालय, नवाँ एवं दसवाँ तल, बीमा भवन, एनबीसीसी सेंटर, सहकार मार्ग, जयपुर-302015
सूचना
सभी पॉलिसी धारको/ हितधारको और आम जनता को सूचित किया जाता है कि क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के अंतर्गत आने वाले निम्न कार्यालय/कार्यालयों का पुनर्गठन किया जा रहा है और आईआरडीए विनिमय (व्यवसाय विनिमय का स्थान, 2015) के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 2 महीने बाद कार्यात्मक नहीं होगा । पॉलिसी/ दावा या किसी अन्य सेवा के संबंध में सेवाएँ तालिका में उल्लेखित कार्यालय द्वारा प्रदान की जाएंगी:-

कार्यालय का नाम, जो कि गैर कार्यात्मक होना है	कार्यालय जिसके द्वारा सेवा प्रदान की जाएंगी	संपर्क नंबर एवं ई मेल आईडी एवं कार्यालय का पता
बिजनेस ऑफिस : एमआईरोड कार्यालय कोड : 243308 303-304 मुखीजा चैंबर्स, तीसरी मंजिल, एम.आई. रोड, जयपुर - 302001	बिजनेस ऑफिस ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर कार्यालय कोड : 243403	फोन नं. 0141-2643068 मोबाईल नं. 9829169069 Rajdeep.vidyarthi@orientalinsurance.co.in 5-ए, आकाशदीप, ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर - 302004
बिजनेस ऑफिस गोपाल बाड़ी, (डीएबी) कार्यालय कोड : 243307 310, तीसरी मंजिल, कॉर्पोरेट पार्क, जयपुर - 302003	बिजनेस ऑफिस वैशाली नगर, जयपुर कार्यालय कोड : 243300	फोन नं. 0141-2356628 मोबाईल नं. 9549001010 narayan.meena@orientalinsurance.co.in डी-244, दूसरी मंजिल, आम्रपाली रोड, हनुमान नगर, वैशाली नगर, जयपुर - 302021

दिनांक : 05.09.2025, जयपुर
संजय जैन, उप महाप्रबंधक प्रभारी

कार्यालय ग्राम पंचायत जीनापुर, पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/29 ई-निविदा सूचना संख्या-05/2025-26 दिनांक-27.08.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महात्मा गांधी नरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समस्त ग्रामीण विकास योजनाओं में कार्यों के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने हेतु उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 एवं जी.एस.टी.अधिनियम 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत विक्रेताओं/निविदादाताओं से वार्षिक दर दिनांक 31.03.2026 के लिए निविदा दरें ई-प्रोक्योरमेन्ट पद्धति से द्विस्तरीय आमंत्रित की जाती है निविदा से संबंधित नियम, शर्तें एवं सम्बन्धित दस्तावेज इन साईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No. ZSM2526A0531, UBN No. ZSM2526GLRC00598
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत जीनापुर, पं.स. सवाई माधोपुर
प्रशासक, ग्राम पंचायत जीनापुर, पं.स. सवाई माधोपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता से अतिवृष्टि प्रभावितों तक पहुंच रही मदद

प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकारअतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में तत्परता के साथ हरसंभव राहत प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथनागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। आम जनता की सुरक्षा के लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं और नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1070 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1077 लगातार सक्रिय हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, बहते हुए पानी और जलाशयों के निकट न जाएं और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करें। प्रशासन की टीमें सजग और तत्पर हैं।

अब तक 1155 व्यक्तियों का सकुशल रेस्क्यू किया

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें दिन-रात सक्रिय रहकर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। मानसून के दौरानएनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने अब तक 1155 व्यक्तियों को सकुशल रेस्क्यू किया है। वर्तमान में पूरे राज्य में एसडीआरएफ की 62 टीमें, एनडीआरएफ की 7 टीमें और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वायुसेना के हेलिकॉप्टर से जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया भी जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ जल और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

- राज्य में एसडीआरएफ की 62, एनडीआरएफ की 7 और सिविल डिफेंस की विभिन्न टीमें सक्रिय

फसल खराबे का आंकलन और गिरदावरी रिपोर्ट

प्रदेश में खरीफ 2025 में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के आकलन के लिए 1 अगस्त, 2025 से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ किया गया। गिरदावरी के कार्य उपरांतजिन जिलों में 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराब हुई है, वहां प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार के एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान-अनुदान सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यालयों और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता

जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्षाजनित परिस्थितियों के चलते घोषित अवकाश के दौरान भवनों का निरीक्षण, जल निकासी और आवश्यक मरम्मत का कार्य तुरंत पूरा करवाया जा रहा है, ताकि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मत हेतु एसडीआरएफ नॉर्म्स के अंतर्गत विभिन्न जिलों से मरम्मत कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। इन कार्यों में सड़क, पुल, विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य संस्थानों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के कार्य शामिल हैं। प्रदेश के 12 जिलों में अब तक 180.67 करोड़ रुपए के 8,867 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 4,183 विद्यालय भवनों के लिए 83.66 करोड़ रुपए, 930 आंगनबाड़ी भवनों के लिए 21.89 करोड़ रुपए, 165 पंचायत भवनों के लिए 3.57 करोड़ रुपए, 106 चिकित्सालय भवनों के लिए 2.08 करोड़ रुपए, 170 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 3.94 करोड़ रुपए, 3,128 सड़कों के लिए 64.34 करोड़ रुपए और 184 पुलियों के लिए 1.14 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी जिलों को बचाव उपकरणोंके लिए 19.45 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। सभी संभागीय मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। साथ ही, अतिवृष्टि के दौरान जिलों की मांग के अनुसार अतिरिक्त आवंटन किए जा रहे हैं।

इस बार सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज

राज्य में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में अब तक वास्तविक वर्षा 608.65 मिमी रही, जो सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में प्रदेश के 22 जिलों में वर्षा असामान्य श्रेणी में दर्ज की गई, जिनमें अजमेर, बूंदी, कोटा, टोंक, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर और करौली जैसे जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बांसवाड़ा आ सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास भी संभव!

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 17 सितंबर को है और इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हर वर्ष की तरह इस बार भी "सेवा पखवाड़ा" के रूप में जनसेवा कार्यों का आयोजन करेगी। इस बार खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भी सेवा पखवाड़ा में शामिल हो सकते हैं। प्रदेश भाजपा ने इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से समय मांगा है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी 20 सितंबर को राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में आ सकते हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि पार्टी ने प्रधानमंत्री कार्यालय से 20 सितंबर का समय मांगा है। हालांकि, अभी तक पीएमओ से कोई अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है। राठौड़ ने कहा, अगर प्रधानमंत्री बांसवाड़ा आते हैं तो इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा और क्षेत्र को भी बड़ी सौगात मिलेगी।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी बांसवाड़ा के मापला (या नापला) गांव के पास स्थित माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास कर सकते हैं। यह परियोजना अणुशक्ति विद्युत निगम (अश्विनी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम का संयुक्त उपक्रम है। इस परियोजना के तहत कुल 2800 मेगावाट की क्षमता के चार परमाणु रिएक्टर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से साइट की स्वीकृति मिल चुकी है और वर्तमान में परियोजना-पूर्व गतिविधियां जारी हैं।

- बताया जा रहा है कि भाजपा ने प्रधानमंत्री कार्यालय से 20 सितंबर का समय मांगा है। हालांकि, अभी तक पी.एम.ओ. से कोई अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है।

सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश भर में स्वच्छता अभियान, प्रेरणादायक महापुरुषों की स्मारकों की सफाई, रक्तदान शिविर, नशा मुक्ति अभियान, मेडिकल कैंप और दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण जैसे विविध सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राठौड़ ने कहा कि यह सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के जीवन के सेवा मूल्यों को समर्पित होगा और इसे पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

'सनातन परंपरा और संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ा रहे संस्कृत शिक्षक'

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि बगरू विधायक डॉ. कैलाश चंद्र वर्मा ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों के चरित्र, चिंतन और जीवन मूल्यों की नींव रखते हैं। उनमें भी संस्कृत भाषा के शिक्षक सनातन परंपरा और संस्कृति को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने में जिस प्रकार योगदान दे रहे हैं, वह किसी भी राष्ट्रिनर्माता से कम नहीं है। उन्होंने शिक्षकों को समाज का वास्तविक निर्माता बताया।

इस अवसर पर प्रदेश के आठ उत्कृष्ट शिक्षकों को संस्कृत भाषा के संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें प्रो. महावीर प्रसाद सारस्वत (बीकानेर), प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी (लाडनूं), प्रो. योगेंद्र दाधीच (जयपुर), डॉ. रामानंद कुलदीप (अजमेर), डॉ. दिवाकर मिश्र (संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर), डॉ. सुभाष चंद्र (केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर), डॉ. प्रकाश चंद मीना (कोटखावदा) और डॉ. पूनम गुप्ता (थानागाजी) शामिल रहे।

भारतीय संस्कृति गौ-संस्कृति : बागड़े

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर कार्य किए जाएं : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारतीय संस्कृति गो संस्कृति है। संस्कृति में गौ शब्द लग जाता है तो इसका अर्थ है-श्रद्धा के साथ अर्थव्यवस्था का जुड़ना। ऐसी अर्थव्यवस्था से ही सतत् और संतुलित विकास होता है। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर उसके उत्पादों से जन-जन को जोड़े जाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि गौ-धन संरक्षण के लिए गौशालाओं की स्थापना संग नंदी शालाएं भी स्थापित की जाए।

राज्यपाल शुक्रवार को विद्याधर नगर में देवरहा बाबा गो सेवा परिवार द्वारा वैश्विक संगोष्ठी, प्रदर्शनी के आलोक में आयोजित "गो-महाकुम्भ 2025" में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा में गाय की महता से जुड़े संदर्भ देते हुए कहा कि गौ-सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हमारे वैदिक ग्रंथ, शास्त्र सभी गो को पूज्य कहते हैं। परन्तु जिसे पूजा जाता है वह हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार है। यह गाय ही है जो हमें दूध के रूप में पोषण देती है। गाय का घी, पनीर, मावा आदि बहुत से उत्पादों से ही भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ है।

- 'गौशालाओं के साथ साथ नंदी शालाएं भी स्थापित की जाएं'

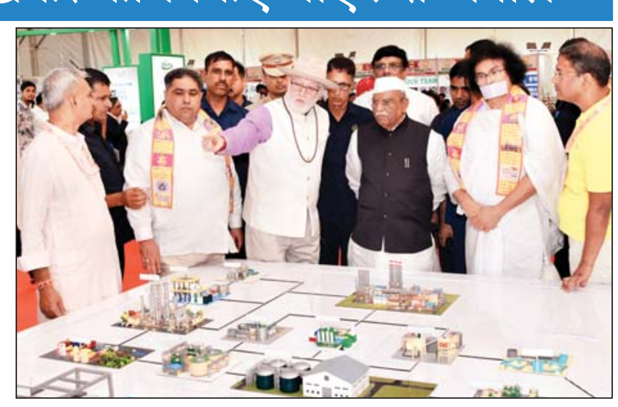

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को विद्याधर नगर में आयोजित "गो-महाकुम्भ 2025" में शिरकत की।

राज्यपाल ने देवरहा बाबा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह महान योगी, सिद्ध तो थे ही, गोसेवा को सर्वोपरि-धर्म मानते थे। वह कहते थे, 'जीवन को पवित्र बनाए बिना, ईमानदारी, सात्विकता-सरसता के बिना भगवान की कृपा प्राप्त नहीं होती। गौ सेवा इसका सबसे बड़ा माध्यम है।

राज्यपाल ने कहा कि महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म कहते हैं कि गाय हमारी माता है और बैल हमारे पिता हैं। वेदों में सूर्य की एक किरण का नाम कपिला है। उन्होंने गोपाष्टमी पर्व मनाने, श्री कृष्ण का धेनु से नाता बताते हुए कहा कि गो ने भगवान का अभिषेक किया, उसी दिन से भगवान का एक नाम 'गोविंद' पड़ा। गाय विश्वरूपा है।

वह अखिल ब्रह्माण्ड का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए गाय संरक्षण के लिए सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। बागडे ने "गो-महाकुम्भ 2025" में गाय के उत्पादों की लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए गो उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया।

नकबजन गिरोह का भंडाफोड, चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजन गिरोह के चार बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और एक चाकू भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित चोरी की चार पानी की मोटर भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- आरोपियों के कब्जे से देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक चाकू जब्त

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजन गिरोह के शातिर बदमाश विशाल मालावत,सोहन सिंह चौहान, श्याम टेलर और अजय सैनी को गिरफ्तार किया है और सभी आरोपी करधनी इलाके के रहने वाले है। जिनके पास से एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और एक चाकू भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित चोरी की चार पानी की मोटर भी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को अधिकारियों की बैठक लेकर उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की।

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम को देखते हुए अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि जिन सड़कों की डीएलपी (डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) अवधि चल रही है, उनकी मरम्मत शीघ्रता से करवाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई संवेदक (ठेकेदार) कार्य में लापरवाही बरतता है या धीमी गति से काम कर रहा है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी नियमित फील्ड विजिट करें और हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिससे काम की गुणवत्ता और गति पर नजर रखी जा सके। उन्होंने 2024-25 के बजट में घोषित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने और आगामी बजट 2025-26 में प्रस्तावित कार्यों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर काम शुरू करने के निर्देश भी दिए। दिया कुमारी ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता जनसुविधाओं को सुचारू बनाए रखने की है, ऐसे में सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्राद्ध पक्ष रविवार से, पितरों के लिए किए जाएंगे तर्पण

जयपुर। दिवंगत पितृों को श्रद्धा देने का पंद्रह दिवसीय श्राद्ध पक्ष रविवार से शुरू होगा। पहले दिन पूर्णिमा का श्राद्ध निकाला जाएगा। चंद्र ग्रहण का सूतक के कारण दोपहर बारह बजे से पूर्व ही पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध निकाला जाएगा।

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में श्राद्ध पक्ष के तीनों रविवारों को पितृ तृप्ति महायज्ञ होगा। श्रद्धालु अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में हवन में आहुतियां प्रदान कर सकेंगे। सभी व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं को निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। भाद्रपद पूर्णिमा से शुरू हो रहे श्राद्ध पक्ष और चन्द्रग्रहण के उपलक्ष्य में गोविन्द देवजी मंदिर में सात सितंबर को सुबह आठ से दस बजे तक श्री मन्माध्व गौड़ेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में नि:शुल्क पितृ तृप्ति गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिन श्रद्धालुओं का श्राद्ध पूर्णिमा को है उनके पितृगणों के लिए विशेष आहुतियां दिलवाई जाएंगी। सभी सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि जिनका जन्मदिन या विवाह दिवस 7 सितम्बर को है, उनके लिए विशेष संस्कार हवन के साथ संपन्न कराया जाएगा। सभी श्रद्धालुओं को युग निर्माण सत्संकल्प पत्रक एवं गायत्री चालीसा भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी।

जैनबंधु शनिवार को मनाएंगे अनन्त चतुर्दशी

जयपुर । दिगम्बर जैन धर्मावलंबी शनिवार को सबसे बड़ा पर्व अनन्त चतुर्दशी भक्ति भाव से मनाएंगे। इस मौके पर मंदिरों में दशलक्षण समापन कलश होंगे। साथ ही दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में उत्तम ब्रह्मचर्य लक्षण आयोजित किया जाएगा। अभादि जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने इस बारे में जानकारी दी।

खिलाड़ियों में से बनेंगे 167 कांस्टेबल

जयपुर । खेल जगत से जुड़े युवाओं के लिए राजस्थान पुलिस में सेवा का शानदार मौका आया है। पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर ने उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटा के तहत कांस्टेबल के 167 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

यह भर्ती उन प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुलिस बल का हिस्सा बनने का अवसर देगी। जिन्होंने विभिन्न खेलों में अपनी छाप छोड़ी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 12 सितंबर से 01 अक्टूबर 2025 तक अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। आवेदन पत्र राजकॉम इन्फो सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संचालित सभी ई-मित्र कियोस्क और जन सुविधा केंद्रो पर उपलब्ध होंगे।

डोटासरा कभी उभरते नेता थे, अब भाषा-व्यवहार से लोकतंत्र को कमजोर कर रहे : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की हालिया बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डोटासरा कभी एक उभरते हुए और प्रतिभाशाली नेता माने जाते थे, लेकिन विपक्ष में रहते हुए उनकी भूमिका लगातार कमजोर होती गई है। उन्होंने कहा कि "एक अच्छा व्यक्ति बिगड़ गया है।"

राठौड़ ने आरोप लगाया कि डोटासरा ने हाल के समय में सदन और सार्वजनिक मंचों पर जिस तरह की भाषा और व्यवहार अपनाया है, वह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि "मैं स्वयं विधानसभा में डोटासरा के साथ रहा हूं। पहले हम उन्हें एक परिपक्व और जिम्मेदार नेता मानते थे, लेकिन अब वे हल्के शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं और आसन के प्रति भी मर्यादाहीन व्यवहार कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि डोटासरा को बार-बार सदन में व्यवधान डालने की आदत है और उन्हें पूर्व में कैलाश मेघवाल के समय भी विधानसभा से निष्कासित किया जा चुका है। राठौड़ के अनुसार, सदन में अनुपस्थित रहकर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि डोटासरा अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र पारीक के खिलाफ जिस प्रकार की सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे हैं, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पारीक जैसे वरिष्ठ और संसदीय परंपराओं को समझने वाले नेता का सार्वजनिक अपमान अनुचित है और इससे कांग्रेस पार्टी के भीतर मतभेद और टूट की स्थिति बन रही है। राठौड़ ने इस मामले की तुलना पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के विवाद से करते हुए कहा कि जैसे गहलोत ने पायलट को 'नाकारा' और 'निक्कमा' कहा था, और उसके बाद वे दोनों मन से एक नहीं हो सके, वैसे ही डोटासरा के बयान भी पारीक के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले हैं।

अकीदत, शान और उत्साह के साथ मनाया ईद मिलादुन्नबी

जयपुर शहर की गलियों, चौबारों को नूरानी झलकियों से सजाया

जयपुर (कासं)। पैगंबर-ए-इस्लाम की यौम-ए-पैदाइश के मौके पर जयपुर शहर में ईद मिलादुन्नबी को अकीदत, शान और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की गलियों, चौबारों और घरों को रंग-बिरंगी रोशनी, झिलमिलाती सजावट और नूरानी झलकियों से सजाया गया, जिससे पूरे शहर में एक अलग ही रौनक देखने को मिली।

श्रद्धालुओं ने मरहबा की सदाओं और नात-ओ-कसीदों की गूंज में जुलूस-ए-मोहम्मदी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में गुंबद-ए-खिजरा वाले हरे झंडे लिए और पैगंबर-ए-इस्लाम की शान में नात पढ़ते हुए लोग जयपुर की गलियों से गुजरे। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल थे, और उनके चेहरे पर उत्साह और श्रद्धा झलक रही थी। जयपुर की प्रमुख मस्जिदों के पास विशेष स्वागत द्वार और सजावट की गई। विभिन्न कमेटियों ने ताजमहल की शबीह, मस्जिद के गुंबद की आकृति, तुर्का महल के तर्ज पर भव्य गेट और पहाड़-झरने जैसे मॉडल तैयार किए। ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह का मॉडल विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। घर-घर में पकवानों की खुशबू और मिठाइयों का आनंद रहा। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दे रहे थे। शहरभर में लंगर और शर्बत के भी विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे सभी को ठंडक और खुशी मिली। रातभर चले जश्न-ए-चिरागा और दिनभर निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी ने जयपुर को भाईचारे, ईमान और मोहब्बत के रंगों से भर दिया। अकीदतमंदों की मुस्कान और रोशनी में झिलमिलाती सजावट ने इस पर्व को यादगार बना दिया। मुस्लिम समाज के जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह पुलिस का जाब्ता तैनात रहा। इस अवसर पर लोगों ने नातिया कलाम पेश किया और जुलूस में भाग लेने वालों को पुरस्कृत किया गया।

बाराबफात पर मुस्लिम समुदाय की ओर से शहर में जुलूस निकाला गया।

एक अनुशासित गेंदबाज के तौर पर मेरा ध्यान फिटनेस और लाइन-लेंथ पर रहता है। आप कितना भी अच्छा प्रदर्शन करें कभी-कभी किस्मत आपका साथ नहीं देती है। आपका प्रदर्शन सबसे अहम है। - भुवनेश्वर कुमार

भारतीय गेंदबाज, अपने प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित मिश्रा

कुछ खिलाड़ी कप्तान के खास, क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अमित मिश्रा ने धोनी-कोहली पर साधा निशाना! अमित मिश्रा ने क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बड़ा खुलासा किया है। मिश्रा ने बिना नाम लिए एमएस धोनी और विराट कोहली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। बता दें कि मिश्रा का क्रिकेट करियर दो अलग-अलग दौर से गुजरा। पहला अनिल कुंबले की जगह लेना और दूसरे अश्विन-जडेजा के प्रतिस्पर्धा से निपटने का था। मिश्रा ने कहा, कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।

क्या आप जानते हैं ?... एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन जड़ दिए थे।

आरसीए एजीएम संपन्न, मीटिंग में सभी मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा : डी.डी. कुमावत

जयपुर, 5 सितम्बर। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी आज दोपहर 1 बजे आयोजित हुई। मीटिंग की अध्यक्षता आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत और एडहॉक कमेटी सदस्य पिंकेश पोरवाल , आशीष तिवाड़ी , मोहित यादव ने भी भाग लिया। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज राजस्थान क्रिकेट संघ की वार्षिक आम सभा आयोजित हुई जिसमे मुख्य रूप से राजस्थान क्रिकेट संघ से सम्बंधित सभी जिला क्रिकेट संघ सचिवों / प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मीटिंग में राज्य के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों व वरिष्ठ खेल प्रशासकों को श्रद्धांजलि देते हुए हुनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया।

डी डी कुमावत ने बताया की आरसीए एजीएम में सभी सदस्यों ने प्रस्तावित सभी मुद्दों को सर्वसम्मति पारित किया। मीटिंग में आरसीए की पूर्व कार्यकारिणी व पूर्व एडहॉक कमेटी द्वारा गठित की गयी कमेटियों, निर्णयों, लोकपाल, ऐथिक्स ऑफिसर की नियुक्ति सहित पूर्व सचिव द्वारा बिना किसी मीटिंग व अधिकार के नए जिला क्रिकेट संघो की मान्यता को पूर्ण रूप से तत्काल प्रभाव से निरस्त करने का सभी सदस्यों ने सर्वसम्मित से पारित किया। साथ ही राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव से पूर्व आरसीए के सभी जिला क्रिकेट संघो के लिम्बित चुनावों की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कर पर भी सहमति बनी।

संयोजक के अनुसार एजीएम में जयपुर के निर्माणाधीन अंतराष्ट्रीय स्टेडियम ,जोधपुर के बरकतुल्लाह खा स्टेडियम सहित राजस्थान क्रिकेट संघ के सभी जिला क्रिकेट केंद्रों पर स्टेडयम के निर्माण पर गहन चर्चा हुई व जिला केंद्रों पर स्टेडियम निर्माण हेतु एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवाड़ी जी की अध्यक्षता में गठित कमेटी को जल्द से जल्द जिलों में स्टेडियम की भूमि व निर्माण की प्रक्रिया को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। सदस्य आशीष तिवाड़ी ने बताया की मीटिंग में सदस्यों द्वारा बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की निकटता को देखते हुए आरसीए की सभी प्रतियोगिताओं को बारिश का दौर ख़त्म होते हे जल्द से जल्द पूर्ण कर राज्य के युवा खिलाडियों को बीसीसीआई की राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं की तैयारियों हेतु उच्च प्रशिक्षण व खेल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जो दिया गया जिसे सवसम्मति से पारित किया गया।

सदस्य पिंकेश पोरवाल के अनुसार मीटिंग में राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा बीसीसीआई की आगामी राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए द्वारा आयोजित की जा रही विभिन्न आयु वर्ग के पुरुष - महिला प्रतियोगिताओं , प्रशिक्षण शिविरों सहित विभिन्न क्रिकेट गतिविधियों के सफल आयोजन सहित आगामी खेल गतिविधियों की रुपरेखा पर सवर्सम्मित से सहमति बनी।

सदस्य मोहित यादव के अनुसार राज्य के प्रतिभावान खिलाडी जो बीसीसीआई की आगामी सीनियर रणजी ट्रॉफी प्रतियोगिता के सभावितों के प्रशिक्षण शिविर के चयन से बहार हो गए हैं, उनकी प्रतिभा को अवसर प्रदान करने के लिए आरसीए विशेष योजना बनाकर उन्हें प्रशिक्षण व उचित अवसर प्रदान करेगा जिससे उनकी प्रतिभा को अवसर प्रदान किया जा सके व वे भविष्य में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर अपना बेहतरीन प्रदर्शन दे सके।

संयोजक डी डी कुमावत ने बताया की एजीएमके दौरान आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवसर दादी के आकस्मिक स्वर्गवास की सुचना मिलने पर सभी सदस्यों ने 2 मिनट का मौन रखकर पवित्र आत्मा की शांति के लिए भगवान् से प्रार्थना की व कहा की इस कठिन समय पर समस्त आरसीए व खेल जगत शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

रॉस टेलर ने ली संन्यास से वापसी

समोआ के लिए खेलेंगे टी-20 विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 5 सितंबर। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि अब वह न्यूजीलैंड से नहीं बल्कि समोआ की तरफ से खेलते हुए दिखाई देंगे। 41-वर्षीय मध्य क्रम के बल्लेबाज टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफ़िक टी20 विश्व कप 2026 के क्वालिफ़ायर टूर्नामेंट में समोआ का प्रतिनिधित्व करेंगे।

टेलर ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा, "अब यह आधिकारिक है। मुझे गर्व है कि मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं। यह ना सिर्फ़ मेरे पसंदीदा खेल में मेरी वापसी है, बल्कि अपनी विरासत, संस्कृति, गांव और परिवार का प्रतिनिधित्व करने का बड़ा सम्मान भी है। मैं इस अवसर के लिए उत्साहित हूं।" टेलर को अपनी मां की विरासत के चलते समोआ का पासपोर्ट मिला हुआ है। वह अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आख़िरी बार खेले थे। इससे उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वह समोआ के लिए खेलने के पात्र हैं। उन्होंने 2006 से 2022 तक न्यूजीलैंड के लिए 112 टेस्ट, 236 वनडे और 102 टी20 खेले हैं, जहां उन्होंने क्रमश: 7683, 8607 और 1909 रन बनाए हैं। वह न्यूजीलैंड के कुछ महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं।

वह न्यूजीलैंड के लिए टी20 में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जबकि उन्होंने इस फ़ॉर्मैट में आख़िरी मैच नवंबर 2020 में खेला था। टेलर ही नहीं समोआ के लिए न्यूजीलैंड से एक और बड़ा नाम भी शामिल हुआ है।

32 वर्षीय सीन सोलिया ने न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेला है। वह भी अब समोआ के लिए खेलते हुए दिखेंगे। टेलर और सोलिया से उम्मीद है कि वे समोआ की बल्लेबाज़ी लाइन-अप को मजबूती देंगे, जिसमें डेरियस विसर जैसे बल्लेबाज भी शामिल हैं। विसर ने अगस्त 2024 में वानुआतु के ख़िलाफ़ एक मैच में एक ओवर में छह छक्के और तीन वाइड सहित कुल 39 रन लगाकर रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई थी।

थंडरबोल्ट पोलो टीम ने 10 में से 6 पेनल्टी लगा 'पूल टॉपर' का खिताब हासिल किया

जयपुर, 5 सितम्बर। थंडरबोल्ट पोलो टीम ने 10 में से 6 पेनल्टी पर शानदार प्रदर्शन किया और "पूल टॉपर" का खिताब हासिल किया। उन्होंने कोग्निवेरा एएससी पोलो टीम (4/9) और नेवी पोलो टीम (1/6) को पछाड़ दिया, जो क्रमश: पूल में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। थंडरबोल्ट टीम में मेजर मृत्युंजय सिंह ने महत्वपूर्ण गोल किए जिससे शूटआउट में उनकी मजबूत स्थिति बनी रही।

सेमीफ़ाइनल मुकाबलों की घोषणा - कल कैवेलरी पोलो ग्राउंड में दो प्रत्याशित सेमीफ़ाइनल मुकाबले होंगे: जयपुर पोलो टीम बनाम कोग्निवेरा एएससी पोलो टीम। थंडरबोल्ट पोलो टीम बनाम गोहिलवाड पोलो टीम। लीग चरण और पेनल्टी शूटआउट समाप्त होने के साथ, टूर्नामेंट निर्णायक दौर में पहुँच गया है। टीमें अपनी फॉर्म और रणनीतियों का पूरा फ़ायदा उठाना चाहेंगी, और आर्मी कमांडर्स कप जीतने के लिए हर गोल और रक्षात्मक खेल काफ़ी अहम होगा।

पहली बार भरत में हो रही एशियन एक्वेटिक्स के मस्कट और लोगो का अनावरण

जयपुर, 5 सितम्बर। भारत पहली बार एशिया के सबसे बड़े जलीय खेलों के महाकुंभ की मेजबानी करने जा रहा है। 11वीं एशियन एक्वेटिक्स (स्वीमिंग) चैंपियनशिप 28 सितम्बर से 11 अक्टूबर तक अहमदाबाद के नवनिर्मित वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जाएगी। स्वीमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष राजस्थान के अनिल व्यास ने शुक्रवार को बताया कि इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में स्विमिंग, डाइविंग, आर्टिस्टिक स्विमिंग और वॉटर पोलो जैसे खेलों में एशिया के 30 से अधिक देशों के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। जापान, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगे। शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में केन्द्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने चैंपियनशिप के मस्कट और लोगो का अनावरण किया। कार्यक्रम में राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष और फेडरेशन के उपाध्यक्ष अनिल व्यास भी मौजूद थे।

अभिनव व कृष्णा का स्वागत

जयपुर, 5 सितंबर। आज जयपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा हाल ही में जापान के टोक्यो में होने वाले 25 में ग्रीष्मकालीन डेफ ओलंपिक में अभिनव शर्मा का चयन होने पर तथा यूके में संपन्न पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप में कृष्ण नागर द्वारा कांस्य पदक जीतने पर दोनों खिलाड़ियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर कोच यादवेंद्र सिंह जयपुर जिला संघ सचिव मनोज दासोत व जयपुर जिला के कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता मौजूद रहे। इस मौके पर दोनों खिलाड़ियों को 11000 रुपए के चेक तथा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। साथ ही सभी खिलाड़ियों को इस खुशी में लड्डू बांटे गए। इस मौके पर अभिनव शर्मा के भाई आरुणि शर्मा ने अभिनव के तीनों गुरु यादवेंद्र सिंह ,अतुल गुप्ता व मनोज दासोत की तारीफ करते हुए कहा कि आप लोगों के सहयोग व कोचिंगके बगैर अभिनव का इन ऊंचाइयों पर जाना संभव नहीं था। साथी इस मौके पर कृष्णा नागर ने मनोज दासोत की तारीफ करते हुए कहा की उनके द्वारा दिये प्रशिक्षण ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने में बहुत मदद की।

थाईलैंड को 11-0 से रौंदकर भारतीय महिला टीम की एशिया कप में विस्फोटक शुरुआत

हांगझोऊ (चीन), 5 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 11-0 से रौंद कर एशिया कप में विजय के साथ अपने अभियान की विस्फोटक शुरुआत की। भारतीय टीम के लिए मुमताज खान ने (सातवें, 49वें), उदिता ने (30वें, 52वें) और ब्यूटी डुंग डुंग ने (45वें, 54वें) मिनट में दो-दो गोल किए, जबकि संगीता कुमारी ने (10वें), नवनीत कौर ने (16वें), लालरेम्सियामी ने (18वें), शर्मिला देवी (57वें) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें) मिनट में गोल किए।

पहले क्वार्टर में मुमताज खान (सातवें मिनट) और संगीता कुमारी (10वें मिनट) के दो मैदानी गोलों से भारत ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बना लिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी आक्रामकता और बढ़ाते हुए तीन और गोल दागकर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर ने (16वें मिनट) और मिडफील्डर लालरेम्सियामी नें (18वें मिनट) लगातार दो मैदानी गोल दागे और उसके बाद उदिता ने (30वें मिनट) में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके पहले हाफ का समापन शानदार तरीके से किया।

दूसरे हाफ में भी भारत ने थाईलैंड के सर्कल के अंदर लगातार हमले किए और तीसरे क्वार्टर में उसे चार पेनल्टी कॉर्नर मिले, जिनमें से ब्यूटी डुंग डुंग नें (45वें मिनट) में अपना पहला गोल दागा। मैच के आखिरी क्वार्टर में भारत ने लगातार पांच गोल दागकर अपने पहले मुकाबले में बड़ी जीत दर्ज की। मुमताज खान (49वें मिनट), उदिता (52वें मिनट) और शर्मिला देवी (57वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए, जबकि ब्यूटी डुंग डुंग (54वें मिनट) और रुतुजा दादासो पिसल (60वें मिनट) ने फील्ड गोल किए।

विश्व मुक्केबाजी : सुमित और नीरज ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की

लिवरपूल, 5 सितंबर। सुमित कुंडू (पुरुष 75 किग्रा) और नीरज फोगाट (महिला 65 किग्रा) ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अपने-अपने भार वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। शुक्रवार को ब्रिटेन के लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। पुरुषों के 75 किग्रा वर्ग के पहले राउंड में सुमित को जॉर्डन के मोहम्मद अलहुसिएन के खिलाफ तीनों राउंड में कोई परेशानी नहीं हुई और उन्होंने 5:0 से जीत हासिल की, जबकि नीरज को फिनलैंड की क्रिस्टा कोवलैनेन को हराने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और 3:2 से जीत हासिल की। भारत ने हाल ही में गठित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी नियामक संस्था, विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित हो रही पहली विश्व चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय मजबूत दल उतारा है और ब्राजील और कजाकिस्तान में हुए विश्व मुक्केबाजी कप में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहता है।

मेसी के घरेलू मैदान पर डबल से अर्जेंटीना ने वेनेज़ुएला को हराया

ब्यूनस आयर्स, 5 सितंबर। लियोनेल मेसी ने अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर में दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने गुरुवार को वेनेज़ुएला पर 3-0 से जीत हासिल की। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी, जो वार्मअप के दौरान भावुक हो गए थे, ने 39वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के काउंटरअटैक क्रॉस पर गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी।

स्थानापन्न लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के बाएं बाईलाइन से कट-बैक के बाद डाइविंग हेडर से बढ़त दोगुनी कर दी। मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर 12 गज की दूरी से साइड-फुटिंग गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया।

38 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने 89वें मिनट में रोमो के ऊपर से गेंद को चिप करके अपनी हैट्रिक पक्की कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दे दिया गया। मेसी, जिन्होंने पिछले हफ़्ते कहा था कि यह क्वालीफ़ाइंग

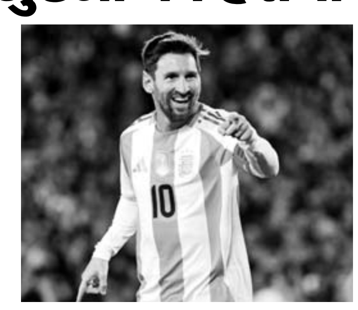

अभियान लगभग उनका आखिरी अभियान होगा, को अंतिम मिनटों में 80,000 से ज्यादा प्रशंसकों ने उनका नाम लेकर सलाम किया। एस्टाडियो मोनुमेंटल में हुए इस परिणाम के साथ अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में शीर्ष पर 10 अंकों की बढ़त के साथ एक मैच का दिन शेष रहते पहुंच गया है। वेनेज़ुएला, जो अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है, 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है, जिससे उसे प्लेऑफ में जगह मिल जाएगी।

नीरज और नदीम विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में करेंगे प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली, 5 सितंबर। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एशिया को बताया, अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे। उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है। भारतीय एथलीट नीरज टोक्यो में होने वाली भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

भगदड़ के बाद पहली बार टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा चिन्नास्वामी

बेंगलुरु, 5 सितम्बर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल जीत के बाद 4 जून को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के बाद चिन्नास्वामी पहली बार क्रिकेट मुक़ाबलों की मेजबानी करेगा। यह स्टेडियम कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के तिम्मप्पिया मेमोरियल ट्रॉफ़ी के मेजबानों में से एक है, जो 16 टीमों वाला एक लाल गेंद के साथ खेला जाने वाला बहु-दिवसीय प्री-सीजन टूर्नामेंट है। चिन्नास्वामी स्टेडियम इस प्रतियोगिता के छह मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें एक सेमीफ़ाइनल और 26 सितंबर से होने वाला फ़ाइनल शामिल है। हालांकि स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति नहीं होगी। अजिंक्य रहाणे, वेंकटेश अय्यर, हनुमा विहारी, विजय शंकर, शशांक सिंह भाग लेने वाले शीर्ष भारतीय सितारों में से हैं। टूर्नामेंट में मुंबई, विदर्भ, मध्य प्रदेश, हिमाचल, छत्तीसगढ़ सहित अन्य की टीमें शामिल हैं। चिन्नास्वामी की क्रिकेट कैलेंडर में वापसी ऐसे समय में हुई है जब आरसीबी ने इस दुखद भगदड़ पर सोशल मीडिया पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। पिछले हफ़्ते फ्रेंचाइजी ने मृतकों के परिवारों को 25 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की थी, साथ ही बेहतर भीड़ सुरक्षा और प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक कार्रवाई का भी वादा किया था।

चीन एशियाई बेसबॉल चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा

फ़ूज़ौ, 5 सितंबर। आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2025 एशियाई बेसबॉल चैंपियनशिप दक्षिण-पूर्वी चीन के फ़ुज़ियान प्रांत के पिंग्टन में 22 से 28 सितंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी। इस चैंपियनशिप में जापान, दक्षिण कोरिया, चीनी ताइपे, फिलीपींस, हांगकांग, पाकिस्तान, फ़िलिस्तीन और मेजबान चीन शामिल होंगे। बीस बार विजेता जापान, 2023 का सेमीफाइनलिस्ट दक्षिण कोरिया और 2019 में विजेता और 2023 में उपविजेता चीनी ताइपे इस साल की चैंपियनशिप में प्रबल दावेदार हैं, जिसका विजेता 2026 में होने वाले अंडर-23 बेसबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगा।

गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश अमय, हार्विन, वीर, नविका और लक्षाण्या अंडर-9 के अंतिम 4 में

राजस्थान के सुभाष अंडर-17 के फाइनल में

जयपुर, 5 सितम्बर। राजस्थान के सुभाष चौधरी ने शुक्रवार को यहां तमिलनाडु के दर्शिल परसरामपुरिया को 11-5, 11-7, 3-11, 11-6 से पराजित कर सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर खेली जा रही गोल्ड मेडल इंडियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप के अंडर-17 बॉयज के फाइनल में प्रवेश कर लिया। फाइनल में सुभाष का मुकाबला शनिवार को राघव वशिष्ठ (उत्तर प्रदेश) और वरुण शाह (महाराष्ट्र) के बीच दूसरे सेमी फाइनल के विजेता से होगा।

अंडर-17 गर्ल्स की खिताबी भिड़ंत सहर नायर और सानवी कलंकी के बीच होगा। सेमी फाइनल में सहर नायर ने आराध्या पोड़वाल (रिटायर) को और सानवी कलंकी ने दिवा शाह को 9-11, 11-6, 11-9, 11-1 से हरा फाइनल में जगह बनाई। अंडर-9 के बॉयज में

राजस्थान के अमय महाजन, हार्विन सेठिया, वीर लोयल ने अपने क्वार्टर फाइनल मैच जीत सेमी फाइनल में प्रवेश किया। वहीं गर्ल्स में राजस्थान की नविका सोनी और लक्षाण्या राजावत अंतिम चार में पहुंच गई हैं।

अंडर-15 बॉयज में श्रेयांस झा ने आर्यमन सिंह को 11-5, 12-10, 10-12, 11-3 से हरा फाइनल में जगह बना, जहां उनका मुकाबला हर्शिल राणा से होगा। हर्शिल ने श्रेष्ठ अय्यर को 7-11, 11-8, 11-7 (रिटायर) से शिकस्त दी। वहीं गर्ल्स अंडर-15 के सेमी फाइनल में वसुंधरा नांगरे ने गौशिका एम को 11-6, 12-10, 12-10 से और आद्या बुधिया ने आन्या सूद को 12-10, 11-5, 11-2 से हरा फाइनल में जगह बनाई। अंडर-13 बॉयज में शयान समतानी ने राजस्थान के प्रभव बाजोरिया को 11-5, 11-5, 11-4 से और अभ्युदय अरोड़ा ने अमार्य बजाज को 11-9, 11-9, 9-11, 11-7 से हरा फाइनल में प्रवेश किया। वहीं गर्ल्स में नंदिकाश्री कलाइवनन ने करिना शशिकुमार (सिंगापुर) को 11-4, 11-9, 11-9 से और शनाया परसरामपुरिया ने राजस्थान की दिव्यांशी जैन को 2-11, 12-10, 11-6, 7-11, 8-6 (रिटायर) से हरा फाइनल में जगह पक्की की। अंडर-11 बॉयज में तिलकवीर कपूर ने वेद सांगानेरिया को 11-2, 11-4, 11-8 से और हरिबाला के. ने निर्वान पारीक को 15-13, 6-11, 11-6, 11-4 से हरा फाइनल में स्थान बनाया। वहीं गर्ल्स अंडर-11 में कीर्ति प्रधा जुनिवार बाला ने मीरा रुथिरन को 11-2, 11-5, 11-5 से और आलिया कांकरिया ने आर्ना पांडे को 11-6, 11-3, 11-5 से शिकस्त दे फाइनल में जगह पक्की कर ली।

अंडर-19 गर्ल्स में रुद्रा सिंह ने राजस्थान की छवि सारण को 11-4, 11-2, 11-2 से हरा फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में रुद्रा का मुकाबला खशबू और व्योमिका खंडेलवाल के बीच दूसरे सेमी फाइनल की विजेता से होगा। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा के अनुसार शनिवार को सभी कैटेगरी के फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। इसके अलावा अंडर-9 के सेमी फाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में आए शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन के शिल्पकार और राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं और एक अच्छा शिक्षक हज़ार लाइब्रेरी के बराबर होता है।

एक अच्छा शिक्षक हज़ार लायब्रेरी के बराबर होता है - मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

शिक्षक दिवस पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा, यह दिवस शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता का दिन है क्योंकि शिक्षक जीवन के शिल्पकार व राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं

- **मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग में अब तक 20 हज़ार से ज्यादा नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा 18 हज़ार से अधिक पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं और 33217 को पदोन्नति दी गई हैं।**
- **मुख्यमंत्री ने बताया कि 4000 से ज्यादा स्कूलों में 8000 स्मार्ट क्लास रूम बनाए गए हैं और 88000 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट दिए गए हैं।**

जयपुर, 5 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में कहा कि शिक्षक दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले गुरुओं के प्रति कृतज्ञता का दिन है। उन्होंने कहा कि शिक्षक जीवन के शिल्पकार और राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं। एक अच्छा शिक्षक हजार लाइब्रेरी के बराबर होता है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को जीवन के हर क्षेत्र में सर्वोपरि बताया।

मुख्यमंत्री ने समारोह में शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षकों के कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने बताया कि अब तक शिक्षा विभाग में 20 हजार से अधिक नियुक्तियां की जा चुकी हैं और 18 हजार से अधिक पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं। साथ ही, 33,217 कार्मिकों को पदोन्नति दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य के 4,000 से अधिक विद्यालयों में 8,000 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए गए हैं। 88,800 मेधावी विद्यार्थियों को इंटरनेट सुविधा सहित निःशुल्क टैबलेट वितरित किए गए हैं। ई-पाठशाला वॉट्सऐप चैनल के माध्यम से विषय विशेषज्ञों की ऑनलाइन कक्षाएं भी चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने डॉ. राधाकृष्णन और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं, चरित्र निर्माण भी है।

कार्यक्रम की शुरुआत में पीपलोदी हादसे में दिवंगत बच्चों को मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने शिविरा पत्रिका (शिक्षक दिवस विशेषांक), शिक्षक सम्मान पुस्तिका और प्रखर राजस्थान 2.0 अभियान (रीड टू लीड) का पोस्टर विमोचन किया। साथ ही, राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की ऑन डिमांड परीक्षा नवाचार का शुभारंभ भी किया गया।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शिक्षा को आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का आधार बताया।

स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान अब राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस अवसर पर शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, आयुक्त अनुपमा जोरवाल, निदेशक सीताराम जाट, मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा सहित, बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित थे।

हम रूस से तेल खरीदना जारी रखेंगे, निर्मला सीतारमण ने दो टूक कहा

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, रूसी तेल हो या कुछ और हम अपनी जरूरत के अनुसार फैसला करेंगे

- **वित्तमंत्री ने कहा कि जी एस टी सुधारों से टैरिफ का असर कम करने में मदद मिलेगी।**

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। भारत रूसी तेल खरीदना जारी रखेगा और इस बारे में निर्णय पूरी तरह से राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यह साफ किया।

एक साक्षात्कार में वित्त मंत्री ने कहा, "चाहे वह रूसी तेल हो या कुछ और, हम दरों, लॉजिस्टिक्स या अन्य किसी भी मामले में अपनी आवश्यकताओं के अनुसार ही निर्णय लेंगे। तेल एक बड़ी विदेशी मुद्रा से जुड़ी वस्तु है। ऐसे में हम अपना तेल कहां से खरीदते हैं, यह एक ऐसा निर्णय है, जो हम सबसे अधिक उपयुक्त चीजों को ध्यान में रखकर लेते हैं। इसलिए, हम निस्संदेह रूसी तेल खरीदेंगे।"

केन्द्रीय मंत्री ने दोहराया कि भारत के आयात बिल में कच्चे तेल का योगदान सबसे अधिक है। वित्त मंत्री का बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका ने भारत से आयात पर रूसी तेल खरीदने और यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाकर 27 अगस्त से 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया है।

उधर बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि अमेरिका ने रूस के साथ व्यापारिक संबंध जारी रखने वाले देशों पर अभी तक "चरण-2" और "चरण-3" शुल्क लागू नहीं किए हैं। उन्होंने भारत पर लगाए गए प्रतिबंधों को रूस के खिलाफ सीधी कार्रवाई बताया और कहा कि इससे रूस को सैकड़ों अरब डॉलर का नुकसान होगा।

सीतारमण ने यह भी कहा कि जीएसटी जैसे सुधार से टैरिफ से जुड़ी कई चिंताएं दूर हो जाएंगी। 50 प्रतिशत टैरिफ का सामना कर रहे उद्योगों को मदद का आश्वासन देते हुए, सीतारमण ने कहा, "हम उन लोगों की मदद के लिए कुछ न कुछ लेकर आएंगे, जो इससे प्रभावित हुए हैं। पैकेज में कई तरह के उपाय शामिल हैं, और निश्चित रूप से उनकी मदद के लिए कुछ न कुछ आ रहा है।"

'चीन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, जो सदैव रहेगी'

गोरखपुर, 05 सितम्बर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने चीन को लेकर बड़ा बयान दिया है। जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि चीन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। चीन के साथ ये चुनौती आगे भी रहेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही।

- **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने गोरखपुर के एक कार्यक्रम में भारत-चीन सीमा विवाद पर टिप्पणी की।**

सीडीएस ने पाकिस्तान द्वारा छेड़े गए प्रॉक्सी वॉर को भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती बताया और कहा कि किसी देश के सामने चुनौतियां क्षणिक नहीं होतीं, बल्कि विभिन्न रूपों में मौजूद होती हैं।

जनरल अनिल चौहान ने कहा, मेरा मानना है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी रहेगी। दूसरी बड़ी चुनौती भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध है, जिसमें भारत को हजारों घाव देकर खून बहाने की रणनीति अपनाई गई है।

जनरल चौहान ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी चिंता का विषय बताया और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक और चुनौती यह है कि युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं - अब इसमें साइबर और अंतरिक्ष भी शामिल हैं।

ट्रंप ने कहा, लगता है हमने भारत को खो दिया है

ट्रंप ने माना कि अमेरिका की भारत के साथ दूरियां बढ़ गई हैं

- **ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि ऐसा लगता है हमने भारत और रूस को अब रहस्यमयी और खतरनाक चीन के हाथों खो दिया है।**

नयी दिल्ली, 05 सितंबर। भारत के खिलाफ अमेरिका में ऊंचे आयात शुल्क को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आशंका जतायी है कि उनके देश के साथ भारत की दूरियां बढ़ गयीं हैं और वह संभवतः चीन के साथ जुड़ रहा है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक संक्षिप्त पोस्ट में लिखा, ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को अति रहस्यमय और अति खतरनाक चीन के हाथों खो दिया है। ईश्वर करे कि उनका भविष्य दीर्घ और समृद्ध हो। इस कथन के साथ उन्होंने हाल ही में तियांजिन में संपन्न हुयी शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन और चीनी प्रमुख शी जिनपिंग की एक फोटो टैग की है।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत के सामान पर अमेरिका में 25 प्रतिशत की दर से ऊंचा शुल्क लगाने के साथ ही, रूस का तेल खरीदने के लिए अमेरिका के आपातकाल के कानूनों के तहत शुल्क को दोगुना कर दिया है।

ट्रम्प ने गुरुवार को नाटो के नेताओं के साथ बातचीत में उनसे रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने का सिलसिला बंद करने का भी दबाव डाला था।

वहीं, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रम्प के इस पोस्ट पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत समेत, बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामले की सुनवाई यूएस कोर्ट में चल रही है। ट्रम्प ने गुरुवार को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा।

'नई जी.एस.टी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धूमधाम के बीच, वह चार-अक्षर का शब्द जो संघवाद की गर्दन काट रहा है वह है 'सेस'। उपकर के रूप में एकत्र किए गया 100 प्रतिशत पैसा केन्द्र सरकार के पास जाता है। एक रुपया भी नहीं दिया जाता। ओ'ब्रायन के अनुसार, 2012 में उपकर, केन्द्र सरकार की कुल कर - आय का सात प्रतिशत था। उन्होंने कहा, "अनुमानतः 2025 में उपकर कुल कर-राजस्व का लगभग 20 प्रतिशत है। 2019 से अब तक 5.7 लाख करोड़ रुपये का उपकर और अधिभार (सरचार्ज) बिना उपयोग के पड़ा हुआ है।" उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों ने भी राजस्व के विभाज्य पूल के घटते आकार का विरोध किया है। ओ'ब्रायन ने लिखा, इन राज्यों (कुल 22) ने 16वें वित्त आयोग से कर संग्रह में अधिक हिस्सेदारी की मांग की तथा कहा कि जो अभी 41 प्रतिशत है, उसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाए। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, विभाज्य पूल (डिबिजिबल पूल) 2011 में सकल कर राजस्व का 89 प्रतिशत था, जो 2021 में घटकर 79 प्रतिशत रह गया। यह तो उस स्थिति में हुआ है जब 14वें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार, राज्यों को मिलने वाली कर राशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, उन्होंने कहा, 2015 से 2024 के बीच, प्रचलित उपकरों में 462 प्रतिशत की वृद्धि हुई है (जो दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है)।

'चीन के राष्ट्रपति शी ने भारत की राष्ट्रपति मुर्मू को कोई पत्र नहीं भेजा'

भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रंप के करीबी पीटर नवारो के बयानों को गलत व भ्रामक बताया

- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत व अमेरिका के रिश्ते गहरे हैं, जिन्हें ऐसे गलत बयानों से प्रभावित नहीं किया जा सकता।**

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। भारत ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के हालिया बयानों को सख्ती से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने साफ कहा कि नवारो के बयान न केवल गलत हैं, बल्कि भ्रामक भी हैं। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते गहरे हैं और इन्हें भ्रामक बयानों से प्रभावित नहीं किया जा सकता। साथ ही, ब्लूमबर्ग की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को गुप्त पत्र भेजने वाली रिपोर्ट को गलत बताया। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में हो रहे प्रदर्शन पर भी विदेश मंत्रालय ने अपनी बात कही।

जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। यह साझेदारी साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का रिश्ता कई बदलावों और चुनौतियों से गुजरा है, लेकिन हमेशा मजबूत रहा है। भारत चाहता है कि यह साझेदारी आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ती रहे। उन्होंनेएच-1बी वीजा के मामले में कहा कि भारत और अमेरिका के बीच गतिशीलता साझेदारी इस रिश्ते का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापारिक मुद्दों पर लगातार बातचीत कर रहा है। उन्होंने क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) को साझा हितों पर चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया और कहा कि इसके नेताओं का अगला शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के बीच राजनयिक परामर्श के बाद तय होगा। यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए जायसवाल ने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और कहा कि भारत चाहता है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ें। उन्होंने दोहराया कि भारत का रुख स्पष्ट है। संघर्ष का जल्द अंत हो और यूक्रेन में स्थायी शांति स्थापित हो।

अधूरी केस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केस डायरी पेश की थी। परिवादी की ओर से पेश किए सबूत भी विरोधाभासी हैं, उसने आरोपी के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया है। इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना उचित होगा।

आरोपी के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि कोर्ट ने माना कि केस के आईओ घनश्याम शर्मा ने खुद के बयानों में कहा कि सर्किल के अधीन सभी केस डायरी की सार-संभाल की जिम्मेदारी वृत्ताधिकारी के निर्देशन में ऑफिस की रहती है। मामले में चालान पेश होने के बाद वह वृत्त कार्यालय में ही रहीं। इस मामले की काउंटर केस डायरी भी उसके ऑफिस में ही थी। इसलिए यह साबित है कि आरोपी ने हाईकोर्ट में अधूरी केस डायरी पेश नहीं की थी। आरोपी ने दलील दी थी कि पूर्व आईओ के ट्रांसफर होने पर हाईकोर्ट के मौखिक निर्देश पर वह पेश हुआ था। केस के आईओ खुद सीओ थे और उसे इस मामले में झूठा फंसाया है। वह उस मामले में जांच अधिकारी नहीं रहा था। उसके खिलाफ गलत तौर पर लोक सेवक होते हुए जानबूझकर अदालत के निर्देश की अवज्ञा करने का मामला दर्ज हुआ है, जबकि पूर्व आईओ ने अपने कर्तव्य का निर्वहन नहीं किया है, इसलिए उसे दोषमुक्त किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को दोषमुक्त कर दिया।

मणिमहेश यात्रा में फंसे 135 तीर्थ यात्रियों को बचाया

- **भारतीय वायुसेना ने चिनूक हैलिकॉप्टर्स की मदद से रैस्क्यू ऑपरेशन चलाया।**

शिमला, 05 सितंबर। हिमाचल प्रदेश में पहली बार भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टरों ने भरमौर में मणिमहेश यात्रा के दौरान फंसे 135 तीर्थयात्रियों को चंबा के करियां हेलीपैड पर सुरक्षित पहुंचाया है।

राज्य सरकार ने दो हफ़्ते की लगातार बारिश के बाद मौसम में सुधार के साथ सबसे ज़्यादा प्रभावित कुल्लू और चंबा ज़िलों में राहत और बचाव अभियान तेज़ कर दिया है, जहां भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने से व्यापक तबाही हुई है। राज्य में पहली बार भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टरों को बचाव अभियान में लगाया गया। इन हेलिकॉप्टरों के जरिए सिर्फ़ तीन उड़ानों में ही भरमौर में मणिमहेश यात्रा के दौरान फंसे 135 तीर्थयात्रियों को चंबा के करियां हेलीपैड पर सुरक्षित पहुंचाया गया। प्रत्येक उड़ान में 52 से 60 तीर्थयात्रियों को हवाई मार्ग से निकाला गया, जो इस अभियान की एक बड़ी सफलता है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी राहत सामग्री लेकर सेना के एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर से कुल्लू पहुंचे। सैंज घाटी में आपातकालीन आपूर्ति पहुंचाने के लिए तीन और वायुसेना हेलीकॉप्टर - दो एमआई-17 और एक चिनूक - भुंतर हवाई अड्डे पर तैनात किए गए हैं, जहां शक्ति और मरोर जैसे गांवों में राशन, दवाइयां और तिरपाल पहले ही हवाई मार्ग से गिराए जा चुके हैं।(पिछले तीन दिनों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डेरा डाले हुए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने पांगी और भरमौर की सुदूर घाटियों का पैदल दौरा किया।

स्वर्ण मंदिर हमले का आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 05 सितंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गत मार्च में हुए अमृतसर मंदिर ग्रेनेड हमला मामले में प्रमुख वांछित आतंकी आरोपी को शुक्रवार को बिहार के गया से गिरफ्तार कर लिया। एनआईए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान पंजाब में गुरदासपुर जिले के बटाला के कादियान गाँव भैनी बांगर निवासी शरणजीत कुमार उर्फ सनी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, आरोपी गत 15 मार्च को तड़के हुए आतंकी हमले की साजिश और उसे अंजाम देने में सक्रिय रूप से शामिल पाया गया। ग्रेनेड हमला दो बाइक सवार हमलावरों, गुरसिदक सिंह और विशाल गिल ने किया था, जो अपने विदेशी आकाओं के निर्देशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच में यूरोप, अमेरिका और कनाडा में हमलावरों के आकाओं की रची गयी साजिश का खुलासा हुआ, जिन्होंने भारत में अपने सक्रिय कार्यकर्ताओं को आतंकी उपकरण, धन, रसद सहायता और लक्ष्य का विवरण प्रदान किया था। उन्होंने कहा, हमारी जांच से पता चला है कि गुरसिदक और विशाल हथगोले की कई खेपों के साथ-साथ हथियारों और गोला-बारुद की खरीद और आपूर्ति में शामिल थे।

एक बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपडेट की हैं। चीन, भारत और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों ने अब तक ऐसा नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र को उम्मीद है कि आखिरी समय में भारी संख्या में प्रस्ताव आएंगे, लेकिन हर सप्ताह की देरी डील करने की ताकत को कम करती है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी कि देरी की कीमत भारी होगी। अगर दोनों देश ताजा प्रस्ताव नहीं लाते, तो वे अरबों डॉलर के उस अनुकूलन फंड से हाथ धो बैठेंगे, जो शुरुआती चेतावनी प्रणालियों, जलवायु-लचीले बुनियादी ढांचे और स्वच्छ परिवहन में निवेश के लिए जरूरी है - जिससे सर्दियों के स्मॉग को कम किया जा सकता है।

18 माह की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने बताया कि 6 फरवरी 2025 को पीड़िता के अब्बा ने ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस थानाधिकारी को आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा कि वह आज किसी काम से नागतलाई गया था। शाम को उसकी पत्नी ने फोन पर बताया कि बच्ची रो रही है और उसकी पाजामी पर खून लगा हुआ है। उसे उसकी बहन का शौहर ठेले से कुछ खिलाने के लिए लेकर गया था। एक घंटे बाद वह उसे दादी के पास छोड़कर गया है। बच्ची को खिलाने के बहाने ले जाकर उसने दुष्कर्म किया है। उसकी बच्ची अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

मुम्बई में बम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने जांच शुरू कर दी है। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। दरअसल, शनिवार को गणेशोत्सव का अंतिम दिन (अनंत चतुर्दशी) है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु गणेश विसर्जन के लिए निकलेंगे। इसलिए सुरक्षा को और सख्त कर दिया गया है। पुलिस ने शहर के अहम इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और कई जगहों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन चल रहे हैं। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ट्रम्प के "ट्रेड" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बस इतना था कि अधिक स्पष्ट युद्ध, यानी भौतिक वस्तुओं का व्यापार, पहले निपटाया गया। वैसे भी, भारत का सेवाओं का निर्यात, विशेषकर सॉफ़्टवेयर सेवाएँ, पहले से ही एक और बड़े अस्तित्व संकट का सामना कर रहा है। कई सेवाएँ जो भारत देता रहा है, अब ट्रेन्ड मैनपावर (प्रशिक्षित कर्मियों) के बिना भी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (ए.आई.) टूल्स से पूरी की जा सकती हैं। भविष्य का उत्तर यही होना चाहिए कि आईटी और सॉफ़्टवेयर उद्योगों के नए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाए और ए.आई. क्षेत्र में अनुसंधान और विकास प्रयासों को बढ़ाया जाए। अब तक भारत ए.आई. क्षेत्र और उसके विकास में पिछड़ता रहा है। भारत की आईटी कंपनियों को अब ए.आई. क्षेत्र में जगह बनाने और बढ़त हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा, विशेषकर चीनियों के खिलाफ। चीनी कंपनियाँ पहले ही ए.आई. खंडों में दूसरों से आगे निकल चुकी हैं और ये कंपनियाँ अक्सर अमेरिकी कंपनियों से भी अधिक उन्नत और किफ़ायती होती हैं।

नेपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सख्त निगरानी और नियंत्रण उपाय शामिल हैं, सोशल मीडिया कंपनियों के लिए अव्यवहारिक और हस्तक्षेपकारी प्रतीत हुई होंगी, जिससे उन्होंने पंजीकरण से इंकार कर दिया। सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च के निदेशक उज्ज्वल आचार्य ने इस फैसले को भ्रमित करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबंध नेपाल की लोकतांत्रिक छवि की कीमत पर आया है।

पंजाब के मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुखार से पीड़ित हैं। केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर मान से मुलाकात की थी। इसके बाद, आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कपूरथला जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सुल्तानपुर लोधी का दौरा किया और राज्य में चलाए जा रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत भी की।

'भारत में बुजुर्गों की आबादी बढ़ी'

रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की आबादी 9.7 प्रतिशत हो गई है

- **इनमें केरल में सबसे ज्यादा, 15.1 प्रतिशत बुजुर्ग हैं, दूसरे व तीसरे नम्बर पर क्रमशः तमिलनाडु व हिमाचल प्रदेश हैं।**

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। भारत की आबादी धीरे-धीरे बूढ़ापे की ओर बढ़ रही है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की 2023 की एक रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एसआरएस की रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में प्रजनन दर कम होती जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में काम-काजी आयु वर्ग (15-59 वर्ष) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है। हालांकि, 0-14 आयु वर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 1971 से 1981 के बीच 0-14 आयु वर्ग की हिस्सेदारी 41.2 प्रतिशत से घटकर 38.1 प्रतिशत रह गई थी, जबकि 1991 से 2023 के बीच यह आंकड़ा 36.3 प्रतिशत से गिरकर 24.2 प्रतिशत हो गया। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से खुलासा हुआ है कि इसी अवधि में देश की कुल प्रजनन दर 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई है। एसआरएस की ओर से इस रिपोर्ट को तैयार करने में लगभग 88 लाख की सैंपल जनसंख्या को शामिल किया गया है। यह दुनिया के सबसे बड़े डेमोग्राफिक सर्वे में से एक है। रिपोर्ट में ये भी पता लगा है कि भारत के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में 0-14 आयु वर्ग में लड़कों की संख्या लड़कियों से ज्यादा है। इसमें दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र अपवाद हैं, जहां लड़कियों का अनुपात अधिक है। एसआरएस की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में काम-काजी आयु वर्ग का अनुपात 1971 में 53.4 प्रतिशत से बढ़ कर 2023 में 66.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसमें सबसे अधिक प्रतिशत दिल्ली (70.8 प्रतिशत) में और उसके बाद तेलंगाना (70.2 प्रतिशत) और आंध्र प्रदेश (70.1 प्रतिशत) में है, जबकि सबसे कम बिहार (60.1 प्रतिशत) दर्ज किया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908